दैनिक नवसंदेश

सबकी बात, रोजाना साथ

R.N.- UDYAM-BR-26-0012779

पटना : बुधवार, 19 अगस्त, 2026 ■ वर्ष -01 ■ अंक-181 ■ पृष्ठ-15 ■ मूल्य : 01 रु. ■ ई मेल- dainiknavsandesh@gmail.com

TRE-4 का नोटिफिकेशन जारी 32,388 पदों पर होगी बहाली

एक सितंबर से छात्र कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

पटना (एनएसबी)। बीपीएससी ने शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-4) का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। टीआरई-4 के तहत कुल 32,388 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए 1 सितंबर से ऑनलाइन आवेदन शुरू होगा। आवेदन की अंतिम तारीख 30 सितंबर है। फिलहाल परीक्षा की तारीख घोषित नहीं की गई है।

इधर, टीआरई-4 और अन्य लंबित परीक्षाओं की मांग को लेकर

छात्रों से मिलने गर्दनीबाग पहुंचे तेजस्वी यादव

छात्र कई दिनों से गर्दनीबाग में अनिश्चितकालीन छात्र न्याय सत्याग्रह पर बैठे हैं। छात्र नेता ने सरकार को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा था कि 24 घंटे के अंदर टीआरई-4 का नोटिफिकेशन जारी किया जाए, नहीं तो शिक्षा मंत्री के आवास का घेराव किया जाएगा। इस बीच शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा था कि टीआरई-4 का नोटिफिकेशन जल्द जारी किया जाएगा। जितनी वैकेंसी की घोषणा की थी, इस बार उससे ज्यादा

पदों पर भर्ती निकलेगी। इस बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव मंगलवार को धरने पर बैठे छात्रों से मिलने गर्दनीबाग पहुंचे। इधर, छात्रों के प्रदर्शन के बीच चिराग पासवान ने सम्राट चौधरी को चिट्ठी लिखकर असिस्टेंट प्रोफेसर बहाली में गेस्ट टीचर को प्राथमिकता समेत 7 मांगें रखी हैं। वहीं नोटिफिकेशन जारी होने के बाद भी अभ्यर्थी अपना प्रदर्शन खत्म करने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उनका प्रदर्शन जारी रहेगा। अभ्यर्थियों की मांग है कि टीआरई-4 में सिर्फ एक ही परीक्षा होनी चाहिए। वे पीटी और मेन्स परीक्षा नहीं देना चाहते हैं। उनका कहना है कि सरकार को जो भी नया प्रयोग करना है, वह टीआरई-5 से करे।

राज्य में 5312 पुलिस पदों की लिखित परीक्षा का रिजल्ट जारी

27,969 अभ्यर्थी अगले चरण के लिए चयनित

पटना (एनएसबी)। केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) ने मंगलवार को तीन अलग-अलग भर्ती परीक्षाओं के लिखित परीक्षा परिणाम जारी कर दिए। इन परीक्षाओं के माध्यम से कुल 5312 पदों पर भर्ती होनी है। पर्षद के अनुसार तीनों भर्तियों में कुल 27 हजार 969 अभ्यर्थियों को शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) या शारीरिक जांच एवं माप परीक्षा (पीएसटी) के लिए चयनित किया गया है। इनमें मद्य निषेध सिपाही, कक्षपाल और चलंत दस्ता सिपाही के 4236 पद शामिल हैं। बिहार पुलिस दूरसंचार एवं तकनीकी अराजपत्रित संवर्ग में सिपाही (परिचालक) के 993 पदों के लिए भी परिणाम जारी हुआ है। वहीं बिहार पुलिस विशेष शाखा में सिपाही के 83 पदों के लिए लिखित परीक्षा का परिणाम भी घोषित किया गया है। मद्य निषेध सिपाही, कक्षपाल और चलंत दस्ता सिपाही के लिए 11 लाख 4 हजार 473 वैध आवेदन मिले थे। 14 और 17 जून को हुई लिखित परीक्षा में 5 लाख 34 हजार 735 अभ्यर्थी शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

भारत ने तोड़ा 52 साल पुराना रिकॉर्ड

साउथ अफ्रीका को 6-1 से रौंदा, दर्ज की सबसे बड़ी जीत

नई दिल्ली। भारत ने विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका को 6-1 से हरा दिया। टीम इस जीत के साथ पुल-ऊके पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। टॉप-8 में पहुंचने के लिए टीम को आखिरी मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ ड्रॉ खेलना होगा। हारने कि स्थिति में चीन के खिलाफ साउथ अफ्रीका के जीत की दुआ करनी होगी। भारत की यह जीत विमेंस वर्ल्ड कप में उसकी अब तक की सबसे बड़ी जीत है। भारतीय महिलाओं ने इससे पहले इस टूर्नामेंट में अपनी सबसे बड़ी जीत 1974 में स्पेन के खिलाफ दर्ज की थी। तब भारतीय विमेंस टीम ने 4-1 से जीत हासिल की थी।

मिजोरम में 12.09 करोड़ की हेरोइन जब्त

आइजोल। असम राइफल्स और मिजोरम पुलिस ने दो अलग-अलग संयुक्त और समन्वित अभियानों में मिजोरम के सैतुअल जिले से लगभग 12.09 करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन जब्त की और दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया। एक सहयोगी एजेंसी से मिली खास खुफिया जानकारी के आधार पर असम राइफल्स ने मिजोरम पुलिस के साथ मिलकर सैतुअल जिले के न्गोपा इलाके में एक जॉइंट ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन के दौरान, जॉइंट टीम ने एक ड्रग तस्कर को पकड़ा और 1.180 किलोग्राम हेरोइन से भरी 109 साबुन की टिकिया बरामद की।

पीएम केयर्स में घरेलू डोनेशन 30 फीसदी घटा

नई दिल्ली। पीएम केयर्स फंड में घरेलू दान 2024-25 में 30फीसदी घटकर करीब 479 करोड़ रुपए रह गया। विदेशी दान भी 18 फीसदी घटकर 92.8 लाख रुपए रह गया है।फंड की ताजा ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक, 31 मार्च 2025 तक पीएम केयर्स फंड में कुल 8,452 करोड़ रुपए जमा थे। एक साल पहले 31 मार्च 2024 को यह रकम 7,173 करोड़ रुपए थी। इस रकम में 7,846 करोड़ रुपए फिक्स्ड डिपॉजिट और 605 करोड़ रुपए सेविंग्स बैंक अकाउंट में रखे गए थे। साल 2023-24 में पीएम केयर्स फंड में को घरेलू दान के तौर पर 681.8 करोड़ रुपए मिले थे।

मुंबई TISS के दीक्षांत में CJI चीफ गेस्ट नहीं होंगे

मुंबई। मुंबई के टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (TISS) के 86वें दीक्षांत समारोह में अब सीजेआई सूर्यकांत चीफ गेस्ट नहीं होंगे। 22 अगस्त को होने वाले समारोह में उनकी जगह टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. सीएस प्रमेश मुख्य अतिथि होंगे। पहले उखकसूर्यकांत को मुख्य अतिथि बनाया गया था और उन्हें दीक्षांत समारोह में भाषण देना था। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब हैदराबाद की NALSAR यूनिवर्सिटी में 450 से ज्यादा छात्रों ने उखकसूर्यकांत को दीक्षांत समारोह का मुख्य अतिथि बनाए जाने का विरोध किया था।

सारण में गांजा विक्रेता को 5 साल का सश्रम कारावास

सारण। मादक पदार्थ के विशेष न्यायाधीश सह जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम सैयद मोहम्मद फजलुल बारी की अदालत ने गांजा बिक्री के एक मामले में फैसला सुनाया है। अदालत ने बनियापुर थाना क्षेत्र के पुछरी बाजार निवासी धर्मेंद्र साह को एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(बी) के तहत 5 साल के सश्रम कारावास और 5,000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

सूबे में 18 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

सारण-सिवान, भोजपुर समेत कई जिलों के एसपी बदले

पटना (एनएसबी)। भोजपुर, सीवान समेत बिहार के 18 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया है। एक आईपीएस अधिकारी को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इनमें सबसे चर्चित नाम सीवान के एसपी पूरन कुमार झा का है। सीवान में छात्र प्रदर्शन के दौरान एके-47 से फायरिंग हुई थी। इसी घटना के बाद वह काफी चर्चा में आए थे। अब एसपी पूरन कुमार झा को हटा दिया गया है।

उनकी जगह भारत सोनी को सीवान का नया एसपी बनाया गया है। 2019 बैच के आईपीएस अधिकारी भारत सोनी पहले नालंदा में तैनात थे। पूरन कुमार झा को फिलहाल नई पोस्टिंग का इंतजार है। इससे पहले डीएम विवेक रंजन मैत्रेय को हटा दिया गया, वो भी वेंटिंग इन लिस्ट में हैं। वहीं भरत तिवारी एनकाउंटर मामले के बाद चर्चा में आए भोजपुर के एसपी मिस्टर राज का भी तबादला कर उन्हें रोहतास भेज दिया गया है। भरत तिवारी के भाई ने उन पर केस उठाने की धमकी देने का आरोप लगाया था। अवधेश दीक्षित को भोजपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले भोजपुर के डीएम का भी तबादला किया गया था। तनय सुल्तानिया की जगह मनोज कुमार मीणा को भोजपुर का नया डीएम बनाया गया है। बता दें इसके अलावा 2010 बैच के आईपीएस अनिल कुमार

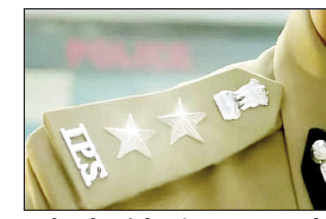

अभी डीआईजी, वित्त एवं तकनीकी सेवाएं, बिहार के पद पर तैनात थे। अब उन्हें मद्य निषेध एवं एनएनटीएफ का डीआईजी बनाया गया है। 2010 बैच के आईपीएस मृत्युंजय कुमार चौधरी अभी निगरानी अन्वेषण ब्यूरो में डीआईजी थे। अब उन्हें नागरिक सुरक्षा का डीआईजी के पद पर पदस्थापित किया गया है। 2012 बैच के आईपीएस राजीव रंजन-2 पहले मानवाधिकार में डीआईजी थे। अब उन्हें विशेष निगरानी इकाई का डीआईजी बनाया गया है। 2012 बैच के आईपीएस अजय कुमार पांडेय पहले मध निषेध एवं एनएनटीएफ में डीआईजी थे, अब उन्हें वित्त एवं तकनीकी सेवाओं का डीआईजी बनाया गया है। 2012 बैच के आईपीएस अमीर जावेद पहले कमजोर वर्ग एवं महिला कोषांग, अपराध अनुसंधान विभाग में डीआईजी थे। अब उन्हें निगरानी अन्वेषण ब्यूरो का डीआईजी बनाया गया है। 2012 बैच के आईपीएस मिथिलेश कुमार पहले ईओयू में एसपी थे।

दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन समेत छह गिरफ्तार

एसटीपी टेंडर घोटाले में एसीबी की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार की एंटी करप्शन ब्रांच (एसीबी) ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) टेंडर में बड़े घोटाले के आरोप में 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में जीएनसीटीडी के पूर्व जल मंत्री सत्येंद्र कुमार जैन, डीजेबी के पूर्व सीईओ आईएएस उदित प्रकाश राय, डीजेबी के पूर्व कॉन्ट्रैक्टुअल कंसल्टेंट अंकित श्रीवास्तव और तीन प्राइवेट कंपनियों के मालिक शामिल हैं। यह कार्रवाई एसीबी ने एफआईआर नंबर 10/2024 के तहत की। यह मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7/7ए/9/13 और आईपीसी की धारा 420/409/418/120-बी के तहत दर्ज है। यह शिकायत जीएनसीटीडी के सतर्कता निदेशालय की ओर से मिली थी। आरोप है कि डीजेबी के एसटीपी प्लांट्स को अपग्रेड करने के टेंडर में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं की गईं। जांच में सामने आया कि टेंडर की तकनीकी शर्तों को इस तरह बनाया गया कि वह एक खास टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर मेसर्स यूरोटेक एनवायरनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में चली जाएं। अधिकारियों के अनुसार, टेंडर में प्रस्तावित पायलट स्टडी नहीं कराई गई।

ग्वालियर में ट्रक और डंपर की टक्कर, आठ की मौत

ग्वालियर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से बड़ी खबर सामने आ रही है। भिंड-ग्वालियर नेशनल हाईवे-719 पर सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात भीषण सड़क हादसा हो गया। छीमका गांव के पास मजदूरों से भरी तेज रफ्तार पिकअप और सामने से आ रहे डंपर के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में आठ मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 32 मजदूर घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह हादसा रात करीब एक बजे हुआ। प्राथमिक जांच में पता चला है कि हाईवे पर बैठे गायों के झुंड को बचाने के दौरान यह दुर्घटना हुई। पिकअप में सवार सभी मजदूर उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के रहने वाले थे। वे धान की रोपाई का काम करने आए थे और काम पूरा होने के बाद घर लौट रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट में फांसी सिस्टम खत्म करने की याचिका खारिज

मौत के लिए जहरीले इंजेक्शन या गोली मारने जैसे तरीकों की मांग की गई थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मौत की सजा देने के लिए फांसी की मौजूदा व्यवस्था खत्म करने की याचिका खारिज कर दी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई आधार नहीं है, जिसके कारण फांसी को असंवैधानिक घोषित किया जाए। याचिका में फांसी को क्रूर, अमानवीय और दर्दनाम बताया गया था। इसकी जगह जहरीले इंजेक्शन, गोली मारने जैसे चार वैकल्पिक तरीकों से मौत की सजा देने की मांग की गई थी

सुप्रीम कोर्ट बोला-केंद्र चाहे तो फांसी के तरीके की समीक्षा करा सकता है : कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिका खारिज करने का मतलब यह नहीं है कि भविष्य में संवैधानिक समीक्षा का रास्ता बंद हो गया है। अगर ठोस

वैज्ञानिक, मेडिकल या अनुभवजन्य सबूत सामने आते हैं, तो इस मुद्दे की दोबारा जांच की जा सकती है।

कोर्ट ने कहा- केंद्र सरकार विशेषज्ञों की समिति बनाकर मौजूदा फांसी की व्यवस्था की व्यापक समीक्षा कर सकती है। समिति यह जांच सकती है कि क्या कोई वैकल्पिक तरीका अनावश्यक पीड़ा कम करने और दोषी की गरिमा बनाए रखने में बेहतर है।

याचिका में कहा था- कम दर्द देने वाले तरीके अपनाए जाएं : वरिष्ठ वकील ऋषि मल्होत्रा ने 2017 में यह याचिका दायर की थी। उन्होंने बताया था कि फांसी की प्रक्रिया में 40 मिनट से ज्यादा लग सकते हैं, जबकि गोली मारने में कुछ मिनट और जहरीले इंजेक्शन में करीब 5 मिनट लगने का दावा किया गया। याचिका में CrPC की धारा 354 (5) को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई थी। इसी धारा के तहत मौत की सजा पाए दोषी को गर्दन से तब तक लटकाया जाता है, जब तक उसकी मौत न हो जाए। याचिकाकर्ता ने इसे संविधान के अनुच्छेद 21 में मिले जीवन और गरिमा के अधिकार के खिलाफ बताया गया। मल्होत्रा ने यह भी कहा था कि मौत की सजा पाए कैदी को फांसी और जहरीले इंजेक्शन में से कोई एक तरीका चुनने का विकल्प मिलना चाहिए।

देश में बनेंगे फाइटर जेट-टैंक व मिसाइल सिस्टम के उपकरण

सरकार ने 405 प्रोडक्ट की लिस्ट जारी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार हथियारों-मिसाइलों और टैंक के ज्यादातर पार्ट्स भारत में ही बनाना चाहती है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को 405 स्ट्रैटेजिक आइटम्स की छठी लिस्ट जारी की। इनमें अलग-अलग मशीनों के हिस्से, स्पेयर पार्ट्स, कंपोनेंट, सब-सिस्टम और रॉ मटेरियल शामिल है। हेलिकॉप्टर और लड़ाकू विमान से जुड़े सामान, टैंक और बख्तरबंद गाड़ियों के सामान, रडार, सोनार और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और टैंक रोधी गोला-बारूद भी शामिल हैं। अगर ये सामान देश की कंपनियां ही बनाती हैं तो कुल 3,070 करोड़ रुपए का कारोबार हो सकता है।

फुलवारीशरीफ में हथियार की खरीद-बिक्री करते दो गिरफ्तार

फुलवारी शरीफ (एनएसबी)। स्थानीय पुलिस ने अल्वा कॉलोनी पुल के पास अवैध हथियार की खरीद-बिक्री की सूचना पर कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान पुरानी इमारत शरीया निवासी मो. मेराज उर्फ मुन्ना और लाल मियां की दरगाह नहर निवासी मो. फहीम के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से एक देशी पिस्टल और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 17 अगस्त की शाम सूचना मिली थी कि अल्वा कॉलोनी पुल के पास दो युवक अवैध हथियार खरीदने को लेकर बातचीत कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही दोनों युवक भागने लगे, लेकिन जवानों ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में दोनों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने फहीम के लाल मियां की दरगाह नहर स्थित घर पर छापेमारी की। वहां से एक देशी पिस्टल और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

रांची में आंदोलनकारी देवेंद्र नाथ महतो ने अनशन तोड़ा

सोनम वांगचुक ने दी बधाई, राहुल गांधी ने जताई खुशी

रांची। (एजेंसी)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा रद्द करने का फैसले से आंदोलनकारी छात्रों में जश्न का माहौल है। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी और मंत्री दीपिका पांडे सिंह सोमवार देरसात सदर अस्पताल पहुंचे और छात्र नेता देवेंद्र महतो को जूस पिलाकर अनशन खत्म कराया।

यह खबर फैलते ही सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने देर रात झारखंड के छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो से वीडियो कॉल के माध्यम से बातचीत की और उन्हें बधाई दी। उन्होंने झारखंड के छात्रों की मेहनत और निष्ठा की सराहना करते हुए सभी सफल छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उधर, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने झारखंड में पिछले 24 दिनों से जारी छात्रों की भूख हड़ताल खत्म होने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने छात्रों से बातचीत का रास्ता चुना और समाधान निकाला, जबकि छात्रों ने संयम रखते हुए अपनी मांगें मनवाईं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश के हर छात्र के साथ खड़ी है और वह वसूली तंत्र को जड़ से बदलने के लिए संघर्ष करेगी। ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी, जिसमें हर छात्र को उसकी मेहनत का पूरा फल और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का अधिकार मिले। पूरे देश में ये सिस्टम बदलेगा। अब ऐसी व्यवस्था बनेगी जो छात्रों को आगे बढ़ाए, उन्हें पीछे न खींचे।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 का ऐलान, खेल रत्न के लिए कोई नाम नहीं

तेजस्विन-दिव्या समेत 17 को अर्जुन अवार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल मंत्रालय ने मंगलवार को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 का ऐलान कर दिया है। 12 साल में पहली बार ऐसा हुआ है जब किसी खिलाड़ी को खेल रत्न नहीं दिया गया हो। इससे पहले 2014 में ऐसा हुआ था।

इस साल 17 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड के लिए चुना गया है। इनमें चेस खिलाड़ी दिव्या देशमुख, विदित गुजराती, एथलीट तेजस्विन शंकर और बैडमिंटन खिलाड़ी गायत्री गोपीचंद व तृषा जॉली जैसे नाम शामिल हैं। फुटबॉल के दिग्गज 84 साल के आई. अरुमायनायगम को अर्जुन अवॉर्ड की लाइफटाइम कैटेगरी में चुना गया है। वे 1962 के जकार्ता एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। चयन समिति ने हॉकी स्टार हार्दिक सिंह का नाम खेल रत्न के लिए सोचा था, लेकिन अंत में उनका नाम सूची में नहीं आया। इससे पहले 2014 में भी किसी को खेल रत्न नहीं मिला था। पिछले साल चार खिलाड़ियों को यह सम्मान मिला था, जिसमें शतरंज के डी. गुकेश, हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह, पैरा एथलीट प्रवीण कुमार और शूटर मनु भाकर का शामिल था। खेल रत्न पुरस्कार में 25 लाख रुपये नकद मिलते हैं, जबकि अर्जुन पुरस्कार में 15 लाख रुपये दिए जाते हैं।

अर्जुन पुरस्कार के लिए 17 खिलाड़ियों का चयन

अर्जुन पुरस्कार के लिए इस बार अलग-अलग खेलों से 17 खिलाड़ियों को चुना गया है। इनमें एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, शतरंज, हॉकी, कबड्डी, पैरा-स्पोर्ट्स, रोइंग और शूटिंग जैसे खेलों के खिलाड़ी शामिल हैं। अर्जुन पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों में तेजस्विन शंकर, प्रियंका गोस्वामी, मुहम्मद अजमल, नरेंद्र, विदित गुजराती, दिव्या देशमुख, धनुष श्रीकांत, राजकुमार पाल, सुरजीत, रुद्रांश खंडेलवाल, एकता भ्यान, अरविंद सिंह, अखिल श्योराण, ट्रीसा जॉली, गायत्री गोपीचंद, लालरेमसियामी और पूजा शामिल हैं। यह पुरस्कार पिछले चार वर्षों में शानदार प्रदर्शन के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता, खेल भावना और अनुशासन के लिए दिया जाता है।

हर क्षेत्रीय भाषा के लिए खुलेंगे एक-एक केंद्र, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनेंगे : शिक्षा मंत्री

बोले-हार्ड वर्किंग को छोड़ कर स्मार्ट वर्किंग की ओर बढ़ें व्याख्याता, तय करें टारगेट प्वाइंट, शिक्षकों के मूल्यांकन पर दें विशेष जोर

एससीईआरटी के स्टूडियो से जल्द शुरू होगा 'बिहार विद्यावाणी' पॉडकास्ट

प्रशिक्षण के लिए आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में भेजे जाएंगे एससीईआरटी के व्याख्याता

दैनिक नवसंदेश

पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा है कि राज्य में भोजपुरी, मगही, मैथिली और अंगिका समेत सभी क्षेत्रीय भाषाओं के लिए एक-एक केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि क्षेत्रीय भाषाओं के अध्ययन, शोध और संरक्षण को बढ़ावा मिल सके।

श्री तिवारी ने मंगलवार को महेन्द्रू स्थित राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) में पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, शिक्षक प्रशिक्षण को मजबूत करने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि व्याख्याताओं को हार्ड वर्किंग को छोड़ कर अब स्मार्ट वर्किंग की ओर बढ़ना होगा। अपने कार्यों का टारगेट प्वाइंट आज ही तय करें, तभी वास्तविक बदलाव दिखाई देगा। उन्होंने शिक्षकों के मूल्यांकन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि शिक्षक प्रशिक्षण को प्रभावी और परिणामदायी बनाने की दिशा में लगातार काम किया जाना चाहिए।

बैठक के दौरान मंत्री ने एससीईआरटी के सभी 11 विभागों के कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों से उनके कार्यों की प्रगति एवं भविष्य की कार्ययोजना की जानकारी ली।

शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी।

उन्होंने बताया कि एससीईआरटी के स्टूडियो से जल्द ही 'बिहार विद्यावाणी' के नाम से पॉडकास्ट शुरू किया जाएगा। इसके माध्यम से शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों, नवाचारों और शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए उपयोगी जानकारी को व्यापक स्तर तक पहुंचाया जाएगा।

शिक्षा मंत्री ने **'हमारा विद्यालय, हमारा स्वाभिमान'** पोर्टल को लेकर भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पोर्टल लॉन्च करने की तैयारी अंतिम चरण में है। इसके माध्यम से लोगों से अपने उस विद्यालय को गोद लेने की अपील की जाएगी, जहां से उन्होंने शिक्षा प्राप्त की है। इससे पूर्ववर्ती छात्रों और विद्यालयों के बीच जुड़ाव मजबूत होगा तथा विद्यालयों के विकास में समाज की भागीदारी बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि एससीईआरटी एक परिवार है और इस नाते हम सभी पर बड़ी जिम्मेदारी है। लेक्चरर से बड़ा लीडर कोई नहीं हो सकता। हमारा लक्ष्य केवल शिक्षकों को प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि शिक्षकों के साथ-साथ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का भी सर्वांगीण विकास करना है। राज्य के करीब छह लाख शिक्षकों की जिम्मेदारी एससीईआरटी के माध्यम से हम सभी पर है।

श्री तिवारी ने एससीईआरटी की टीम की सराहना करते हुए कहा कि टीम बेहतर कार्य कर रही है। बैठक के दौरान प्राप्त सुझावों में से कई को तत्काल लागू किया जाएगा। उन्होंने शिक्षा विभाग के साथ एमओयू करने वाली सात स्वैच्छिक संस्थाओं के साथ लाइव डिस्कशन आयोजित करने का भी निर्देश दिया, ताकि उनके अनुभव और विशेषज्ञता का अधिकतम लाभ लिया जा सके।

उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में एससीईआरटी के व्याख्याताओं की कार्यक्षमता और नेतृत्व क्षमता बढ़ाने के लिए उन्हें **आईआईएम** जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा। इससे वे आधुनिक प्रबंधन, नेतृत्व और प्रशिक्षण की नई तकनीकों से परिचित हो सकेंगे।

शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि तय किए गए लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि दिसम्बर में पुनः बैठक कर एससीईआरटी के कार्यों और उपलब्धियों का मूल्यांकन किया जाएगा।

बैठक में शिक्षा विभाग के विशेष सचिव धर्मेन्द्र कुमार, एससीईआरटी के निदेशक यतेंद्र कुमार पाल के अलावा सभी विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खबरें : एक नजर में

बच्चों की प्रतिभा को मिलेगा मंच, 30 अगस्त को आयोजित होगा 'श्री कृष्ण महोत्सव 4.0'

पटना (दैनिक नवसंदेश)। श्री कृष्ण महोत्सव ट्रस्ट (प्रभु आहार फाउंडेशन द्वारा संचालित) के तत्वावधान में बच्चों में भारतीय संस्कृति, रचनात्मकता एवं आध्यात्मिक मूल्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'श्री कृष्ण महोत्सव 4.0' का आयोजन 30 अगस्त 2026, रविवार को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए संयोजक एम पी जैन ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ भगवान श्री कृष्ण के आदर्शों और भारतीय संस्कृति से जोड़ना है।
महोत्सव का आयोजन प्रातः 11 बजे से शाम 5 बजे तक बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, खेमचंद चौधरी मार्ग, अंटाघाट, पटना में होगा। कार्यक्रम में बच्चों के लिए 'श्री कृष्ण-राधा रूप-सज्जा प्रतियोगिता' विशेष आकर्षण का केंद्र होगी। इसमें बच्चे अपनी पसंद के श्री कृष्ण अथवा राधा का रूप धारण कर अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास का प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम, आकर्षक पुरस्कार एवं सम्मान समारोह, भव्य श्री कृष्ण जन्मोत्सव तथा विशेष दही हांडी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

अभी तक एजेंसी कर्मियों को नहीं मिला जुलाई माह का पैसा

पटना (दैनिक नवसंदेश)। पटना नगर निगम में कार्यरत एजेंसी के कर्मचारियों को जुलाई माह का पैसा अभी तक नहीं मिला है , इससे कर्मियों में काफी रोष है। विदित हो की जो पटना नगर निगम ।मे सफाई कर्मियों की एजेंसी है जो सफाई कर्मियों की एजेंसी है उसने अभी तक जुलाई माह का वेतन सफाई कर्मियों को नहीं दिया है जिससे सफाई कर्मी एक बार फिर से काम बंद करने के मूड मे है। पटना नगर निगम कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति ने नगर आयुक्त से इस पर संज्ञान लेकर उनका वेतन अभिनंदन दिलवाने की मांग की है। समन्वय समिति के प्रवक्ता जितेंद्र कुमार ने कहा की न्यूनतम मजदूरी देने में भी आनाकानी करती है और समय पर मजदूरों का वेतन भी नहीं देती है। समन्वय समिति ने नगर आयुक्त को मैसेज कर इस पर संज्ञान लेने का अपील किया है ताकि मजदूरों को कम बंद करने की नौबत ना आए जिससे सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न हो।

15-18 नवंबर तक तेलंगाना के नालगोंडा में किसान सभा का राष्ट्रीय सम्मेलन

पटना (दैनिक नवसंदेश)। अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय वित्त सचिव पी कृष्णा प्रसाद ने बताया कि केंद्रीय किसान कमिटी की बैठक 28-29 जून को मुम्बई में हुई। अखिल भारतीय किसान सभा के 36वें राष्ट्रीय सम्मेलन में बिहार से 37 प्रतिनिधि भाग लेने जायेंगे। यह सम्मेलन 15-18 नवंबर तक तेलंगाना के नालगोंडा में होगा! बिहार राज्य किसान सभा की दो दिवसीय बैठक जमाल रोड पटना में अजय कुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बिहार राज्य किसान सभा के उपाध्यक्ष अवधेश कुमार, प्रभुराज नारायण राव, संजय कुमार, म़ सत्तार, संयुक्त सचिव रणधीर यादव, मनोज प्रसाद सुनील, दयानिधि चौधरी, राज्य वित्त सचिव मनोज कुमार चंद्रवंशी आदि शामिल थे।

आज नेता प्रतिपक्ष करेंगे राज भवन मार्च

एके-47 चलाने का आदेश देने वाले को निलंबित और गोली काण्ड की न्यायिक जांच कराई जाए : तेजस्वी

राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपने आवास पर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

पटना (दैनिक नवसंदेश)। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अपने आवास पर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 19 अगस्त को राजभवन (लोकभवन) मार्च कर रहे हैं। इसमें सभी छात्र, युवा और सभी लोगों से राजभवन (लोकभवन) मार्च में भाग लेने की अपील की है।संवाददाता सम्मेलन में राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल, सांसद संजय यादव, पूर्व मंत्री आलोक कुमार मेहता, कुमार सर्वजीत, विधान पार्षद डा सुनील कुमार सिंह, सोनू कुमार राय, शक्ति सिंह यादव, एजाज अहमद, चितरंजन गगन, डा अनवर आलम, विनय कुमार यादव, महताब आलम सहित अन्य गणमान्य नेतागण उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि शासन और सत्ता में बैठे हुए लोगों से जवाब मांगा जा रहा है कि छात्र आन्दोलन पर एक के-47 से गोली चलाने का आदेश किसने दिया, लेकिन अब तक सरकार से जवाब नहीं मिला है। पेपर लीक मामले पर पूरे राज्यभर में आन्दोलन हुआ, जिसमें लाठियां बरसाई गई, आंसू गैस के गोले छोड़े गये और गोलियां चलायी गई। छात्रों पर ए के -47 का इस्तेमाल किया गया, जिसमें सीवान के तीन लोगों को गोलियां लगी। पटना के मेदांता अस्पताल में इनलोगों का ईलाज चला, लेकिन मुख्यमंत्री इनलोगों से मिलने तक नहीं गये। बिहार में संवेदनहीन और नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाली सरकार सत्ता में है। कई बार मैं ने मुख्यमंत्री को चिट्ठी लिखा लेकिन उसका जवाब नहीं मिला। बिना मुख्यमंत्री के अनुमति के गोलियां नहीं चलायी गई। सीवान और जहानाबाद में गोलियां चलायी गई और ए के़-47 का इस्तेमाल किया गया। छात्रों पर गोलाबारी करने वाले सिपाही के पास ए के-47 कैसे आई। और किस यूनिट और शस्त्रागार से जारी की गई। हथियार जारी करने का आदेश किसने दिए और आधुनिक हथियार के आवंटन की पूरी कमांड चौन की भूमिका सामने आनी चाहिए। आरोपी सिपाही किस यूनिट में तैनात था क्या हुआ नियमित जिला पुलिस का हिस्सा था क्या वह एसपी की सुरक्षा में तैनात था या एसटीएफ या एसआईटी जैसी विशेष इकाई से संबद्ध था। क्या इससे पहले छात्र प्रदर्शन में ए के-47 का इस्तेमाल हुआ था। भीड़ नियंत्रण की अनुमति किसने दी थी। फायरिंग का आदेश किसने दिया। जिले के आरक्षी अधीक्षक पर अभी तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

कथक कलाकार डा. रमा दास को पंडित सियाराम तिवारी लाइफटाइम एवार्ड देने की घोषणा

पटना (दैनिक नवसंदेश)। प्रख्यात कत्थक कलाकार तथा गुरू, डा. रमा दास को इस वर्ष के सियाराम तिवारी लाईफटाइम एवार्ड की घोषणा हुई है । अगस्त 23, 2026 को नाद विस्तार द्वारा पटना में आयोजित ध्रुपद संध्या में उन्हें यह सम्मान दिया जाएगा। डा रमा दास बिहार की वरिष्ठतम कत्थक कलाकार और गुरू हैं । उन्होंने सन् 1972 में पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित पं विष्णु बिर पलुस्कर शताब्दी समारोह में अपने जीवन का पहला कार्यक्रम किया जिसमें उन्होने पद्म विभूषण यामिनी कृष्णमूर्ति और पद्म विभूषण किशोरी अमोणकर के साथ मंच साझा किया था और तब से लेकर आज तक वो कत्थक क्षेत्र में सक्रिय हैं । अपने पचपन वर्षो की कला यात्रा में रमा जी ने देशभर के प्रतिष्ठित समारोहों में कार्यक्रम किया और बिहार की नई सांस्कृतिक पहचान बनाई, और अपनी उपलब्धियों और योगदानों के लिए अंबपाली पुरस्कार (बिहार सरकार), सिंगार मणि (सुर सिंगार सम्सद, मुम्बई), स्वर साधना समिति सम्मान (मुम्बई), बिहार गौरव एवार्ड इत्यादि से सम्मानित हुईं.। गुरु के रूप में भी उनकी महती भूमिका रही है। उनकी अनेक शिष्याएँ आज दिल्ली, छत्तीसगढ़ और झारखण्ड में स्थापित हैं । रमा जी ने कत्थक नृत्य में शोध कार्य भी किया है और कत्थक केंद्र, दिल्ली तथा अन्य सेमिनारों में कत्थक क्षेत्र की चुनौतियों पर चर्चा करती रही हैं। सम्मान की घोषणा पर डा रमा दास ने कहा, कि मेरे लिए यह विशेष प्रसन्नता की बात है क्योंकि मैंने पं सियाराम तिवारी के साथ कई कार्यक्रमों में मंच साझा किया है ।अक्सर चेतना समिति द्वारा आयोजित विद्यापति पर्व समारोह में हम दोनो ही आमत्रित रहते थे ।

डा. रमा दास ।

छुट्टी नहीं, कर्तव्य चुना, 921 दिन की निरंतर सेवा पर मनोविज्ञान के शिक्षक सम्मानित

शाहपुर/ आरा (दैनिक नवसंदेश)। कर्तव्य के प्रति समर्पण और अनुशासन की मिसाल पेश करते हुए प्रखंड के झौवा बेलवनिया हाई स्कूल में कार्यरत मनोविज्ञान के शिक्षक आशुतोष कुमार ने लगातार 921 दिनों तक सेवा देकर शिक्षकों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। बीपीएससी के तहत टीआरई के माध्यम से नियुक्त शिक्षक आशुतोष कुमार ने 7 फरवरी 2024 से अब तक अपनी सेवा अवधि के दौरान एक भी सीएल (आकस्मिक अवकाश) नहीं लिया और नियमित रूप से विद्यालय पहुंचकर अपने दायित्वों का निर्वहन किया। उनकी निरंतर उपस्थिति, समयबद्धता, अनुशासन और विद्यार्थियों के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में उनके कार्यो की सराहना करते हुए कहा गया कि शिक्षक का दायित्व केवल कक्षा में पढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है । सम्मानित शिक्षक आशुतोष कुमार ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए केवल पुरस्कार नहीं, बल्कि अपने कर्तव्य के प्रति ईमानदारी और विद्यार्थियों के प्रति समर्पण का सम्मान है। उन्होंने कहा कि शिक्षण सेवा को वे नौकरी नहीं, बल्कि समाज और विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण की जिम्मेदारी मानते हैं। उनकी इस उपलब्धि की शिक्षकों एवं स्थानीय लोगों ने सराहना की।

सम्मानित शिक्षक आशुतोष कुमार व अन्य।

देशभक्ति केवल नारों और समारोहों तक सीमित न रहे : सिद्धेश्वर

राज रश्मि रानी को मिला मिसेज नेपाल अवार्ड

पटना (दैनिक नवसंदेश)। आजादी केवल अधिकार नहीं, बल्कि एक महान जिम्मेदारी भी है। हम आजाद देश में जी रहे हैं और स्वतंत्र भारत में सुकून की साँस ले रहे हैं। लेकिन यह आजादी हमें सहज रूप से प्राप्त नहीं हुई है। इसके लिए न जाने कितने नौजवानों ने हँसते-हँसते अपने प्राण न्योछावर कर दिए। न जाने कितनी माताओं की गोद सूनी हुई, कितनी बहनों ने अपने भाइयों को खोया और कितनी पत्नियों की माँग का सिंदूर मिट गया। अनगिनत देशवासियों ने यातनाएँ सहीं, जेलें काटीं और अपना सर्वस्व देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया।

भारतीय युवा साहित्यकार परिषद एवं अवसर साहित्य यात्रा के तत्वावधान में गत सप्ताह 'अवसर चित्रकला, फोटोग्राफी एवं संगीत सप्ताह' का आयोजन किया गया।

सप्ताह के समापन अवसर पर स्वतंत्रता दिवस पर आधारित साहित्यिक-सांस्कृतिक एपिसोड 608 'सिद्धेश्वर की डायरी' का आरंभ करते हुए सिद्धेश्वर ने उपर्युक्त उद्गार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि देशभक्ति केवल नारों और समारोहों तक सीमित न रहे, बल्कि हमारे व्यवहार और कर्म में दिखाई दे। हम अपने छोटे-छोटे कर्तव्यों को पूरी ईमानदारी से निभाएँ। किसी को जाति, धर्म, भाषा अथवा आर्थिक स्थिति के आधार पर छोटा न समझें। एक-दूसरे के सुख-दुःख में सहभागी बनें और भारत की एकता तथा अखंडता को सदैव सर्वोपरि रखें। सबसे बड़ी बात यह है कि हमें अपने देश की राष्ट्रभाषा हिंदी को संवैधानिक रूप से लागू करने की दिशा में गंभीर पहल करनी चाहिए। केवल हिंदी दिवस मनाने से उद्देश्य पूरा नहीं होगा इसके लिए ठोस संकल्प और सार्थक प्रयास आवश्यक हैं।

एपिसोड में पिछले सप्ताह सिद्धेश्वर के संयोजन एवं राज रश्मि रानी की अध्यक्षता में आयोजित 'हेलो फेसबुक संगीत एवं चित्रकला सप्ताह' में शामिल रचनाकारों, कलाकारों एवं संगीतकारोंसर्वश्री रशीद गौरी, राज रश्मि रानी, इंदु उपाध्याय, अनिता रश्मि, सिद्धेश्वर, नंदकुमार आदित्य, रचना शरण, राज प्रिया रानी, विजया कुमारी मौर्या, वीरेंद्र कुमार भारद्वाज, मुरारी मधुकर, शैलजा सिंह, ऋचा वर्मा, मणि शंकर दुबे, इरा जौहरी, स्वाति बरनवाल, प्रिया, स्मिता, राम प्रमोद मिश्रा, अनीता मिश्रा सिद्धि, निर्मल कुमार दे, हांगकांग से गोपाल सिंहा, आशीष आनंद, घनश्याम कालजयी, सपना चंद्रा, गजानन पांडेय, नरेश कुमार आस्ता, सुधा पांडेय आदिकी प्रस्तुतियाँ वीडियो के माध्यम से प्रस्तुत की गईं।

एक विशेष कार्यक्रम के तहत सिद्धेश्वर ने चर्चित अभिनेत्री एवं मॉडल राज रश्मि रानी से एक भेंटवार्ता भी की। सिद्धेश्वर ने कहा कि अध्यक्ष को बधाई देते हुए कहा कि राज रश्मि रानी को मिसेज नेपाल अवार्ड मिला है, जो हम देशवासियों के लिए गर्व की बात है स

भेंटवार्ता के दौरान राज रश्मि रानी ने कहा कि संगीत और कला के बिना जिंदगी बेरंग नजर आती है। लगन और परिश्रम से कोई भी रचनाकार और कलाकार अपने उद्देश्य को पूरा कर सकता है। उन्होंने कहा कि हमने अपनी परेशानियों को अपनी राह का रोड़ा नहीं बनने दिया।

इसके साथ-साथ सिद्धेश्वर ने 'पुस्तकनामा' के तहत डा़ अनुज प्रभात की पुस्तक का संक्षिप्त परिचय भी प्रस्तुत किया। महफिल में चर्चित शायर सुरेंद्र चतुर्वेदी की गजल की प्रस्तुति हुई बादल, झरना, बारिश, न जाने क्या-क्या छोड़कर जाना था।

इसके उपरांत सिद्धेश्वर ने अपनी आजाद गजल मुझसे शिकवा-शिकायत कर लेना मगर, मेरी मोहब्बत के साथ तुम । न करना!प्रस्तुत करते हुए एपिसोड का समापन किया। *(प्रस्तुति : बीना गुप्ता)*

खबरें खास-खास

वेतन-पेंशन भुगतान होने तक चरणबद्ध आन्दोलन जारी रहेगा : फैक्टनेब

पटना (दैनिक नवसंदेश)। पटना उच्च न्यायालय का न्यायादेश एवं बिहार विधान परिषद की शिक्षा समिति की अनुशंसा के आलोक में वेतन - पेंशन भुगतान करने, शैक्षणिक सत्र 2015-18 से 2022-25 कुल आठ वर्षो का परीक्षा परिणाम आधारित वेतन मद बकाया अनुदान राशि को बढ़े हुए मंहगाई दर से अधिसीमा बंधेज समाप्त कर शिक्षाकर्मियों के बैंक खाते में एकमुश्त भुगतान करने, 'प्रस्तावित विश्वविद्यालय अधिनियम 2026 को रद्द करने', शासी निकाय सदस्य हेतु विश्वविद्यालय प्रतिनिधि का मनोनयन एवं शिक्षक प्रतिनिधि की चुनाव प्रक्रिया ससमय पुरा करने , समयबद्ध तरीके से सभी विश्वविद्यालयों में सिनेट सदस्य का चुनाव कराने आदि 9 सूत्री मांगों को लेकर संबद्ध डिग्री महाविद्यालय के शिक्षाकर्मी 22 अगस्त को काला बिल्ला लगाकर महाविद्यालय परिसर में एवं 2 सितम्बर को विश्वविद्यालय मुख्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन करेंगे।

बिहार राज्य संबद्ध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ (फैक्टनेब) के अध्यक्ष डा शंभुनाथ प्रसाद सिन्हा महासचिव प्रो राजीव रंजन एवं मीडिया प्रभारी प्रो अरुण गौतम ने बताया कि 22 अगस्त एवं 2 सितम्बर के आन्दोलन के पश्चात् भी बिहार सरकार की निंद नहीं खुलीं तो पटना में अनिश्चितकालीन धरना, प्रदर्शन, घेराव कार्यक्रम प्रारंभ किया जायेगा, जिसकी तिथि एवं रुप रेखा 2 सितम्बर के पश्चात् घोषित किया जायेगा।

फैक्टनेब के मीडिया प्रभारी प्रो अरुण गौतम ने बताया कि राज्यपाल सह कुलाधिपति एवं मुख्यमंत्री को महासंघ की ओर से ज्ञापन सौंपकर आगाह करते हुए अनुरोध किया गया है कि समय रहते संबद्ध डिग्री महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों की चिर लंबित न्यायोचित मांगों की पूर्ति यथाशीघ्र किया जाये अन्यथा हम आन्दोलन को तीव करने को बाध्य होंगे। फैक्टनेब नेताओं ने बताया कि उपरोक्तमांगों को लेकर विश्वविद्यालय स्तर पर सेमिनार, सम्मेलन एवं गोष्ठी का आयोजन जारी है , अगली कड़ी में जिला मुख्यालयों तक विस्तारित किया जायेगा।

राज्यपाल से मिले शिक्षा मंत्री

शिक्षा को सशक्त बनाने और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य पर की सार्थक चर्चा, शिक्षा विभाग के प्रयासों को राज्यपाल ने सराहा

पटना (दैनिक नवसंदेश)। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने मंगलवार को राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन से शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान राज्य में शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामोन्मुख बनाने तथा प्रदेश के विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर सार्थक व प्रेरणादायी चर्चा हुई। शिक्षा मंत्री ने राज्यपाल को राज्य के विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों एवं नवाचारों की जानकारी दी। राज्यपाल ने शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों के हित में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार और समावेशी विकास को निरंतर प्राथमिकता देने पर बल दिया।

शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने मंगलवार को राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन से शिष्टाचार भेंट की।

एयरपोर्ट की सार्वजनिक सुविधाओं एवं एयर कार्गो से जुड़े विषयों पर चैम्बर प्रतिनिधिमंडल ने एयरपोर्ट निदेशक से की चर्चा

पटना (दैनिक नवसंदेश)। बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का एक प्रतिनिधिमंडल जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, पटना के निदेशक चन्द्र प्रकाश दिवेदी से उनके कार्यालय कक्ष में मिला । प्रतिनिधिमंडल ने हवाई अड्डे पर यात्रियों एवं आमजन के लिए उपलब्ध सार्वजनिक सुविधाओं, यात्री सेवाओं तथा एयर कार्गो से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। चैम्बर प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि पटना एयरपोर्ट बिहार के आर्थिक एवं औद्योगिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना है। राज्य में व्यापार, उद्योग, पर्यटन तथा निवेश को बढ़ावा देने के लिए हवाई संपर्क को और अधिक सुविधाजनक एवं प्रभावी बनाया जाना आवश्यक है। इस क्रम में एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाओं के साथ-साथ एयर कार्गो की क्षमता एवं सेवाओं को सुदृढ़ करने पर भी विशेष बल दिया गया, जिससे बिहार के कृषि उत्पादों, खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों, औद्योगिक एवं अन्य मूल्यवान सामानों की देश के विभिन्न हिस्सों तथा अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक त्वरित पहुंच सुनिश्चित हो सके। एयरपोर्ट निदेशक चन्द्र प्रकाश द्विवेदी ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए विषयों को गंभीरता से सुना तथा आवश्यक सहयोग एवं सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया । साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने व्यवसाइयों के साथ चैम्बर प्रांगण में बैठक का अनुरोध किया । जिस पर उन्होंने जल्द ही बैठक कि तिथि तय करने का आश्वासन दिया । प्रतिनिधिमंडल में चैम्बर के उपाध्यक्ष एन. के़ ठाकुर, महामंत्री मुकेश कुमार जैन, पूर्व उपाध्यक्ष आशीष शंकर, पूर्व महामंत्री पशुपति नाथ पाण्डेय एवं संगठन उप समिति के चेयरमैन अजय गुप्ता शामिल थे।

श्री नेमिनाथ जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव श्रद्धापूर्वक सम्पन्न

पटना (दैनिक नवसंदेश)। 22वें तीर्थकर देवाधिदेव श्री 1008 भगवान नेमिनाथ स्वामी के जन्म एवं तप कल्याणक के पावन अवसर पर मंगलवार, 18 अगस्त को श्री कमलदह जी म्बिर जैन सिद्ध क्षेत्र, गुलजारबाग, पटना में भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। श्रावण शुक्ल षष्ठी के पावन अवसर पर प्रातः 7 बजे से भगवान नेमिनाथ स्वामी का अभिषेक, पूजन एवं शांतिधारा का आयोजन हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर भगवान की आराधना की तथा धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान नेमिनाथ स्वामी के जीवन, त्याग, तप और अहिंसा के संदेश को स्मरण करते हुए धर्म एवं आत्मकल्याण के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। आयोजन समिति की ओर से उपस्थित श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए कहा गया कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना, संस्कार और अहिंसा की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम का आयोजन श्री कमलदह जी म्बिर जैन सिद्ध क्षेत्र, सुदर्शनपथ, गुलजारबाग, पटना-7 के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर समिति एवं श्रद्धालुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। बिहार स्टेट म्बिर जैन तीर्थ क्षेत्र कमिटी के मानद सचिव पराग जैन की ओर से सभी श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में सोनू जैन, सुनील काला, सुनील छाबड़ा, संजय छाबड़ा, राजेश सखुनिया संजय जैन अतुल जैन चंद काला , रिचा जैन, रेनू जैन सहित अन्य थे ।

रोजगार मेले का आयोजन 19 अगस्त से ज्ञान भवन में

यह रोजगार मेला 19 से 23 अगस्त तक चलेगा, 20 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य

पटना (दैनिक नवसंदेश)। पटना में सबसे बड़े रोजगार मेले का आगाज 19 अगस्त से होने जा रहा है। यह मेला अब तक राज्यभर में आयोजित रोजगार मेलों में सबसे भव्य और बड़ा माना जा रहा है। प्रदेशभर के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग तथा बिहार कौशल विकास मिशन की ओर से इस मेला का आयोजन किया गया है। 19 से 23 अगस्त तक पटना के ज्ञान भवन में यह मेला चलेगा। इसमें देश की कई प्रतिष्ठित कंपनियां हिस्सा लेंगी और युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगी। इस मेगा जब फेयर में लगभग 20 हजार युवाओं को रोजगार मुहैया कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज, इंश्योरेंस, रिटेल एवं अन्य संबंधित क्षेत्रों में रोजगार के अवसर मिलेंगे। रोजगार मेले में कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी पेमेंट्स बैंक, मुथूट माइक्रोफिन लिमिटेड, क्लिक्स, फ्लिपकार्ट, टीसीआई एक्सप्रेस, जनसन (लिफ्ट एंड एस्केलेटर), टीवीएस क्रेडिट, ट्रेंट लिमिटेड (टाटा समूह की कंपनी) और रिलायंस रिटेल समेत अन्य प्रतिष्ठित कंपनियां शामिल होगी।

सहयोग शिविर का जिला पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं नियमानुकूल निष्पादन सुनिश्चित करने का दिया निर्देश

दरभंगा(एनएसबी)। जिलाधिकारी, दरभंगा कौशल कुमार द्वारा दरभंगा नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत वार्ड संख्या-43 स्थित प्लस टू एम.एल. एकेडमी, लहेरियासराय में आयोजित सहयोग शिविर का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक, दरभंगा जगुनाथ रेड्डी जलारेड्डी एवं नगर आयुक्त, दरभंगा राकेश कुमार गुप्ता सहित संबंधित पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए काउंटरों का जायजा लिया तथा आमजन को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं एवं शिकायतों के निष्पादन की प्रक्रिया की जानकारी ली।

निरीक्षण करते जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक

शिविर में प्राप्त प्रत्येक आवेदन एवं शिकायत को निर्धारित प्रक्रिया के तहत दर्ज करते हुए उसका नियमानुसार त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।जिला पदाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के काउंटर का निरीक्षण करते हुए प्रतिनियुक्त चिकित्सक से उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। जिला पदाधिकारी ने वार्ड संख्या 43 के वार्ड पार्षद से वार्ड की स्थिति एवं स्थानीय समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। नगर आयुक्त राकेश कुमार गुप्ता ने जिला पदाधिकारी को अवगत कराया कि सहयोग शिविर में प्राप्त विभिन्न प्रकार की शिकायतों एवं आवेदनों को संबंधित ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज किया जाता है तथा उनके निराकरण के लिए अग्रेतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। इससे शिकायतों की ऑनलाइन निगरानी एवं उनके निष्पादन की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया जा रहा है।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जिला जज ने किया जागरूकता रथ रवाना

दरभंगा(एनएसबी)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार अजय कुमार शर्मा ने 12 सितंबर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार प्रसार हेतु सभी न्यायिक पदाधिकारियों के साथ न्यायालय परिसर से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।उन्होंने आमजनों को संदेश देते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन समाज की बेहतरी के लिए होता है। छोटे छोटे विवादों को आपसी सुलह समझौते से निपटाना समझदारी का काम है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इसका लाभ उठाने की अपील की। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव आरती कुमारी ने कहा कि समय व धन की बचत के साथ साथ सामाजिक एकता के लिए लोगों को इस मंच का लाभ उठाना चाहिए। दूसरी ओर प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश ने विचाराधीन बंदियों के जमानत व रिहाई तथा विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यों की समीक्षा बैठक भी की। बैठक में जिला पदाधिकारी सह उपाध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार कौशल कुमार, वरीय पुलिस अधीक्षक सह सदस्य, जिला विधिक सेवा प्राधिकार जगुनाथ रेड्डी जला रेड्डी, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष चंद्रधर मल्लिक, सचिव कृष्ण कुमार मिश्र, लोक अभियोजक अमरेंद्र नारायण झा, सरकारी अधिवक्ता मिहिर कुमार झा, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.अरुण कुमार, मंडल कारा अधीक्षक स्नेहलता, बेनीपुर उपकारा अधीक्षक वीरेंद्र कुमार राय, मनमोहन कृष्ण सरावगी, अधिवक्ता सुशील कुमार पासवान मौजूद थे।

रथ को रवाना करते प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार शर्मा, सचिव आरती कुमारी

आपदा में पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता: सुजीत कुमार सिंह

सहयोग शिविर में आपदा से मृत 05 व्यक्तियों के निकटतम आश्रितों को अनुग्रह अनुदान राशि का चेक प्रदान

गौड़ाबौराम(एनएसबी)। प्रखंड के नदई पंचायत अंतर्गत मध्य विद्यालय, बेला गनौनी में आज सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य आमजनों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान सुनिश्चित करना तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ पात्र लाभुकों तक पहुंचाना रहा। सहयोग शिविर के दौरान विधायक, गौड़ाबौराम सुजीत कुमार सिंह द्वारा आपदा में मृत 05 व्यक्तियों के निकटतम आश्रितों को अनुग्रह अनुदान राशि का चेक प्रदान किया गया। चेक प्राप्त करने वाले आश्रितों को सरकार की ओर से उपलब्ध कराई जा रही सहायता के संबंध में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि आपदा की स्थिति में पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि आपदा पीड़ित परिवारों को नियमानुसार देय सहायता एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ शीघ्र उपलब्ध कराया जाए।

सहयोग शिविर या सिर्फ कागजी खानापूर्ति? जनता को समाधान का इंतजार

दरभंगा (एनएसबी)। बिहार सरकार द्वारा आम जनता की समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से आयोजित सहयोग शिविर की कार्यप्रणाली पर अब गंभीर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि शिविर में तैनात कुछ कर्मियों द्वारा लोगों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय केवल आवेदन लेकर कागजी खानापूर्ति की जा रही है।लोजपा (रामविलास) के प्रखंड अध्यक्ष राज कुमार झा ने कहा कि सहयोग शिविर अब आम जनता के लिए ह्लमजाक बनकर रह गया है।ह्व उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ कर्मियों द्वारा लोगों को बार-बार परेशान किया जा रहा है और समस्याओं का समय पर निष्पादन नहीं किया जा रहा। इससे सरकार की जनकल्याणकारी पहल की छवि भी प्रभावित हो रही है।उन्होंने सरकार एवं संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि सहयोग शिविर में प्राप्त आवेदनों और उनके निष्पादन की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर कार्रवाई की जाए।

हरीनगर में अज्ञात वृद्ध का शव बरामद

दरभंगा। कुशेश्वरस्थान थाना क्षेत्र के हरिनगर में एक वृद्ध का शव बरामद किया गया। समाचार लिखे जाने तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने मंगलवार को डीएमसीएच में शव का पोस्टमार्टम करा उसे 72 घंटे तक के लिए डीप फ्रीजर में रख दिया है। मृतक की उम्र करीब 65 वर्ष आंकी जा रही है। बताया जाता है कि पंचायत भवन के पीछे आम के पेड़ के नीचे पड़े शव पर लोगों की नजर पड़ी थी। इसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी।

शिक्षक बहाली के लिए अधिसूचना जारी होने पर सांसद ने जताया हर्ष

कहा बीपीएससी द्वारा चौथे चरण के 32388 पदों पर बहाली प्रशंसनीय

दरभंगा(एनएसबी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में युवाओं को रोजगार और शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल किए जा रहे हैं। बिहार सरकार हर परिवार तक रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। चौथे चरण में 32388 पदों शिक्षक बहाली के लिए अधिसूचना जारी होना इसका ज्वलंत उदाहरण है।

डॉ. गोपाल जी ठाकुर

भारतीय जनता पार्टी के सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने चौथे चरण के लिए शिक्षक बहाली की प्रक्रिया को शुरू किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि राज्य में विद्यालय अध्यापक के 32,388 रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु योग्य अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं जो ऐतिहासिक पहल है जिसके माध्यम से शिक्षक बनने का सपना देख रहे हजारों युवाओं की आकांक्षाओं को नई उड़ान मिलेगी तथा प्रदेश के विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को और मजबूती प्रदान की जाएगी।सांसद डा ठाकुर ने बिहार सरकार के इस पहल को दूरगामी परिणाम देने वाला कदम बताते हुए कहा है कि इस शिक्षक बहाली में मैथिली भाषा के पदों को जोड़ने के लिए विभाग को रिक्तियों के आंकलन के लिए निर्देश दिए गए हैं जिसमें पूर्व के विज्ञापन में छूटे हुए रिक्तियों को भी शामिल किया जाएगा।सांसद डा ठाकुर ने बिहार सरकार की शिक्षा नीति की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि लालू रावड़ी राज में चौपट हो गए शिक्षा व्यवस्था में आमूल परिवर्तन हो चुका है।

राष्ट्रीय ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म के जरिए चार कोर्स उपलब्ध कराएगा मिथिला विवि

देश के बेहतरीन शिक्षकों द्वारा तैयार किया गया उच्च-गुणवत्ता वाला मिलेगा कंटेंट

कुलपति प्रो. संजय कुमार चौधरी के नेतृत्व में पहली बार शुरू होगा यह कोर्स

दरभंगा(एनएसबी)। । ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय ने पहली बार अपने पोस्टग्रेजुएट पाठ्यक्रम को भारत सरकार के राष्ट्रीय ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म, स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स के साथ जोड़ा है। जुलाई-दिसंबर 2026 सत्र के सेमेस्टर में छात्रों के नामांकन के लिए चार विभागों के चार कोर्स को मंजूरी दी गई है और उन्हें उपलब्ध कराया गया है।इस एकीकरण की शुरूआत के मौके पर बोलते हुए, कुलपति प्रोफेसर संजय कुमार चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और पोस्टग्रेजुएट कोर्स के लिए नए पाठ्यक्रम ढांचे के अनुरूप मिथिला विश्वविद्यालय ने स्वयं प्लेटफॉर्म के जरिए चार कोर्स को शामिल किया है। उन्होंने कहा कि इस पहल से छात्रों को देश के बेहतरीन शिक्षकों द्वारा तैयार किया गया उच्च-गुणवत्ता वाला कंटेंट मिलेगा, अपनी गति से सीखने की सुविधा मिलेगी और ऐसे क्रेडिट मिलेंगे, जिन्हें 'एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स' के जरिए ट्रांसफर किया जा सकेगा। इससे शैक्षणिक विकल्प बढ़ेंगे और विश्वविद्यालय में पोस्टग्रेजुएट शिक्षा की गुणवत्ता मजबूत होगी। आई क्यू ए सी के निदेशक डॉ मो ज़िया हैदर ने कहा कि यह एकीकरण लगातार शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत राष्ट्रीय मानकों के साथ संस्थागत प्रक्रियाओं को जोड़ने के प्रयासों को दर्शाता है। स्वयं के लिए विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ मुदस्सिर हसन भट ने कहा कि मंजूर किए गए कोर्स में स्वयं नामांकन के लिए विश्वविद्यालय का डैशबोर्ड अब सक्रिय हो गया है और आने वाले सेमेस्टर में और भी कोर्स जोड़े जाएंगे। सेमेस्टर जुलाई-दिसंबर 2026 के लिए मंजूर किए गए चार स्वयं कोर्स ये हैं-केमिस्ट्री- एडवांसेज इन इंस्ट्रूमेंटेशन एंड केमिकल डेटा एनालिसिस जिसके कोऑर्डिनेटर डॉ मोनी शर्मा हैं। वहीं फिजिक्स- इंडियन नॉलेज सिस्टमः कॉन्सेप्ट्स एंड एप्लीकेशन इन इंजीनियरिंग के कोऑर्डिनेटर डॉ दीपक कुमार, जियोग्राफी- डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट के कोऑर्डिनेटर डॉ रश्मि शिखा तथा कॉमर्स- एंटरप्रेन्योरशिप, डॉ निर्मला कुशवाह कोऑर्डिनेटर है। ये चारों कोर्स पोस्टग्रेजुएट लेवल पर उपलब्ध हैं और इनमें एनरोलमेंट 31 अगस्त, 2026 को बंद हो जाएगा। इच्छुक छात्र स्वयं पोर्टल के जरिए रजिस्टर कर सकते हैं।

कुलपति प्रोफेसर संजय कुमार चौधरी एवं अन्य

संक्षिप्त खबरें

15 दिनों के अंदर प्रारंभ होगा पांडुलिपियों का डिजिटाइजेशनः संजय झा

राज्यसभा सांसद ने कहा भारत का औक्सफॉर्ड बनेगा मिथिला शोध संस्थान

दरभंगा(एनएसबी)। प्राचीन व आधुनिक विद्याओं का होगा समन्वय।पांडुलिपियों के को सर्वोच्च प्राथमिकता।उक्त बातें मिथिला संस्कृत शोध संस्थान के निरीक्षण क्रम में शोध संस्थान पधारे राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने कहीं। आगे श्री झा ने जिलाधिकारी कौशल कुमार,एस एस पी जगुनाथजला रेड्डी तथा विधायक ईश्वर मंडल के साथ उच्चस्तरीय विमर्श के क्रम में कहा कि इस अनोखे संस्थान उच्च शिक्षा व अनुसंधान के लिए मौलिक आवश्यकताओं पर बल दिया जाना चाहिए।संस्थान के शिक्षार्थियों व गवेषकों के लिए पांडुलिपियों पर केंद्रित समावेशी पाठ्यक्रम के निर्माण के लिए राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के निदेशक डॉ.अनिर्वान दास तथा उच्च शिक्षा सचिव राजीव रौशन के साथ दूरभाष पर गंभीर विमर्श किया।राज्यसभा सांसद का अभिनंदन करते हुए उज्ज्वल कुमार ने वर्ष 1951 में हुए शिलान्यास की दुर्लभ तस्वीर भेंट की जिसमें देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद,तत्कालीन महामहिम एम.एस.अने संस्थापक महाराजाधिराज डॉ.कामेश्वर सिंह कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति है। साथ ही श्री कुमार ने शिलान्यास समारोह के अवसर पर राष्ट्रपति डॉ.राजेंद्र प्रसाद के ऐतिहासिक सारगर्वित उद्बोधन संकलन की प्रति प्रदान की।श्री कुमार द्वारा दी गई इन दोनों दुर्लभ सामग्री को पाकर राज्यसभा सांसद अभिभूत हो गए।

सूर्यनंदन ठाकुर को मिले ऐतिहासिक सम्मान, सिंहवाड़ा में ऑनलाइन जनअभियान तेज

सांसद एवं विधायक से सार्वजनिक संस्थानों के नामकरण की मांग

सिंहवाड़ा(एनएसबी)। स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व विधायक स्वर्गीय सूर्यनंदन ठाकुर की स्मृति को चिरस्थायी सम्मान दिलाने के उद्देश्य से सिंहवाड़ा क्षेत्र में एक जनअभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत ऑनलाइन हस्ताक्षर याचिका के माध्यम से नागरिकों का समर्थन जुटाया जा रहा है।सामाजिक कार्यकताओं, शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों एवं शोधकताओं का कहना है कि स्वतंत्रता संग्राम और सिंहवाड़ा क्षेत्र के विकास में सूर्यनंदन ठाकुर का योगदान ऐतिहासिक रहा है। उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार वे बिहार विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए और किसानों, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, बाढ़ नियंत्रण, कुटीर उद्योग तथा मैथिली भाषा से जुड़े मुद्दों को विधानसभा में प्रभावी ढंग से उठाया। सिंहवाड़ा के विकास की मजबूत नींव रखी, उनके नाम पर आज क्षेत्र में कोई प्रमुख सार्वजनिक स्मारक या संस्थान नहीं है। ऐसे में उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाने की दिशा में ठोस पहल समय की मांग है।सिंहवाड़ा प्रखंड मुख्यालय के निमार्णाधीन भवन के सभागार का नाम "जननायक सूर्यनंदन ठाकुर सभागार" रखा जाए। सिंहवाड़ा के सरकारी अस्पताल अथवा उसके किसी प्रमुख भवन/विंग का नाम "जननायक सूर्यनंदन ठाकुर" के नाम पर रखा जाए तथा अस्पताल या खादी भंडार परिसर में उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाए।

दरभंगा चित्रगुप्त सभा ने मनाई सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि

दरभंगा(एनएसबी)। । आजाद हिंद फौज के संस्थापक और कायस्थ शिरोमणि सुभाष चंद्र बोस का जीवन संघर्ष और रहस्य की एक गाथा है। भारत की आजादी में उनकी भूमिका सबसे अधिक है। उनके पुण्यतिथि पर दरभंगा चित्रगुप्त सभा, दरभंगा की ओर से एक कार्यक्रम में आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष आर के दत्ता ने कहा कि अपने जीवन काल में उन्होंने भारतीयों को हमेशा सर उठाकर जीना सिखाया। इस मौके पर कार्यालय सचिव अजीत कुमार ने नेताजी के जीवन वृत्त को भारतीयों के लिए प्रेरणा स्रोत बताया। इस अवसर पर दरभंगा चित्रगुप्त सभा के उपाध्यक्ष प्रकाश चंद्र प्रभाकर, संयुक्त सचिव संतोष कुमार सिन्हा, संगठन सचिव मिथिलेश कुमार विवेक, मीडिया प्रभारी पत्रकार पुनीत कुमार सिन्हा, पूर्व प्रधान सचिव मनीष कुमार कमल कुमार श्रीवास्तव, संतोष कुमार श्रीवास्तव, संजय कुमार श्रीवास्तव, अश्वनी कुमार श्रीवास्तव, अजय कुमार कर्ण,रवि कुमार,रौशन कुमार आदि उपस्थित थे।

हरिशंकर सुमन का विदाई समारोह, संजय कुमार शर्मा का हुआ अभिनंदन

बिरौल(एनएसबी)। । अवर निबंधन पदाधिकारी, बिरौल के रूप में हरिशंकर सुमन ने 08 जुलाई 2024 से 17 जुलाई 2026 तक अपने कार्यकाल में अपनी सरलता, सहजता, मृदुभाषिता एवं कर्तव्यनिष्ठ कार्यशैली से आम लोगों एवं कार्यालय कर्मियों के बीच विशेष पहचान बनाई। उनके कार्यकाल में निबंधन एवं राजस्व से जुड़े कार्यों में बेहतर समन्वय एवं सकारात्मक सुधार देखने को मिला।श्री हरिशंकर सुमन का स्थानांतरण एवं पदोन्नति जिला निबंधक, कटिहार के पद पर हुई है। नई जिम्मेदारी मिलने पर उन्हें शुभकामनाएं दी गईं। उनके कार्यकाल के दौरान आम लोगों के साथ सहज व्यवहार और कार्यालय कर्मियों के साथ समानता का भाव उनकी खास पहचान रही। विदाई के अवसर पर श्री सुमन का सरल एवं जमीनी व्यक्तित्व भी देखने को मिला। उन्होंने कार्यालय के सभी कर्मियों के साथ जमीन पर बैठकर भोजन किया। एक अधिकारी होते हुए भी कर्मियों के साथ इस तरह सहजता से बैठकर भोजन करना उनके जमीन से जुड़े व्यक्तित्व और सभी के प्रति समान व्यवहार को दशार्ता है। कार्यालय कर्मियों के बीच उनकी यही आत्मीयता और सहज व्यवहार उन्हें विशेष पहचान देता रहा।इस अवसर पर अवर निबंधन पदाधिकारी, रोसड़ा डॉ. भास्कर ज्योति एवं अवर निबंधन पदाधिकारी, बहेड़ा अंशुमन कुमार भी उपस्थित रहे। उन्होंने हरिशंकर सुमन को नई जिम्मेदारी एवं पदोन्नति के लिए शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।वहीं, अवर निबंधन पदाधिकारी, बिरौल के पद पर आज श्री संजय कुमार शर्मा ने पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने पर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। उपस्थित लोगों ने आशा व्यक्त की कि श्री शर्मा अपने अनुभव एवं कार्यशैली से निबंधन कार्यालय के कार्यों को नई गति देंगे तथा आम लोगों को बेहतर, सहज एवं सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कार्य करेंगे।इस अवसर पर हरिशंकर सुमन को पदोन्नति एवं नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं तथा संजय कुमार शर्मा को नए दायित्व के लिए बधाई दी गई। दोनों अधिकारियों के सफल, सुखद एवं जनहितकारी कार्यकाल की मंगलकामना की गई।

जंतु विज्ञान विभाग में ह्लआधुनिक समस्याओं

दरभंगा(एनएसबी)। कुलपति के मार्गदर्शन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. आरती कुमारी की दूरदर्शी पहल के तहत ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय जंतु विज्ञान विभाग में ह्लआधुनिक समस्याओं के अभिनव समाधान में जैव-अनुकरण की भूमिकाह्व विषय पर आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया गया।आमंत्रित वक्ता डॉ. विद्यानाथ झा ने बायोमिमेटिक्स की अवधारणा एवं आधुनिक समस्याओं के अभिनव समाधान में इसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने किंगफिशर की चोंच से प्रेरित तेज गति वाली ट्रेनों के डिजाइन, उल्लू/चील जैसे पक्षियों की उड़ान से प्रेरित वायुगतिकीय तकनीकों, व्हेल की संरचना से प्रेरित टर्बाइन ब्लेड, जुगनू की प्रकाश उत्पन्न करने की क्षमता, कौए की बुद्धिमत्ता एवं हाथी की सूंड की बहुउपयोगी संरचना जैसे रोचक उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि प्रकृति में मौजूद अद्भुत अनुकूलनों से मानव जीवन की जटिल समस्याओं के लिए प्रभावी समाधान खोजे जा सकते हैं।व्याख्यान विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी रहा तथा इससे प्रकृति-आधारित वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा मिला। कार्यक्रम में डॉ. अतनु बनर्जी एवं डॉ. सुशोवन बनिक की गरिमामयी उपस्थिति रही। अंत में डॉ. पारुल बनर्जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

संक्षिप्त खबरें

सहयोग शिविर में आप सभी समस्याओं का निदान कराए : निशांत

विद्यापतिनगर (एनएसबी)। प्रखंड के मऊ धनेशपुर दक्षिण और शेरपुर पंचायत में मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे मऊ धनेशपुर दक्षिण पंचायत में 72 आवेदन मिला जिसमे 24 का निष्पादन किया गया। वही शेरपुर पंचायत में 191 में छह आवेदन का निष्पादन किया गया। बीडीओ महताब अंसारी ने बताया कि शेष बचे आवेदन का निष्पादन भी जल्द करा दिया जाएगा। इस अवसर पर जिला योजना पदाधिकारी निशांत कुमार पटेल ने उपस्थित लाभुको को सहयोग शिविर का लाभ लेने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार ने आम लोगो की समस्या निदान के लिए सहयोग शिविर का आयोजन किया है। जिसमे आप सभी लाभ ले। मौके पर स्थानीय अधिकारी सहित मुखिया दिनेश प्रसाद सिंह, राम प्रवेश राय, कार्यालय सहायक चंद्रप्रकाश आदि उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता वाहन व रैली रवाना, डीएम ने दिखाई हरी झंडी

समस्तीपुर (एनएसबी)। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को जन-जन तक पहुंचाने एवं अधिकाधिक उपभोक्ताओं को योजना का लाभ दिलाने के उद्देश्य से आज समस्तीपुर जिले में व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी, समस्तीपुर ने प्रचार-प्रसार वाहन एवं जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। गौरतलब है कि, प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत घरेलू उपभोक्ताओं को 3 किलोवाट तक के सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना पर केंद्र सरकार द्वारा अधिकतम ₹78,000 तक की

सब्सिडी प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त, बिहार सरकार द्वारा भी राज्य के उपभोक्ताओं को अतिरिक्त अनुदान का लाभ दिया जा रहा है। बिहार सरकार द्वारा 1 किलोवाट क्षमता पर ₹10,000 तथा अतिरिक्त 1 किलोवाट क्षमता पर ₹10,000, अर्थात अधिकतम ₹20,000 का अतिरिक्त राज्य अनुदान दिया जा रहा है। इस प्रकार पात्र उपभोक्ताओं को केंद्र एवं राज्य सरकार के अनुदान के माध्यम से रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाने में महत्वपूर्ण 98000/-, (लगभग 1 लाख) की आर्थिक सहायता प्राप्त होगी। यह योजना 31 मार्च तक ही लागू है। इस अवसर पर श्री कुशवाहा ने आम नागरिकों से अपील की कि वे प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जानकारी प्राप्त कर इसका अधिकाधिक लाभ उठाएं तथा अपने घरों की छत पर सोलर संयंत्र स्थापित कर बिजली की बचत के साथ-साथ स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा दें। इस प्रचार-प्रसार वाहन के माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में योजना से संबंधित जानकारी, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं अनुदान के संबंध में आम लोगों को जागरूक किया जाएगा।

23 अगस्त की शाम से 24 अगस्त की सुबह तक विशनपुर चौक पर लगेगा सेवा शिविर, अपोलो डेंटल में कांवरिया सेवा शिविर को लेकर बैठक आयोजित

समस्तीपुर (एनएसबी)। शहर स्थित अपोलो डेंटल, चीनी मिल कैंपस, समस्तीपुर में सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर आयोजित होने वाले कांवरिया सेवा शिविर की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 23 अगस्त 2026 की शाम 6 बजे से 24 अगस्त 2026 की सुबह 6 बजे तक विशनपुर चौक, समस्तीपुर में आयोजित होने वाले कांवरिया सेवा शिविर की तैयारियों को अंतिम रूप देना था।बताते चलें कि अपोलो डेंटल एवं उनकी टीम द्वारा विगत 15 वर्षों

से लगातार कांवरिया सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष भी यह शिविर माता राम कुमारी देवी की स्मृति में आयोजित किया जाएगा।बैठक की अध्यक्षता अपोलो डेंटल के निदेशक प्रमुख डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार ने की। उन्होंने कहा कि झमटिया से गंगाजल लेकर बाबा थानेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक करने वाले शिवभक्तों की सेवा के उद्देश्य से यह शिविर लगाया जाता है। शिविर पूरी तरह शिवभक्तों की सेवा एवं सुविधा को समर्पित रहेगा।शिविर में कांवरियों के लिए चिकित्सा सुविधा, दवा, फल-फूल, चॉकलेट, गर्म पानी, शरबत, चाय तथा विश्राम सहित विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। शिवभक्तों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस बार भी बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। शिविर को सफल बनाने के लिए बैठक में सभी कार्यकताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। चिकित्सा, भोजन, पेयजल, विश्राम, साफ-सफाई, सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। शिविर के संयोजक सह लोजपा के वरिष्ठ नेता नीरज भारद्वाज ने कहा कि यह सेवा शिविर डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार के नेतृत्व में आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा कि शिवभक्तों की सेवा करना पुण्य का कार्य है और हम सभी इस सेवा कार्य में सहभागी बनकर स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं।आयोजकों ने सभी शिवभक्तों एवं स्थानीय लोगों से कांवरिया सेवा शिविर को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की।

रेल कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर ईसीआरईयू ने महा प्रबंधक को सौंपा ज्ञापन

समस्तीपुर (एनएसबी)। ईस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाईज यूनियन (ईसीआरईयू) की ओर से रेल कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों और समस्याओं को लेकर ईस्ट सेंट्रल रेलवे के महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपा गया। मंडल मंत्री संजीव कुमार मिश्र एवं संयुक्त सचिव ईसीआरईयू सह लोको शेड शाखा सचिव सोहन कुमार यादव ने ज्ञापन के माध्यम से कर्मचारियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने की मांग उठाई। ज्ञापन में एन पी एस/यू पी एस को समाप्त कर ओ पी एस अर्थात पुरानी पेंशन योजना लागू करने, रेलवे के सभी संवर्गों में आठ घंटे की ड्यूटी व्यवस्था लागू करने तथा लोको रनिंग स्टाफ की ड्यूटी को व्यावहारिक

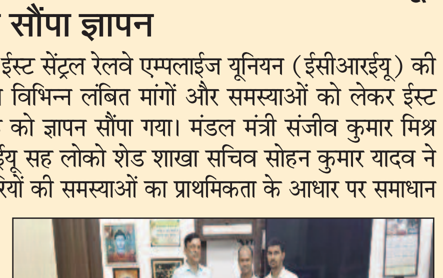

बनाने की मांग की गई है। रनिंग कर्मचारियों के ब्रेक एवं मुख्यालय तथा आउटस्टेशन रेस्ट से संबंधित नियमों का कड़ाई से पालन कराने पर भी जोर दिया गया।लोको शेड में कार्यरत कर्मचारियों के लिए बेहतर कार्यस्थल वातावरण उपलब्ध कराने, आधुनिक टूल्स की व्यवस्था करने तथा संरक्षा उपकरणों (सेफ्टी गियर) की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। वहीं रेल कॉलोनियों की जर्जर स्थिति, पेयजल संकट और साफ-सफाई से जुड़ी समस्याओं का तत्काल समाधान कराने की अपील की गई।संगठन ने विभिन्न संवर्गों में लंबित पदोन्नति प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा करने तथा रेलवे अस्पतालों में पर्याप्त दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की। गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए रेफरल प्रक्रिया को भी सरल और त्वरित बनाने की आवश्यकता जताई गई।इस अवसर पर ईसीआरइयू नेताओं ने कहा कि संगठन रेलकर्मियों के अधिकार, संरक्षा और सम्मान के लिए लगातार आवाज उठाता रहा है। महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर कर्मचारियों की मूलभूत समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सामने रखा गया है।

गोरखा रेजिमेंट के जवानों को सम्मान देने के उद्देश्य से रॉयल एनफील्ड की दमदार पेशकश है क्लासिक 350 गोरखा एडिशन : मनीष झा

आदित्य मोटर्स में रॉयल एनफील्ड के नए वेरिएंट का लोकार्पण

समस्तीपुर (एनएसबी)। हमारे देश की सैन्य शक्ति के गौरव गोरखा रेजिमेंट के जवानों के गौरवशाली विरासत, अदम्य साहस और जीवटतापूर्ण जज्बे को सम्मान देने के उद्देश्य से रॉयल एनफील्ड की दमदार पेशकश है क्लासिक 350 गोरखा एडिशन। शहर के मोहनपुर स्थित रॉयल एनफील्ड के शोरूम आदित्य मोटर्स के शोरूम प्रबंधक मनीष कुमार झा ने मंगलवार को क्लासिक 350 गोरखा एडिशन के लॉन्चिंग सेलिब्रेशन के दौरान उक्त बातें कही। उन्होंने बताया कि दमदार इंजन, और रोड पर मिसाल ग्रिप के लिए प्रसिद्ध रॉयल एनफील्ड के इस नए अवतार का आकर्षक हरा रंग, गोरखा विरासत से प्रेरित विशेष साइड पैनल लोगो और क्लासिक 350 का दमदार अंदाज इसे एक अलग पहचान देता है। बताते चलें कि, रॉयल एनफील्ड के चाहने वालों के लिए मंगलवार यादगार बन गया जब आदित्य मोटर्स में बहुप्रतीक्षित रॉयल एनफील्ड के क्लासिक 350 गोरखा एडिशन का भव्य लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही इस विशेष संस्करण की बुकिंग भी शुरू कर दी गई है।

क्लासिक 350 गोरखा एडिशन का लोकार्पण करते प्रबंधक

इस अवसर पर शोरूम प्रबंधक मनीष झा ने बताया कि,

इस विशेष संस्करण में 349 सीसी वाली जे सीरीज इंजन, ऑल-लेड लाइटिंग, एसिस्ट एवं स्लीपर क्लच, सी टाइप यूएसबी फास्ट चार्जिंग तथा ट्रीपर नेविगेशन जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं। साथ ही यह बीएस6 झ2 एवं ई 20 ईंधन कॉम्प्लिएंट है। जो नई पीढ़ी के बाइक लवर्स को पसंद आएगी। लॉन्चिंग कार्यक्रम के दौरान आदित्य मोटर्स के शोरूम में ग्राहकों एवं टीम सदस्यों के बीच खासा उत्साह देखने को मिला। शोरूम प्रबंधक मनीष झा एवं सेल्स मैनेजर दीपक झा ने संयुक्त रूप से क्लासिक 350 गोरखा एडिशन को ग्राहकों के सामने पेश किया। इस अवसर पर अनिकेत कुमार, मनीष राय, यशवंत कुमार, डॉली कुमारी, पूजा कुमारी, संतोष कुमार, रोहन कुमार, सोनू कुमार, निशांत चौधरी, मनोज झा, राजू, सोनू, विकास, विवेक, अरमान, फैज, प्रेम, आशीष, रौशन, विमल, नितिन, सौरव, रमन, चंदन, कुणाल एवं बाबा साहेब सहित अन्य टीम सदस्य एवं स्टाफ मौजूद रहे।

शोरूम प्रबंधक श्री झा ने कहा कि क्लासिक 350 गोरखा एडिशन सिर्फ एक मोटरसाइकिल नहीं, बल्कि साहस, सम्मान और गौरव की भावना को दशार्ने वाला विशेष संस्करण है। समस्तीपुर के रॉयल एनफील्ड प्रेमियों के लिए इसे अपने शोरूम पर पेश करना आदित्य मोटर्स के लिए गर्व की बात है। इस दौरान श्री झा ने ग्राहकों को शोरूम पहुंचकर क्लासिक 350 गोरखा एडिशन का अनुभव लेने और अपनी बुकिंग कराने के लिए आमंत्रित भी किया।

एक दो दिन को छोड़ कर आम तौर पर मौसम रहेगा शुष्क

पूसा (एनएसबी)। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केंद्र द्वारा जारी आगामी 23 अगस्त, 2026 तक के मौसम पूवार्नुमान के अनुसार उत्तर बिहार में पूवार्नुमान अवधि के दौरान मौसम ज्यादातर शुष्क रहने का अनुमान है। हालांकि कुछ स्थानी में 19 से 22 अगस्त के बीच एक-दो दिन गरज के साथ बिजली चमकने तथा तेज हवा के साथ हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की जा सकती है। जबकि इस अवधि में सिवान, सारण, वैशाली, गोपालगंज, पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण जैसे जिलों के कहीं-कहीं माध्यम से भारी वर्षा होने का अनुमान है।इस दौरान अधिकतम तापमान 30 से 36 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सुबह के समय सापेक्ष आर्यता 85-90% तथा दोपहर में 55-60% के आसपास रहने की संभावना है।पूवार्नुमान अवधि में मुख्यतः 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से पुरवा हवा चलने की संभावना है।

पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच जारी रखी पढ़ाई, सफल मातृत्व के साथ डॉ. दिव्यानी बनीं सहायक प्राध्यापक

एनएसबी/विद्यापतिनगर। शिवहर जिले के पुरनहिया डिग्री कॉलेज में बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के अंतर्गत सहायक प्राध्यापक के पद पर चयनित डॉ. दिव्यानी प्रियदर्शिनी ने अपनी मेहनत, संघर्ष, समर्पण और दृढ़ इच्छाशक्ति से सफलता की नई मिसाल कायम किया है। पारिवारिक जिम्मेदारियों और मातृत्व के बीच अपनी उच्च शिक्षा एवं शोध कार्य को निरंतर जारी रखते हुए उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। गौरतलब है कि, डॉ. दिव्यानी ने कक्षा छह से 12वीं तक की शिक्षा राजस्थान स्थित बनस्थली विद्यापीठ से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने पटना वीमेंस कॉलेज से स्नातक तथा पटना विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की शिक्षा पूरी की। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय से उन्होंने समाजशास्त्र विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। उनके शोध का विषय किशोर-किशोरियों के सामाजिक एवं सांस्कृतिक पहलुओं पर केंद्रित रहा। डॉ. दिव्यानी की शैक्षणिक यात्रा आसान नहीं रही। पीएचडी के दौरान उनका विवाह दलसिंहसराय के एसडीपीओ विवेक कुमार शर्मा से हुआ। इसी दौरान वह एक संतान की मां भी बनीं। परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों के बीच उन्होंने अपनी पढ़ाई और शोध कार्य को पूरी निष्ठा के साथ जारी रखा। पीएचडी के अंतिम वाइवा के समय वह अपने दूसरे बच्चे के लिए गर्भवती थीं। इसके बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य से कदम पीछे नहीं खींचे और कठिन परिस्थितियों में भी अपने प्रयास जारी रखे। वर्षों की मेहनत और संघर्ष का परिणाम अब उनके सामने है। पुरनहिया डिग्री कॉलेज, शिवहर में सहायक प्राध्यापक के पद पर उनका चयन हुआ है। डॉ. दिव्यानी के लिए यह उपलब्धि महज नौकरी हासिल करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके वर्षों के परिश्रम, त्याग, धैर्य और आत्मविश्वास की जीत है। अपनी सफलता का श्रेय वह अपने माता-पिता हेमंत कुमार शर्मा एवं प्रतिभा शर्मा, पति विवेक कुमार शर्मा, ससुर सुरेश शर्मा, सास इंदु शर्मा, भाइयों गौरव, सौरभ एवं विकास, पीएचडी सुपरवाइजर स्निग्धा मैम, प्रिय मित्र अनुराधा तथा पूरे परिवार को देती हैं। उनका कहना है कि परिवार और शुभचिंतकों के निरंतर सहयोग, प्रोत्साहन और विश्वास ने उन्हें कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहने की ताकत दी। डॉ. दिव्यानी की सफलता खासकर उन महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है, जो पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ अपने करियर और सपनों को आगे बढ़ाना चाहती हैं। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, इच्छाशक्ति मजबूत हो और परिवार का सहयोग मिले तो जीवन की बड़ी से बड़ी चुनौती को पार कर सफलता हासिल की जा सकती है।

डॉ. दिव्यानी प्रियदर्शिनी।

संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर समस्तीपुर में सामाजिक समरसता का संदेश

समस्तीपुर (एनएसबी)। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के पावन अवसर पर उनकी जन्मस्थली से लाई गई पावन मिट्टी से भरे कलश का समर्पित किया गया। साथ ही जिला प्रशासन के प्रतिनिधि के रूप में समस्तीपुर के अपर समाहर्ता महोदय को भी कलश समर्पित किया गया। आगामी

समस्तीपुर में विधिवत पूजन किया गया। वाराणसी से पटना स्थित हनुमान मंदिर में पूजन के पश्चात यह पावन कलश समस्तीपुर के महादेव स्थान में भी विधिवत पूजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा समस्तीपुर दक्षिणी के जिला अध्यक्ष शशिधर झा एवं धन्यवाद ज्ञापन भाजपा उत्तरी के जिलाध्यक्ष नीलम सहनी ने किया। प्रदेश से मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महिला आयोग की सदस्य श्रीमती सजल झा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए संत रविदास जी के विचारों को गांव-गांव और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने तथा कार्यक्रम को जमीनी स्तर तक प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर पावन कलश को समस्तीपुर जिले के विभिन्न मंडलों में मंडल अध्यक्षों के माध्यम से पूजन हेतु दिनों में जिले के विभिन्न मंदिरों में इस पावन कलश का पूजन कराया जाएगा तथा संत रविदास जी के समरसता, समानता, सद्भाव एवं मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला महामंत्री ललन प्रसाद सिंह , मनोज कुमार सिंह, बैद्यनाथ झा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अमरेश कुमार साहू, भाजपा नेता प्रो शील राय, जिला मंत्री जगदेव राम, रविंद्र पासवान, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र यादव, सभी सम्मानित मंडल अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से कार्यकताओं ने संत शिरोमणि रविदास जी महाराज के आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज में सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लिया।

17 से 22 अगस्त तक विद्युत विपत्र सुधार हेतु लगेगा विशेष शिविर

समस्तीपुर (एनएसबी)। ऊर्जा विभाग, बिहार सरकार के निर्देश के आलोक में ऊर्जा सचिव द्वारा दिनांक 17 अगस्त से 22 अगस्त 2026 तक विद्युत विपत्र सुधार हेतु विशेष अभियान/शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया गया है।

इस अभियान के तहत जिले के सभी प्रखंडों, विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल/प्रमंडल कार्यालयों, सेक्शन कार्यालयों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे।इन शिविरों में विद्युत उपभोक्ताओं से विद्युत विपत्र (बिजली बिल) में त्रुटि, गलत मीटर रीडिंग, अधिक बिल अथवा अन्य संबंधित समस्याओं के सुधार हेतु आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। प्राप्त आवेदनों का त्वरित सत्यापन एवं नियमानुसार शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि उपभोक्ताओं को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें।विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि यदि उनके विद्युत विपत्र में किसी प्रकार की त्रुटि है, तो वे निर्धारित अवधि के दौरान अपने संबंधित सेक्शन कार्यालय/ अवर प्रमंडल कार्यालय/प्रमंडल कार्यालय में आयोजित विशेष शिविर में आवेदन देकर अपनी समस्या का समाधान करा सकते हैं।जिला प्रशासन एवं विद्युत विभाग द्वारा आम उपभोक्ताओं से इस विशेष अभियान का अधिकाधिक लाभ उठाने तथा निर्धारित अवधि में अपने विद्युत विपत्र संबंधी समस्याओं का निराकरण कराने की अपील की गई है।

जवाहर ज्योति बाल विकास केंद्र में आंगनवाड़ी कार्यकताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

सरायरंजन (एनएसबी)। प्रखंड प्रमुख जवाहर ज्योति बाल विकास केंद्र, अख्तियारपुर और क्राई-चाइल्ड राइट्स एंड यू के तत्वावधान में स्कूल पूर्व शिक्षण सामग्री विकसित करने विषयक आंगनवाड़ी कार्यकताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को संस्था कार्यालय सभा भवन, अख्तियारपुर में प्रारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण 18 से 19 अगस्त 2026 तक चलेगा।प्रशिक्षण का उद्घाटन सरायरंजन प्रखंड प्रमुख वीणा कुमारी, महिला पर्यवेक्षक उषा कुमारी एवं गीता कुमारी और संस्था के कार्यकारिणी सदस्य रामप्रित चौरसिया ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।इस अवसर पर जवाहर ज्योति बाल विकास केंद्र के कोषाध्यक्ष वीणा कुमारी, दिनेश प्रसाद चौरसिया, रवींद्र पासवान, रामप्रीत चौरसिया, रवि कुमार मिश्रा, बलराम चौरसिया, किरण कुमारी, ललिता कुमारी, प्रेरणा कुमारी, हर्ष मोहन कुमार सहित सरायरंजन प्रखंड क्षेत्र की 26 आंगनवाड़ी सेविकाएं एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।प्रशिक्षण का संचालन करने के लिए गिरिडीह, झारखंड से श्री महेंद्र दास विशेष रूप से पहुंचे। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकताओं को बाल पोषण एवं स्वास्थ्य, वृद्धि निगरानी, टीकाकरण, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल, सकारात्मक पालन-पोषण तथा स्थानीय सामग्री से शिक्षण सामग्री निर्माण की व्यवहारिक जानकारी दी। महेंद्र दास ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों की पहली पाठशाला है। यदि हम यहाँ बच्चों को खेल-खेल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देंगे तो उनकी नींव मजबूत होगी और वे आगे चलकर विद्यालय में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।मुख्य अतिथि प्रखंड प्रमुख वीणा कुमारी ने बताया कि आंगनवाड़ी केन्द्र सिर्फ टीकाकरण या पोषाहार केन्द्र नहीं है, यहां बच्चों को स्कूल पूर्व शिक्षा समावेशन के लिए भी तैयारी की जाती है। इसके साथ हीं उन्होंने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार का बाल विवाह मुक्त भारत अभियान, सवेरा-3, नन्हें फरिश्ते और मुस्कान अभियान अंतर्गत बाल दूर्व्यपार और बाल श्रम से बचपन बचाने की अपील की। मौके पर उपस्थित रवि कुमार मिश्रा ने संस्था द्वारा बाल यौन शोषण की शिकार पीड़िताओं और उनके परिवार के लिए कानूनी और मनो-सामाजिक सहयोग के बारे में बताया। संस्था की कोषाध्यक्ष वीणा कुमारी ने बताया जनवरी से जूलाई तक हम सभी ने मिलकर समस्तीपुर जिला में बाल विवाह से 1500 नाबालिग किशोर-किशोरियों, 300 बच्चों को बाल श्रम, बाल दूव्यार्पार से बचाकर सुरक्षित आवासन और उनमें से अधिकांश को नियमित शिक्षा व्यवस्था से जोड़ा है, विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से आच्छादित किया है, इसके साथ हीं बाल यौन शोषण के 70 मामलों में पीड़िताओं को कानूनी और मनो-सामाजिक सहायता, आकस्मिक सहयोग पहुंचाया है। इन पीड़िताओं को दुबारा से स्कूल में दाखिला और नियमित ठहराव के लिए लगातार परामर्श सेवाएं दी जा रही है। बलराम चौरसिया ने बताया कि सरायरंजन प्रखंड के दस मुसहर बस्तियों संचालित शिक्षा केन्द्रों के माध्यम से लगभग 600 बच्चों को स्कूल से जोड़ा गया है तथा 250 ड्रॉप आउट बच्चों का पूनार्मांकन और ठहराव सुनिश्चित किया गया है। ललिता कुमारी ने बताया कि लगभग 650 किशोर-किशोरियों को जीवन कौशल की शिक्षा दी जा रही है। सीनियर ट्रेनर दिनेश प्रसाद चौरसिया ने कहा कि 400 बच्चों के माता-पिता के साथ जीवन कौशल का पैरेंट्स माड्यूल चलाया जा रहा है। किरण कुमारी ने बताया कि सरायरंजन प्रखंड के पांच गांवों में बाल विवाह मुक्त गांव के लिए पायलट परियोजना शुरू किया गया है, जहां किशोर-किशोरी समुहों के बीच लैंगिक समानता को लेकर जागरुक किया जा रहा है। प्रेरणा कुमारी ने बताया कि सरायरंजन प्रखंड अंतर्गत 25 टोला के जरुरतमंद बच्चों और उनके परिवारों का डाटा बैंक तैयार किया गया है। वहीं हर्ष मोहन कुमार नें स्टेम सेंटर के माध्यम से 300 बच्चों में विज्ञान के प्रति आकर्षण बढ़ाने के संस्थागत प्रयास पर प्रकाश डाला। अमित कुमार राम ने बताया कि अख्तियारपुर और किसनपुर युसूफ में बालिका ट्यूशन सेंटर के माध्यम से जरुरतमंद 65 किशोरियों को मैट्रिक परीक्षा की तैयारी कराई जा रही है, वहीं आशुतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि संस्था हर साल अपने डिजीटल लिटेरेसी सेंटर के माध्यम से सूदूर ग्रामीण इलाकों के 50-60 छात्र-छात्राओं को कम्प्यूटर शिक्षा से लैश करती है। सहायक परियोजना समन्वयक रविन्द्र पासवान ने प्रशिक्षण के दौरान बताया कि इस साल जवाहर ज्योति बाल विकास केन्द्र अपने स्थापना के चालिसवें वर्ष में यह सुनिश्चित किया है, संकल्प लिया है कि हमारा जिला बाल विवाह, बाल श्रम, बाल दूव्यार्पार जैसे सामाजिक कोढ़ को समाप्त कर तमाम बच्चों के जिंदगी में खुशहाली लाएगी और इसके लिए सभी सरकारी विभागों, जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, सामाजिक संस्थाओं, पंचायती राज विभाग से समन्वय स्थापित किए जा रहें हैं।

उद्घाटन करते प्रखंड प्रमुख व अन्य।

संक्षिप्त खबरें

सहयोग शिविर के माध्यम से आमजनों की समस्याओं को निष्पादित कराना है उद्देश्य : एसडीएम

बिस्फी (एनएसबी)। प्रखंड क्षेत्र के मध्य विद्यालय भैरवा में एसडीएम शारंग पाणि पांडेय,बीडीओ बसंत कुमार सिंह, सीओ शैलेंद्र कुमार यादव,एमओ कौशल कुमार मंडल,श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी हमीद गफूर जबकि तीसी नरसाम दक्षिणी मे जिला पंचायत राज पदाधिकारी राकेश कुमार झा, बीपीआरओ शेखर कुमार, राजस्व पदाधिकारी सबिता कुमारी ने पंचायत सरकार भवन के परिसर में सहयोग शिविर का शुभारंभ किया.शिविर में काफी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, महिला समूहों की सदस्यों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे. सहयोग शिविर में पोर्टल के माध्यम से विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन ऑनलाइन व ऑफलाइन 45 आवेदन प्राप्त हुए. जबकि 30 आवेदन को निष्पादन किया गया. जिसमें आवास,पेंशन, नल जल, स्वास्थ्य, जमीनी विवाद से संबंधित आवेदन अधिक था. जिसमें कई आवेदनों का निष्पादन तत्काल कर दिया गया. सरकार द्वारा चलाए जा रहे सभी योजनाओं कि जानकारी भी दी गई. शिविर में उपस्थित एक-एक ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया.एसडीएम पांडेय ने कहा कि पंचायत स्तरीय व प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी से को कहा गया है तथा आमजनों की समस्याओं को निर्धारित समयसीमा के अंदर निष्पादन करना सुनिश्चित करें.इसअवसर पर पीओ मनोरंजन कुमार रंजन सीडीपीओ अहमद रजा खॉं पंचायत सचिव राकेश कुमार रंजन ,उषा कुमारी, मुखिया मो कपिल,मो हीरा सहित कई लोगों उपस्थित थे.

नए सीओ शैलेंद्र कुमार यादव ने किया पदभार ग्रहण. जबकि सीओ संतोष कुमार को की गई विदाई

बिस्फी (एनएसबी)। अंचल कार्यालय के सभागार में सीओ संतोष कुमार सिंह के स्थानांतरण होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया. समारोह कि अध्यक्षता राजस्व पदाधिकारी सविता कुमारी ने की. इस मौके पर अंचल के सभी कर्मी कि उपस्थित मे उत्साहपूर्ण माहौल में उन्हें पाग, दोपटा, माला पहनकर विदाई दी. इस दौरान कर्मियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की.अंचलाधिकारी संतोष कुमार सिंह का तबादला सीतामढ़ी जिले के रून्नीसैदपुर अंचल में हुआ है.. वहीं नए अंचलाधिकारी शैलेंद्र कुमार यादव ने भी अपना पदभार ग्रहण किया उन्हें भी पाग,दोपटा पहनकर कर्मियों ने स्वागत की. राजस्व पदाधिकारी सविता कुमारी ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने हर जिम्मेदारी को तत्परता और ईमानदारी से निभाया. समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों से भी शालीनता, सरलता और सम्मान के साथ पेश आना उनकी खासियत रही. वहीं नए .सीओ शैलेंद्र कुमार ने कहा कि अपनी कार्यशैली, संवेदनशीलता और बेहतर प्रशासन से बिस्फी की जनता के बीच अपनी एक अलग पहचान बनाएंगे.

ओडिशा पुलिस के सर्वोच्च पद तक का सफर तय करना मिथिला और बिहार के लिए गौरव का क्षण -विष्णुदेव सिंह यादव

बिस्फी (एनएसबी)। पौना गांव निवासी वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी विनयातोष मिश्रा को ओडिशा का पुलिस महानिदेशक डीजीपी बनाए जाने पर वरिष्ठ पत्रकार सह राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि विष्णुदेव सिंह यादव ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे मिथिलांचल की महान धरती और बिहार की गौरवगाथा में एक नया अध्याय बताया है.श्री यादव ने कहा कि विनयातोष मिश्रा ने अपने दीर्घ सेवाकाल में साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड, जटिल वित्तीय अपराध एवं पुलिस आधुनिकीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य किए हैं.ओडिशा पुलिस में उनके नेतृत्व में कई तकनीकी पहलों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला हैं . उन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है. पौना गांव से निकलकर ओडिशा जैसे बड़े राज्य की पुलिस व्यवस्था का नेतृत्व करना पूरे मिथिलांचल और बिहार के लिए गौरव का विषय है. उनकी उपलब्धियां हम सबों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं. वहीं राज्यसभा सांसद डॉ फैयाज अहमद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ शकील अहमद ने विनयातोष मिश्रा को नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं हैं.

आज रहिका प्रखंड सह अंचल कार्यालय पर प्रतिरोध मार्च होगी

मधुबनी (एनएसबी)। भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) मधुबनी जिला सचिव मनोज कुमार यादव ने खरौआ में कहा कि माकपा नेता, रहिका लोकल कमिटी सदस्य भागवत यादव की अपराधियों ने नृशंस हत्या करने और रौशन यादव की मौत के खिलाफ दिनांक 19-08-26को को रहिका प्रखंड सह अंचल कार्यालय पर माकपा की ओर से विशाल प्रतिरोध मार्च किया जाएगा, उन्होंने कहा कि भागवत यादव और रौशन यादव की मौत का उच्च स्तरीय जांच करने, रहिका थाना कांड संख्या 206/26 के सभी अपराधियों को गिरफ्तार करने व स्पीड ट्राइल

चलाकर सजा देने, भागवत यादव के परिजनों को सुरक्षा मुहैया कराने और रौशन यादव परिजनों को 50 लाख मुआवजा देने, दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा के सवालों पर जोरदार प्रदर्शन होगी जिसमें माकपा के बिहार राज्य सचिव ललन चौधरी जी, माकपा के विधायक अजय कुमार शिरकत करेंगे और रौशन यादव के घर पर उनके परिजनों से मुलाकात करेंगे, यादव ने कहा कि बढ़ते अपराध के खिलाफ लोगों में व्यापक गुस्सा है कल की सभा और प्रतिरोध मार्च एतिहासिक होगी। बैठक की अध्यक्षता माकपा रहिका लोकल सचिव सोनधारी यादव ने किया।

अवैध विदेशी शराब के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई, 196 कार्टन विदेशी शराब सहित वाहन जब्त

मधुबनी (एनएसबी)। जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन एवं कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण तथा मद्यनिषेध कानून के सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से मद्यनिषेध विभाग द्वारा लगातार सघन छापेमारी एवं जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 18 अगस्त 2026 को अपराह्न 12:30 बजे से 05:00 बजे तक गुप्त सूचना के आधार पर अधीक्षक मद्यनिषेध, मधुबनी श्री विजय कांत ठाकुर के पर्यवेक्षण में गठित विशेष टीमों द्वारा जिले के विभिन्न संदिग्ध स्थलों एवं मार्गो पर व्यापक कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान विभागीय टीमों को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। विभिन्न स्थानों से कुल 196 कार्टन विदेशी शराब, लगभग 1,720 लीटर, बरामद एवं जब्त की गई। शराब के अवैध परिवहन में प्रयुक्त 01 छः चक्का कंटेनर वाहन, 02 चार चक्का वाहन तथा 01 बुलेट मोटरसाइकिल को भी जब्त किया गया है। बरामदगी के पश्चात शराब एवं वाहनों को नियमानुसार अभिरक्षा में लेकर अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। अभियान के तहत प्रथम कार्रवाई छपराड़ी थानाझखजौली क्षेत्र में की गई। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में टीम द्वारा 01 स्कॉर्पियो वाहन एवं 01 बुलेट मोटरसाइकिल की तलाशी ली गई, जिसमें से कुल 38 कार्टन विदेशी शराब बरामद की गई। टीम द्वारा तत्काल शराब एवं संबंधित वाहनों को जब्त करते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई प्रारंभ की गई। इसी क्रम में दूसरी बड़ी कार्रवाई मकरमपुर गाछी, थानाझसकरी क्षेत्र में की गई। यहां सघन जांच एवं छापेमारी के दौरान 01 छः चक्का कंटेनर वाहन एवं 01 चार चक्का वाहन से कुल 157 कार्टन विदेशी शराब बरामद की गई। दोनों कार्रवाइयों को मिलाकर कुल 196 कार्टन विदेशी शराब जब्त की गई है। प्रकरण में संबंधित वाहनों के स्वामियों एवं अन्य संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध फरार अभियोग दर्ज कर अग्रेतर अनुसंधान किया जा रहा है। मद्यनिषेध विभाग द्वारा शराब के स्त्रोत, आपूर्ति श्रृंखला एवं इसके अवैध परिवहन में संलिप्त अन्य व्यक्तियों की पहचान के लिए भी जांच की जा रही है। अधीक्षक मद्यनिषेध, मधुबनी ने बताया कि जिले में अवैध शराब के कारोबार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत लगातार अभियान चलाया जा रहा है। गुप्त सूचनाओं के आधार पर संदिग्ध स्थलों एवं शराब परिवहन के संभावित मार्गों पर निगरानी बढ़ाई गई है। अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, बिक्री अथवा परिवहन में संलिप्त पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध मद्यनिषेध अधिनियम के प्रावधानों के तहत कठोर एवं विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। मद्यनिषेध विभाग ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि जिले में कहीं भी अवैध शराब के निर्माण, बिक्री अथवा परिवहन की सूचना प्राप्त होने पर इसकी जानकारी संबंधित विभाग एवं प्रशासन को दें, ताकि समय पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

जब शराब और वाहन

समरसता संकल्प अभियान से मजबूत होगी आपसी सम्मान और सौहार्द की भावना : डीएम

मधुबनी (एनएसबी)। संत गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समरसता संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को समाहरणालय परिसर, मधुबनी से कलश यात्रा का शुभारंभ किया गया। जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ सह कलश यात्रा को रवाना किया। बता दें कि राज्य स्तर से प्राप्त निर्देश के आलोक में अनुसूचित जाति टोलों में सामाजिक समरसता, समानता, भाईचारा एवं सामाजिक एकजुटता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह अभियान 18 अगस्त 2026 से 15 फरवरी 2027 तक आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में मधुबनी जिले में 18 से 20 अगस्त तक गुरु संत रविदास जी की कलश यात्रा निकाली गई।कलश यात्रा के प्रथम चरण में 18 अगस्त को समाहरणालय परिसर से यात्रा प्रारंभ होकर स्टेशन चौक एवं बाटा होते हुए पुनः समाहरणालय पहुंची। यात्रा में जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड विकास मित्र, अनुसूचित जाति आवासीय विद्यालय, मधुबनी के छात्र-छात्राओं सहित अन्य संबंधित लोगों ने भाग लिया।इस अवसर पर जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने कहा कि संत रविदास जी का जीवन और उनके विचार समाज में समानता, भाईचारे एवं आपसी सद्भाव की प्रेरणा देते हैं। समरसता संकल्प अभियान के माध्यम से समाज के सभी वर्गों के बीच आपसी सम्मान, सहयोग एवं सौहार्द की भावना को और मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता और समानता का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान के माध्यम से संत रविदास जी के विचारों एवं उनके सामाजिक संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।अभियान के तहत जिले के विभिन्न प्रखंडों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कलश यात्रा आयोजित की जाएगी। 19 अगस्त को रहिका, बिस्फी, बेनीपट्टी, मधवापुर, हरलाखी, बासोपट्टी, जयनगर, लदनियां, खजौली, कलुआही एवं राजनगर तथा 20 अगस्त को बाबूबरही, झंझारपुर, अंधराठाढ़ी, फुलपरास, घोघरडीहा, मधेपुर, लखनौर सहित अन्य निर्धारित प्रखंडों में कलश यात्रा प्रस्तावित है।जिला प्रशासन द्वारा सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्धारित कार्यक्रम, मार्ग एवं समय के अनुसार कलश यात्रा एवं अभियान से जुड़ी गतिविधियों का सफल संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। मौके पर जिला प्रशासन के संबंधित पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

हरी झंडी दिखाते जिलाधिकारी

20 अगस्त को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव पीड़ित परिवार से मुलाकात करेंगे: अब्दुल बारी सिद्दकी

पीड़ित परिवार से मिलते राजद नेता

मधुबनी (एनएसबी)। मधुबनी में राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दकी, पूर्व मंत्री लक्ष्मेश्वर राय, बृजकिशोर यादव, राजकुमार यादव, रामकुमार यादव, बीर बहादुर राय, निशांत मंडल, राजेंद्र यादव संतोष यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता के साथ सोमवार के दोपहर बेनीपट्टी प्रखंड के परकौली पंचायत स्थित राणा टोल पहुंचे। यहां उन्होंने मंडल कारा में मृत बंदी रौशन कुमार यादव के परिवार से मुलाकात की। अब्दुल बारी सिद्दकी के गांव पहुंचते ही रौशन के घर पर लोगों की भीड़ जुट गई। उन्होंने मृतक की मां और बहन से बात की। परिजनों ने जेल में रौशन की मौत से जुड़ी पूरी बात उन्हें बताई और अपनी परेशानी साझा की। वहाँ से वापस आने के बाद होटल जायका इन के सभागार में प्रेस को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दकी ने कहा जो घटना घटी है वो निंदनीय है। जिस प्रकार से प्रशासन का बयान आ रहा है। वो संदेह पैदा कर रहा है। रोशन कोई बड़ा अपराधी नहीं था। बिहार में कहने के लिए फिलहाल राम राज्य की सरकार है। लेकिन राज्य की कानून व्यवस्था आईसीयू चला गया है। जहाँ कानून व्यवस्था को पूरी तरह धज्जी उड़ाया जा रहा है। आज दर्जनो केस के अभियुक्त राज्य में सरकार चला रहा है। ये उच्च स्तरीय जांच का मामला बन रहा है। की एक कैदी की हत्या जेल के अंदर कैसे हो जाता है। राष्ट्रीय जनता दल पीड़ित परिवार के साथ न्याय की लड़ाई में साथ खड़ा है। और न्याय दिलाकर रहेगा 20 अगस्त को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव पीड़ित परिवार से मुलाकात करेंगे जंगलराज से लेकर राम राज्य तक बिहार में हत्या, ब्लात्कार, चोरी, डकैती का आंकड़ा निकालकर आप देख सकते है। की राम राज्य में अपराध का ग्राफ कितना बढ़ गया है। कार्यक्रम में उमेश राम, संजय यादव, प्रशांत मंडल, अमित यादव,श्रीनारायण महतो, अनिल लोहिया, गुलजार अहमद, दानिश इकवाल,अरुण यादव, मो.अशरफ, राजेश रंजन, विजय दास सहित सैकड़ों

चटाई पर बैठकर जिलाधिकारी ने सुनी जनसमस्याओं का हाल त्वरित समाधान के दिए निर्देश

मधुबनी(एनएसबी)। आमजनों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से झंझारपुर अनुमंडल अंतर्गत झंझारपुर प्रखंड के महिनाथपुर पंचायत में आज सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरूआत जिलाधिकारी आनंद शर्मा द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन के स्थान पर गमले में लगे पौधे में पानी देकर की गई। यह पहल पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी के संदेश के साथ प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली का प्रतीक बनी। जिलाधिकारी सहित संबंधित पदाधिकारियों ने आमजनों के साथ चटाई पर बैठकर सीधे जनसंवाद किया और ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। ग्रामीणों द्वारा मुख्य रूप से नल-जल योजना एवं सोलर स्ट्रीट लाइट से संबंधित समस्याएं सामने रखी गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का समयबद्ध एवं प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। के कनीय अभियंता को प्रत्येक वार्ड में नल-जल से संबंधित समस्याओं का स्थल निरीक्षण कर समाधान की समय-सीमा निर्धारित करने तथा इसकी जानकारी आमजनों को देने का निर्देश दिया गया। सहयोग शिविर में आवेदनों के निष्पादन में तेजी शिविर से प्राप्त आवेदनों के आंकड़े प्रशासन की सक्रियता एवं समस्या-समाधान के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। 17 अगस्त 2026 तक कुल 25 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 22 आवेदनों का निष्पादन किया जा चुका था। वहीं 18 अगस्त को शिविर में 6 नए आवेदन प्राप्त हुए। इस प्रकार अब तक कुल 31 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें 22 आवेदनों का निष्पादन किया जा चुका है। शेष आवेदनों के निष्पादन हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन का स्पष्ट उद्देश्य है कि कोई भी आवेदन अनावश्यक रूप से लंबित न रहे और प्रत्येक पात्र व्यक्ति को निर्धारित समय-सीमा में समाधान उपलब्ध कराया जाए।

जिलाधिकारी ने पंचायत स्तर पर कार्यरत विभिन्न विभागों के कर्मियों को अपनी-अपनी योजनाओं, पात्रता एवं लाभ की जानकारी आमजनों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा अपना मोबाइल नंबर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि ग्रामीण आवश्यकता पड़ने पर संबंधित कर्मियों से सीधे संपर्क कर सकें। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का जिलाधिकारी ने निरीक्षण किया। स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल पर टीबी मरीजों के बीच हेल्थ किट का वितरण किया गया।वहीं के स्टॉल पर अन्नप्राशन एवं गोद भराई कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने सहभागिता की। उन्होंने पंचायत सरकार भवन परिसर स्थित पशु चिकित्सालय का भी निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं एवं सेवाओं की जानकारी ली। यह इकाई पंचायत स्तर पर ठोस अपशिष्ट के समुचित संग्रहण, प्रसंस्करण एवं प्रबंधन को सुदृढ़ करने तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य केवल योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना और उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना है। सहयोग शिविर इसी जन-केंद्रित प्रशासन की दिशा में एक प्रभावी पहल है, जिसके माध्यम से प्रशासन आमजनों के द्वार तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कर रहा है।

शिकायत सुनते जिलाधिकारी

प्रमंडलीय आयुक्त की अध्यक्षता में सुधा डेयरी प्लांट से निकल रहे जल की रोकथाम के लिए हुईं उच्चस्तरीय बैठक

आम जनता के जीवन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : आयुक्त

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को काँटी प्रखंड अंतर्गत सुधा डेयरी प्लांट से निकल रहे केमिकल-युक्त दूषित जल के रोकथाम को लेकर उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन हुआ। इसमें क्षेत्रीय विधायक अजीत कुमार, जिलाधिकारी, उप विकास आयुक्त अपर समाहर्त्ता, सुधा डेयरी-तिमूल, एनएचएआई, बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पीएचईडी, रेलवे एवं अन्य विभागों के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

प्रमंडलीय आयुक्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पर्यावरण नियमों के उल्लंघन के विरूद्ध उनके द्वारा शून्य सहिष्णुता (जीरो टॉलरेन्स) की नीति का अक्षरशः अनुपालन किया जाना है। आम जनता के जीवन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनहित के मामलों में कोई भी शिथिलता, लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रमंडलीय आयुक्त ने अधिकारियों को निदेश दिया कि सभी हितधारकों से समन्वय स्थापित कर मामले का त्वरित गति से एवं विधिवत समाधान करें। प्रमंडलीय आयुक्त ने कहा कि सुधा डेयरी का अपशिष्ट पानी कई सालों से आसपास के क्षेत्रों में बह रहा है। इससे लोगों को काफी समस्या होती है। कृषि के साथ साथ रासायनिक पदार्थों यथा आर्सेनिक, क्लोराईड, फॉस्फेट इत्यादि से युक्त पानी के बहने से लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना रहती है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत खेदजनक स्थिति है।

इस मामले का शीघ्र समाधान करने की आवश्यकता है। प्रमंडलीय आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह ने कहा कि उनके द्वारा इस विषय पर शीघ्र कार्रवाई के लिए क्षेत्र का आज निरीक्षण भी किया गया है। उन्होंने बैठक के दरम्यान ही समस्या के समाधान के उद्देश्य से दो बहु-सदस्यीय कमिटी का गठन किया। एक समिति उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में तथा दूसरी समिति अपर समाहर्त्ता की अध्यक्षता में क्रियाशील रहेगी। दोनों समितियों में सुधा डेयरी,

सुधा डेयरी प्लांट से निकल रहे प्रदूषित जल की रोकथाम के मुद्दे पर संबंधित लोगों व अधिकारी के साथ बैठक करते आयुक्त।

तिमूल, एनएचएआई, बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पीएचईडी, रेलवे एवं अन्य विभागों के पदाधिकारीगण भी शामिल किए गए हैं। प्रमंडलीय आयुक्त ने कहा कि उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में गठित समिति सुधा डेयरी से निकलने वाले पानी की गुणवत्ता एवं ट्रीटमेंट प्लांट की क्रियाशीलता का निरीक्षण करेगी। पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता जल का सैंपल लेकर इसमें केमिकल की मात्रा की जाँच करेंगे। अपर समाहर्त्ता की अध्यक्षता में गठित समिति सुधा डेयरी के जल निकासी हेतु उपयुक्त भूमि की उपलब्धता का सर्वे एवं आवश्यक कार्रवाई करेगी। प्रमंडलीय आयुक्त ने निदेश दिया कि दोनों कमिटि द्वारा क्षेत्रीय विधायक से नियमित तौर पर सम्पर्क स्थापित कर उनका सुझाव प्राप्त किया जायेगा। साथ ही सभी स्टेकहोल्डर्स से सार्थक संवाद एवं सुदृढ़ समन्वय स्थापित रखा जाएगा।

अधिकारियों को आयुक्त ने दिया समस्या के त्वरित समाधान का निर्देश

प्रमंडलीय आयुक्त ने आशा एवं हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि जिलावासियों को इस चिरकालीन समस्या का जल्द समाधान मिलेगा। इसके लिए अथक प्रयास किया जा रहा है। दोनों समिति के अध्यक्षों को निदेश दिया गया है कि एक सप्ताह के अन्दर तथ्यपरक एवं सारगर्भित प्रतिवेदन समर्पित करें। उन्होंने कहा कि इन प्रतिवेदनों का अध्ययन किया जाएगा। हमलोगों का उद्देश्य है कि सुधा डेयरी से निकलने वाले पानी की समस्या के समाधान के लिए आवश्यक संरचनाओं का निर्माण 15 सितम्बर नवरात्र पूजा से प्रारंभ कर दिया जाए। उन्होंने सुधा डेयरी के प्रबंध निदेशक को निदेशित किया कि जल निकासी की व्यवस्था सुदृढ़ करें।

प्लांट से निकलने वाला अपशिष्ट पानी अगल-बगल के इलाकों में जमा न हो। ट्रीटेड पानी के स्टोरेज के लिए विभाग के आदेश के अनुसार तालाब को विकसित करें। पर्यावरण सुरक्षा के मानकों का अक्षरशः अनुपालन करें। निकलने वाले पानी का नियमानुसार प्रसंस्करण (ट्रीटमेंट) अनिवार्य है। प्रमंडलीय आयुक्त ने निदेश दिया कि सुधा डेयरी, तिमूल, एनएचएआई, बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पीएचईडी, रेलवे एवं अन्य विभागों के पदाधिकारीगण आपस में समन्वय स्थापित कर मामले का स्थायी एवं दीर्घकालीन समाधान सुनिश्चित करें। एक सप्ताह के बाद वे कृत कार्रवाई की पुनः समीक्षा करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

मुजफ्फरपुर के 81 सदस्यीय दल ने पटना में दिखाई प्रतिभा, छात्रों ने लोकतंत्र व डेटा सुरक्षा पर दिए सुझाव

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। निर्वाचन साक्षरता क्लब से जुड़े कार्यक्रम में सहभागिता के लिए मुजफ्फरपुर से 81 सदस्यीय प्रतिभागी दल पटना रवाना हुआ। समाहरणालय परिसर से रवाना किए गए इस दल में जिले के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों से चयनित छात्र-छात्राएं शामिल थे। जारी दिशा-निर्देशों के तहत सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों और मुशहरी अंचलाधिकारी की देखरेख में छात्रों ने कार्यक्रम में जिले का प्रतिनिधित्व किया। पटना में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुजफ्फरपुर के छात्र-छात्राओं ने अपनी कलात्मक और तकनीकी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उच्च माध्यमिक विद्यालय बेरुआ, गायघाट की छात्रा जागृति कुमारी ने निर्वाचन साक्षरता क्लब से संबंधित आकर्षक फ्रेम्ड पेंटिंग तैयार की। उन्होंने यह पेंटिंग मुख्य निर्वाचन आयुक्त को भेंट की। अधिकारियों ने छात्रा की रचनात्मकता की सराहना की। वहीं डीएवी पब्लिक स्कूल कांटी के छात्र अर्जुन मिश्रा ने निर्वाचन प्रक्रिया में तकनीकी सुधार को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव रखा। उन्होंने ह्यूल्लीइह्ल ऐप पर लॉगिन करने वाले करोड़ों उपयोगकर्ताओं के संवेदनशील डेटा की सुरक्षा के लिए ह्यक्लाउड वेरिफिकेशनह्ल को अनिवार्य किए जाने की मांग उठाई। कार्यक्रम में मुजफ्फरपुर के युवाओं की सक्रिय भागीदारी और उनके तार्किक सुझावों ने निर्वाचन साक्षरता क्लब की उपयोगिता को सामने रखा। छात्रों की प्रस्तुतियों से यह संदेश भी गया कि युवा वर्ग न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समझ रहा है, बल्कि निर्वाचन व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनाने के लिए अपने विचार भी सामने रख रहा है।

प्रतियोगिता के प्रतिभागी होनहार बच्चों की फोटो।

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में कंप्यूटर में धमाका से लगी आग, टला बड़ा हादसा

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में मंगलवार की सुबह कंप्यूटर में अचानक धमाका होने के बाद आग लग गई। विश्वविद्यालय में अवकाश होने के कारण उस समय विभाग में कोई मौजूद नहीं था। इस वजह से शुरूआती दौर में घटना की जानकारी किसी को नहीं मिल सकी। देखते ही देखते कमरे में धुआं भर गया और आग की लपटें खिड़कियों से बाहर निकलने लगीं। इसी दौरान परिसर से गुजर रहे कुछ विश्वविद्यालय कर्मचारियों की नजर धुएं और लपटों पर पड़ी। उन्होंने तत्काल शोर मचाकर अन्य कर्मचारियों को घटना की जानकारी दी। विभाग में ताला लगा होने और चाबी उपलब्ध नहीं रहने के कारण शुरूआती दौर में कमरे तक पहुंचने में परेशानी हुई। संबंधित विभाग के कर्मचारियों को फोन कर सूचना दी गई। चाबी पहुंचने के बाद कमरा खोला गया तो कंप्यूटर के एक पार्ट में ब्लास्ट के बाद आग लगी होने की जानकारी मिली। कर्मचारियों ने तत्काल बालू और मिट्टी की मदद से आग पर काबू पा लिया। समय रहते आग बुझा दिए जाने से विभाग में रखे महत्वपूर्ण दस्तावेज और अन्य सामान सुरक्षित बच गए। अगर समय पर कर्मचारियों की नजर आग पर नहीं पड़ती तो यह घटना बड़ा रूप ले सकती थी। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। कंप्यूटर में धमाका किस कारण हुआ, इसकी जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

घटनास्थल पर धमाके के बाद उभरे निशान।

किसानों को आधुनिक खेती सिखाने के लिए उत्कृष्ट कृषि स्थलों का होगा चयन

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। जिले में कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट और अनुकरणीय कार्य करने वाले प्रमुख स्थलों का चयन किया जाएगा। चयनित स्थलों पर किसानों को विशेष एक्सपोजर विजिट कराया जाएगा, ताकि वे आधुनिक तकनीक और नवाचार आधारित खेती के तरीकों को करीब से समझ सकें। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के निर्देश पर इस पहल की शुरूआत की गई है। बिहार कृषि प्रबंधन एवं प्रसार प्रशिक्षण संस्थान (बामेती) ने सभी जिला कृषि पदाधिकारियों को अपने क्षेत्र में दो से तीन उत्कृष्ट स्थलों को चिह्नित करने का निर्देश दिया है। चयन के दौरान उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी, जहां सफल कृषि मॉडल और उन्नत तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। इसके अलावा उत्कृष्ट कृषक समूह, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) और कृषि प्रसंस्करण इकाइयों को भी सूची में शामिल किया जाएगा। बामेती ने चयनित स्थलों की वर्तमान स्थिति और वहां आवागमन की सुविधा से संबंधित विस्तृत जानकारी मांगी है। अधिकारियों को संपर्क व्यक्ति का नाम, मोबाइल नंबर, गूगल मैप लोकेशन के साथ स्थल के फोटो और वीडियो भी उपलब्ध कराने होंगे। प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर चयनित स्थलों का जिला स्तर पर भौतिक सत्यापन कराया जाएगा। जिला कृषि पदाधिकारी भारत भूषण ने बताया कि सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारियों से नवाचार आधारित खेती और सफल कृषि मॉडलों की जानकारी मांगी गई है। एफपीओ और कृषि आधारित उद्यमों का पूरा विवरण मिलने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। एक्सपोजर विजिट के दौरान किसान सफल कृषि मॉडलों को प्रत्यक्ष रूप से देखकर वहां अपनाई जा रही तकनीकों और बेहतर खेती के तरीकों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इससे किसानों को एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने में मदद मिलेगी।

मुजफ्फरपुर समेत तीन जिलों में 1262 किमी सड़कें होंगी दुरुस्त

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। जिले में 700 किलोमीटर से अधिक सड़कों का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इसके अलावा सीतामढ़ी और शिवहर में भी करीब 545 किलोमीटर सड़कों की कायाकल्प होगी। तीनों जिलों में कुल 1262 किलोमीटर सड़कों के जीर्णोद्धार पर 1500 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे। इसे लेकर पथ निर्माण विभाग के पटना स्थित मुख्यालय में तकनीकी बीड फाइनल करने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

इन सड़कों का जीर्णोद्धार आउटपुट एंड परफॉर्मेंस बेस्ड रोड एसेट्स मेंटनेंस कांट्रैक्ट (ओपीआरएएमसी) के तहत कराया जाएगा। पथ निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता ई अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि सात साल तक संबंधित संवेदक को इन सड़कों की मरम्मत और रखरखाव करना होगा। हालांकि, कुछ टेंडरों में परिवाद दायर होने के कारण वित्तीय बीड अभी नहीं खोली गई है। परिवाद का शीघ्र निष्पादन करने के बाद वित्तीय बीड खोली जाएगी। इसके फाइनल होने के बाद सड़कों की मरम्मत का काम शुरू कराया जाएगा। सबसे पहले सड़कों के गड्ढे भरे जाएंगे और इसके बाद पिचिंग का काम होगा। अगले सात वर्षों तक संबंधित संवेदक को सड़क के रखरखाव की जिम्मेदारी निभानी होगी।

पथ प्रमंडल-एक के अंतर्गत मुजफ्फरपुर में 53 सड़कों की 577 किलोमीटर और पथ प्रमंडल-दो के अंतर्गत 12 सड़कों की 139 किलोमीटर लंबाई का जीर्णोद्धार किया जाएगा। वहीं सीतामढ़ी में 33 सड़कों की 488 किलोमीटर और शिवहर में सात सड़कों की 57.48 किलोमीटर लंबाई को योजना में शामिल किया गया है। योजना में मुजफ्फरपुर-महुआ स्टेट हाइवे भी शामिल है। यह मुजफ्फरपुर से हाजीपुर और पटना आने-जाने का प्रमुख मार्ग है। श्रावणी मेला के दौरान भी इस सड़क पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आवागमन होता है। वर्तमान में कई जगहों पर सड़क जर्जर हो चुकी है।

प्रस्तावित सड़क की प्रतिकात्मक फोटो।

इसके अलावा मुजफ्फरपुर-पूसा रोड, माड़ीपुर पावर हाउस चौक से गोबरसही-डुमरी, सकरी रोड, तुर्की-पक्की सराय से कच्ची-पक्की रोड, सरैयागंज टावर से लेप्रोसी मिशन वाया छोटी कल्याणी, हाथी चौक सड़क और लक्ष्मी चौक से दादर समेत कई सड़कें योजना में शामिल हैं।

मुजफ्फरपुर की वैशाली-साहेबगंज, सरैया-मोतीपुर, मोतीपुर-साहेबगंज, माड़ीपुर से डीएम आवास, पुराना मोतिहारी रोड, बखरा-वैशाली रोड, मुजफ्फरपुर-देवरिया सड़क, खबरा-लदौरा रोड, चांदनी चौक से बखरी चौक वाया जीरोमाइल-अहियापुर, बटलर से नारायणपुर-दिघरा वाया अघोरिया बाजार-मिठनपुरा, मिठनपुरा चौक से गोशाला रोड, झपहां-मीनापुर रोड और मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी स्टेट हाइवे समेत अन्य सड़कों का भी जीर्णोद्धार होगा।

सीतामढ़ी में सीतामढ़ी-रीगा रोड, रीगा-मेजरगंज रोड, बेलसंड-मीनापुर, परसौनी-रीगा रोड, कुम्मा-बेला रोड, बेलसंड-छितौनी रोड और सोनबरसा एनएच-77 समेत कई सड़कों को योजना में शामिल किया गया है। शिवहर में शिवहर-बेलवाघाट रोड एसएच-54, शिवहर-मीनापुर रोड, बसंतपट्टी-कटैया रोड और एसएच-54 से पिपराही उच्चस्तरीय पुल के एप्रोच पथ का काम कराया जाएगा। योजना पूरी होने के बाद तीनों जिलों की प्रमुख सड़कों की स्थिति में सुधार आने और लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलने की उम्मीद है।

सरकारी 102 एंबुलेंस में गांजा और लोडेड हथियार देख हैरत में पड़ी पुलिस, दो एम्बुलेंस कर्मी गिरफ्तार

पुलिस गिरफ्त में दोनों एम्बुलेंस कर्मचारी।

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। मुजफ्फरपुर में जिस एंबुलेंस का काम मरीजों की जिंदगी बचाना है, उसी की आड़ में कथित तौर पर मादक पदार्थ और हथियार की तस्करी का खेल खेला जा रहा था। मामले की भनक लगते हीं अहियापुर थाना पुलिस ने एसकेएमसीएच परिसर में कार्रवाई करते हुए 102 एंबुलेंस से दो पैकेट गांजा और एक लोडेड अवैध हथियार बरामद किया है। पुलिस ने मौके से एंबुलेंस चालक और इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन यानी ईएमटी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना सामने आने के बाद अस्पताल परिसर से लेकर स्वास्थ्य महकमे तक हड़कंप मच गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान एंबुलेंस चालक सर्वजीत और ईएमटी मनोहर कुमार के रूप में बताई गई है। पुलिस दोनों को एसकेएमसीएच ओपी में रखकर पूछताछ कर रही है। अब जांच का फोकस इस बात पर है कि एंबुलेंस में हथियार और गांजा आखिर किस मकसद से रखा गया था और इसके पीछे कोई बड़ा तस्करी या आपराधिक नेटवर्क तो सक्रिय नहीं था। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि 102 एंबुलेंस का इस्तेमाल कथित तौर पर मादक पदार्थ और अवैध हथियार की आवाजाही के लिए किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने एसकेएमसीएच परिसर स्थित 102 एंबुलेंस कार्यालय पर दबिश दी। पुलिस टीम ने परिसर में खड़ी एंबुलेंस की सघन तलाशी शुरू की। तलाशी के दौरान वाहन के भीतर से दो पैकेट गांजा और एक लोडेड हथियार बरामद हुआ। बरामदगी के बाद पुलिस ने एंबुलेंस चालक और ईएमटी को तत्काल हिरासत में ले लिया। दोनों से यह जानने की कोशिश की जा रही है कि बरामद हथियार और मादक पदार्थ उन्हें कहां से मिले और इन्हें कहां पहुंचाया जाना था। पुलिस इस एंगल से भी पड़ताल कर रही है कि क्या एंबुलेंस को सरकारी सेवा की आड़ में किसी संगठित आपराधिक गतिविधि के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। एसकेएमसीएच के हेल्थ मैनेजर सोहैल अख्तर ने बताया कि पुलिस टीम ने परिसर में खड़ी 102 एंबुलेंस की जांच की थी, जिसके दौरान गांजा और हथियार बरामद हुआ। हालांकि मामले में पुलिस के आला अधिकारियों की ओर से फिलहाल विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। अहियापुर थानाध्यक्ष शरत कुमार से मामले को लेकर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

वहीं एसकेएमसीएच ओपी प्रभारी पिंटू कुमार ने खुद को थाना क्षेत्र से बाहर होने की बात कही। पुलिस की चुप्पी के बीच अब कई सवाल खड़े हो रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि मरीजों को अस्पताल पहुंचाने वाली सरकारी एंबुलेंस में हथियार और गांजा कैसे पहुंचा? क्या यह सिर्फ दो लोगों की करतूत है या इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क है? पुलिस जांच के बाद ही इन सवालों के जवाब सामने आएंगे।बिहार सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत सरकारी अस्पतालों में 102 एंबुलेंस सेवा का संचालन आउटसोर्सिंग एजेंसी जेन प्लस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जाता है। अब जांच की आंच एंबुलेंस सेवा की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था तक भी पहुंच सकती है।

दिनदहाड़े अपराधियों ने चाकू मार कर की दादा और पोती की हत्या

घटनास्थल पर मामले की जांच पड़ताल करती पुलिस की टीम।

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र स्थित माई स्थान के समीप मंगलवार को आपसी रंजिश में दादा और उनकी 5 वर्षीय मासूम पोती की चाकू मारकर निर्मम हत्या कर दी गई। इस दोहरे हत्याकांड के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार घटना की वजह पारिवारिक या आपसी पट्टीदारी का विवाद बताया जा रहा है। आरोप है कि पट्टीदार ने ही धारदार चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दादा और उनकी 5 साल की मासूम पोती को मौत के घाट उतार दिया।

घटना की खबर फैलते ही आसपास के स्थानीय लोग उग्र हो गए। घटना के बाद भागने की कोशिश कर रहे आरोपी को ग्रामीणों ने मौके पर ही धर दबोचा और उसकी जमकर पिटाई कर दी। मामले की सूचना मिलते ही साहेबगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को भीड़ के चंगुल से छुड़ाकर अपनी गिरफ्त में ले लिया। ग्रामीणों की पिटाई से गंभीर रूप से घायल आरोपी का इलाज फिलहाल पुलिस अभिरक्षा में चल रहा है।

सूचना मिलते ही एसडीपीओ सरैया अभिजीत कौर और ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर खुद घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने वरिष्ठ पुलिस बल के साथ मिलकर घटनास्थल की नाकाबंदी कर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि अपराध के वैज्ञानिक और ठोस साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल की टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। टीम घटनास्थल से खून के नमूने और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्रित कर जांच के लिए संग्रह किया है, ताकि आरोपी को अदालत में सख्त से सख्त सजा दिलाई जा सके। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और इलाके में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

संगठन के राज्य काउंसिल की बैठक में आपदा मित्र प्रशिक्षण शिविर को लेकर सभापति ने दिए महत्वपूर्ण निर्देश

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स बनाएगा आपदा मित्र की फौज

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। बिहार राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की राज्य काउंसिल की बैठक राज्य मुख्यालय, बुद्ध मार्ग, पटना में सभापति उदय शंकर प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य राज्य आयुक्त राम कुमार सिंह सहित बिहार के विभिन्न जिलों से आए राज्य काउंसिल के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में आपदा प्रबंधन एवं आपदा के समय त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आपदा मित्र प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने के विषय को विशेष प्राथमिकता दी गई।

सभापति उदय शंकर प्रसाद सिंह ने संगठन के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि बिहार राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के माध्यम से आपदा मित्र प्रशिक्षण शिविर का आयोजन शीघ्र सुनिश्चित किया जाए। सभापति श्री सिंह ने

संगठन के राज्य काउंसिल की बैठक को संबोधित करते सभापति उदय शंकर प्र सिंह।

कहा कि बिहार में बाढ़, जलजमाव, अग्निकांड, आंधी-तूफान एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति को देखते हुए प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्काउट्स एवं गाइड्स के अनुशासन, सेवा भावना एवं प्रशिक्षण क्षमता को आपदा प्रबंधन से जोड़कर एक मजबूत स्वयंसेवी नेटवर्क तैयार किया जा सकता है। उन्होंने सभी जिलों से आपदा मित्र प्रशिक्षण में भाग लेने वाले योग्य एवं इच्छुक प्रतिभागियों की सूची अविलंब तैयार कर राज्य मुख्यालय को भेजने का निर्देश दिया, ताकि प्रशिक्षण शिविर के आयोजन की आगामी कार्रवाई समयबद्ध तरीके से पूरी की जा सके। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि प्रतिभागियों की सूची तैयार करते समय ऐसे स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स एवं वयस्क पदाधिकारियों को प्राथमिकता दी जाए, जो आपदा की स्थिति में राहत, बचाव, प्राथमिक सहायता, जन-जागरूकता एवं सामुदायिक सेवा में प्रभावी भूमिका निभा सकें। मुख्य राज्य आयुक्त राम कुमार सिंह ने भी आपदा मित्र प्रशिक्षण को संगठन की महत्वपूर्ण गतिविधि बताते हुए सभी जिला इकाइयों से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त स्वयंसेवक आवश्यकता के समय प्रशासन एवं आमजन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य कर सकते हैं।

सभापति ने स्पष्ट किया कि आपदा मित्र प्रशिक्षण शिविर के लिए प्रतिभागियों की सूची भेजने में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। साथ ही संबंधित जिला पदाधिकारियों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया। बैठक में राज्य संगठन को और अधिक सक्रिय एवं जनोपयोगी बनाने, युवाओं को सेवा कार्यों से जोड़ने तथा आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में स्काउट्स एवं गाइड्स की भूमिका को मजबूत करने पर भी विस्तार से चर्चा हुई।राज्य काउंसिल की बैठक में लिए गए इस निर्णय से बिहार में प्रशिक्षित स्वयंसेवकों का एक मजबूत नेटवर्क तैयार होने की उम्मीद है, जो आपदा की परिस्थितियों में राहत एवं बचाव कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

संक्षिप्त खबरें

सर्विस वायर जोड़ने गए मजदूर की करंट लगने से मौत, घर में पसरा मातम

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। बुधनगरा राधा गांव में करंट लगने से 35 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान डुमरी पंचायत के वार्ड नंबर एक की पंच सुषमा देवी के पुत्र सुरेश राम के रूप में हुई है। घटना शाम करीब चार बजे की बताई जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार दोपहर करीब तीन बजे बिजली के पोल से सुरेश के घर तक जाने वाला सर्विस वायर टूटकर जमीन पर गिर गया था। तार के टूटकर गिरने से जमीन पर करंट प्रवाहित हो रहा था। बारिश रुकने के बाद सुरेश टूटे हुए सर्विस वायर को जोड़ने के लिए गया। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद आसपास के लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के बाद गांव में भी मातम का माहौल है।

खेतलपुर पंचायत में 45 लाभुकों के बीच बासगीत पर्चा वितरित, जनसहयोग शिविर में कई मामलों का ऑन द स्पॉट निपटारा

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। औराई प्रखंड के खेतलपुर पंचायत में मंगलवार को जन सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पिछड़ा एवं अतिपिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की मंत्री रमा निषाद ने जनता अभियान बसेरा-02 के तहत 45 लाभुकों के बीच भूमि बंदोबस्ती पर्चा (बासगीत पर्चा) का वितरण किया। इस दौरान मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य भूमिहीन एवं जरूरतमंद परिवारों को आवास के लिए भूमि का अधिकार उपलब्ध कराना है। जनसहयोग शिविर के माध्यम से ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं को सुना गया तथा कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। संबंधित पदाधिकारियों ने लोगों की समस्याओं की जानकारी लेते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी रजनीश शंकर झा, अंचलाधिकारी धीरज कुमार, भाजपा मंडल अध्यक्ष कमलेश सहनी, रौशन शर्मा, महामंत्री राजीव कुमार, राम जी गुप्ता, राज कुमार पासवान, बसंत कुमार, मुखिया गणेश राय सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

संत रविदास जी की 650वीं जयंती पर भाजपा ने मंडल अध्यक्षों को सौंपी जन्मभूमि की पावन मिट्टी

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। मंगलवार को मालीघाट सरस्वती मंदिर प्रांगण में पूर्वी भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक कुमार की अध्यक्षता में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी का 650वां जयंती वर्ष समारोह पूर्वक मनाया गया। इस पावन अवसर पर संत शिरोमणि रविदास की जन्मभूमि से लाई गई पवित्र मिट्टी को कलश के माध्यम से सभी मंडल अध्यक्षों को सौंपा गया। कार्यक्रम में बिहार सरकार की मंत्री रमा निषाद, पूर्व एमएलसी गीता राम तथा प्रदेश से 20 सूत्री के सदस्य जगन्नाथ ठाकुर बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। ज़िला अध्यक्ष विवेक कुमार ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी का जीवन दर्शन समरसता, भ्रातृत्व और सर्वसमाज के कल्याण का प्रतीक है। उनकी जन्मभूमि से लाई गई यह पावन मिट्टी हमारे

भाजपा मंडल अध्यक्षों को संत रविदास की जन्मभूमि की मिट्टी सौपते पार्टी के नेतागण।

कार्यकताओं में सामाजिक सद्भाव और सेवा भावना का संचार करेगी। इस पवित्र मिट्टी को घर-घर और जन-जन तक पहुँचाकर संत रविदास जी के विचारों को आत्मसात करना ही हमारा परम लक्ष्य है। मंत्री रमा निषाद ने कहा कि गुरु रविदास जी ने समाज से कुरीतियों और भेदभाव को मिटाकर प्रेम और समानता का मार्ग दिखाया। हमारी सरकार और संगठन उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। इस 650वें जयंती वर्ष पर यह आयोजन हम सभी को सामाजिक न्याय और भ्रातृत्व की नई प्रेरणा प्रदान करता है। 20 सूत्री के प्रदेश सदस्य पूर्व महामंत्री जगन्नाथ ठाकुर ने कहा कि संत रविदास जी के विचार आज के युग में भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उनके समय में थे। पवित्र मिट्टी के कलश को मंडल अध्यक्षों को सौंपा, प्रतीक है कि संगठन वैचारिक रूप से अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है। हमें उनके सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाना होगा। आयोजन को सफल बनाने में संयोजक फेंकू राम, महामंत्री द्वय मनोज तिवारी व रवि शंकर कुशवाहा, सह संयोजक शंकर पासवान, ओमकार पासवान, बिकाऊ यादव, उपाध्यक्ष सह स्वागतकर्ता अरविंद सिंह, सह-स्वागतकर्ता परितोष सिंह, प्रदेश कार्यक्रम प्रभारी आनंद राम एवं देवांशु किशोर की प्रमुख भूमिका रही। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष अशोक झा, अंजना कुशवाहा, मंत्री कृष्णा महतो, रीतू आनंद, पूनम वर्मा, नन्द किशोर पासवान, कार्यालय मंत्री दिलिप कुमार, मीडिया सह कोषाध्यक्ष डॉ. साकेत शुभम ठाकुर, विधानसभा प्रभारी सतीश कुमार और अंकज सिंह उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय एक्ट 2026 के विरोध में छठे दिन रामदयालु सिंह कॉलेज में शिक्षकों ने किया धरना प्रदर्शन

मुजफ्फरपुर। राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के स्वायत्तता खात्मे संबंधी प्रस्तावित विश्वविद्यालय अधिनियम 2026 के विरोध में बिहार राज्य विश्वविद्यालय व महाविद्यालय शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी संघर्ष मोर्चा के चरणबद्ध संघर्षात्मक व आंदोलनात्मक कार्यक्रम के आह्वान के तहत छठे दिन मंगलवार को विश्वविद्यालय व कॉलेजों के शिक्षक एवं कर्मचारियों ने अपने-अपने

भाजपा मंडल अध्यक्षों को संत रविदास की जन्मभूमि की मिट्टी सौपते पार्टी के नेतागण।

कार्य स्थल पर एक जगह इकट्ठा होकर प्रस्तावित विधेयक के विरोध में नारे लगाए और एकजुटता का प्रदर्शन किया। रामदयालु सिंह महाविद्यालय में प्रदर्शन के दौरान डॉ रमेश प्रसाद गुप्ता, डॉ एम एन रजवी, डॉ अजमत अली, डॉ स्नेह लता, डॉ सौरभ राज, डॉ विकास कुमार, डॉ पंकज तिवारी, डॉ नेयाज अहमद, डॉ अनुपम कुमार, डॉ चंद्र किशोर झा, डॉ चौधरी संजय कुमार सिंह, प्रियंका दिक्षित, डॉ कृतिका वर्मा, डॉ स्नेह लता, डॉ मनीष कुमार शर्मा, डॉ ललित किशोर आदि ने विश्वविद्यालय अधिनियम के विरोध में नारे लगाए। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघर्ष मोर्चा के संयोजक मंडल के सदस्यगण डॉ सुनील कुमार सिंह, डॉ रमेश प्रसाद गुप्ता, प्रो ललन कुमार झा, श्री राजीव कुमार व श्री राम कुमार ने संघर्ष को गति प्रदान करने के लिए सबों के प्रति आभार प्रकट किया।

18 वर्षों के इंतजार के बाद मेहसौल में 100 बेड के अल्पसंख्यक छात्रावास का निर्माण शुरू

सीतामढ़ी (एनएसबी)। मेहसौल सहित पूरे क्षेत्र के लिए मंगलवार का दिन ऐतिहासिक और खुशी का रहा। वर्ष 2004 से लंबित अल्पसंख्यक छात्रावास निर्माण की योजना आखिरकार धरातल पर उतर गई। मेहसौल पूर्वी, नगर निगम के वार्ड संख्या-28 में करीब साढ़े 8 करोड़ रुपये की लागत से 100 बेड वाले अल्पसंख्यक छात्रावास के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मंगलवार को प्रस्तावित स्थल पर जमीन का सीमांकन एवं ले-आउट कराया गया।

सहायक निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण डॉ. सुनीता सोनू ने स्थल पर पहुंचकर निर्माण से संबंधित तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि छात्रावास भवन निर्माण को लेकर आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

साढ़े 8 करोड़ रुपये की आएगी लागत, वर्ष 2004 से लंबित थी योजना

लंबे इंतजार के बाद पूरी हुई उम्मीद

अल्पसंख्यक छात्रावास की यह योजना वर्ष 2004 से लंबित थी। करीब 18 वर्षों से विभिन्न स्तरों पर चल रही प्रक्रिया के बाद अब निर्माण कार्य शुरू होने से स्थानीय लोगों में खुशी की लहर है।

100 बेड के अल्पसंख्यक छात्रावास का निर्माण के लिए जमीन के सीमांकन एवं ले-आउट के दौरान मौजूद सहायक निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण डॉ. सुनीता सोनू एवं अन्य।

100 बेड वाला छात्रावास दूर-दराज के क्षेत्रों से आकर पढ़ाई करने वाले अल्पसंख्यक विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण आवासीय सुविधा उपलब्ध कराएगा। इससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलने के साथ उनकी पढ़ाई को भी बढ़ावा मिलेगा।

शिक्षा व विकास को मिलेगी नई दिशा

स्थानीय लोगों का कहना है कि साढ़े 8 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला 100 बेड का छात्रावास मेहसौल के विकास में महत्वपूर्ण अध्याय साबित होगा। इससे विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा मिलने के साथ क्षेत्र में शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल को भी बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई कि छात्रावास भवन का निर्माण गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समय-सीमा के भीतर करीब एक वर्ष में पूरा किया जाएगा। वर्षों से लंबित योजना के निर्माण की शुरूआत को लोगों ने क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि बताया है।

रहमानिया युवा एकता कमेटी ने जताया आभार

रहमानिया युवा एकता कमेटी, मेहसौल के जिलाध्यक्ष मो. अरमान अली ने छात्रावास निर्माण कार्य शुरू होने पर खुशी जताते हुए कहा कि वर्षों से लंबित इस महत्वपूर्ण योजना का धरातल पर उतरना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव और खुशी का विषय है। उन्होंने इसके लिए जिला प्रशासन एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को धन्यवाद देते हुए बधाई दी। उन्होंने कहा कि लंबे समय से चली आ रही मांग अब पूरी होने जा रही है। छात्रावास बनने से दूर-दराज के क्षेत्रों से पढ़ाई के लिए आने वाले विद्यार्थियों को रहने की सुविधा मिलेगी और उन्हें पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा।

सीमांकन एवं ले-आउट के दौरान रहमानिया युवा एकता कमेटी के जिलाध्यक्ष मो. अरमान अली, अल्पसंख्यक एकता मंच के जिलाध्यक्ष मो. मुतुर्जा, शेख मो. जियाउर्रहमान, मो. गुलाब, मो. अलीम उर्फ आरजू, मो. मजहर अली राजा, ई. तौकीर अनवर उर्फ सिकंदर, मो. अफरोज आलम, मो. कमर अख्तर, मो. आमिर मुख्तार उर्फ आरजू, वार्ड पार्षद मो. अताउल्लाह रहमानी समेत अन्य लोग मौजूद थे।

लोहिया कॉलेज में सजेगी बिसात, बिहार विवि अंतर-महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता कल से, जुटेंगे 15 कॉलेजों के धुरंधर

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय की खेल दुनिया में कल से एक नया रोमांच शुरू होने जा रहा है। डॉ राम मनोहर लोहिया स्मारक महाविद्यालय के तत्वावधान में आगामी 19 और 20 अगस्त 2026 को दो दिवसीय अंतर-महाविद्यालय शतरंज टूनार्मेंट का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले 15 विभिन्न महाविद्यालयों की पुरुष और महिला टीमें हिस्सा ले रही हैं। टूनार्मेंट में कुल 66 खिलाड़ी अपनी चालों से विरोधियों को मात देने उतरेंगे, जिनमें पुरुष वर्ग में 43 खिलाड़ी और महिला वर्ग में 23 खिलाड़ी भाग ले रहे है। दो दिनों का शेड्यूल के तहत टूनार्मेंट को दो मुख्य भागों में विभाजित किया गया है। 19 अगस्त को पहले दिन विभिन्न कॉलेजों की टीमों के बीच मुख्य टीम-इवेंट आयोजित किया जाएगा, जहाँ कॉलेज की प्रतिष्ठा के लिए खिलाड़ी बोर्ड पर भिड़ेंगे तथा 20 अगस्त को ट्रायल-इवेंट का आयोजन होगा। यह सत्र बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी ट्रायल के प्रदर्शन के आधार पर विश्वविद्यालय की आधिकारिक चेस टीम का चयन किया जाएगा, जो आगे राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करेगी। आयोजन को ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए लोहिया कॉलेज प्रशासन पूरी ताकत से जुटा हुआ है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मनोज कुमार और खेल संयोजक डॉ. अब्दुल अजीज टिके की देखरेख में इनडोर हॉल की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।प्राचार्य प्रो. मनोज कुमार ने बताया कि कॉलेज के लिए यह बेहद गौरव का क्षण है और खिलाड़ियों को बेहतरीन माहौल देने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। खेल संयोजक डॉ. अब्दुल अजीज टिके ने कहा कि इस प्रतियोगिता से विश्वविद्यालय को बेहतरीन चेस मास्टर मिलेंगे जो आगे चलकर यूनिवर्सिटी का नाम रोशन करेंगे।

माता की रसोई में 80 जरूरतमंदों को कराया गया भोजन

सीतामढ़ी (एनएसबी)। सिद्धपीठ श्री माता वैष्णो देवी मंदिर सीतामढ़ी धाम में मंगलवार, 18 अगस्त 2026 को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अगस्त माह के तीसरे मंगलवार को माता की रसोई का आयोजन किया गया। इस दौरान करीब 80 जरूरतमंदों को श्रद्धापूर्वक भरपेट भोजन कराया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत संध्या 7:30 बजे परम मंगलमयी माता श्री की विशेष पूजा-अर्चना एवं संध्या आरती से हुई। इसके बाद माता श्री को चावल, दाल, आलू-चने एवं परवल की रसेदार सब्जी तथा भुना हुआ मिर्च का भोग अर्पित किया गया। भोग के उपरांत मंदिर अतिथि गृह में पांत में बैठाकर करीब 80 जरूरतमंदों को श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया। माता श्री की प्रेरणा से जरूरतमंदों की सेवा मेसर्स दवावाला बीजवाला, स्टेशन रोड, सीतामढ़ी के प्रोपराइटर सुजय कुमार पप्पू एवं सेवा मंडल के

माता की रसोई में जरूरतमंदों को भोजन कराते मंदिर एवं सेवा मंडल के सदस्य।

सदस्यों द्वारा की गई। कार्यक्रम में मां वैष्णो देवी सेवा मंडल के महासचिव एवं भाजपा नेता राजीव कुमार राजा, सेवा मंडल के सदस्य एवं समाजसेवी अमित कुमार रवि, समाजसेवी रोहित कुमार तथा सुजय कुमार पप्पू के सुपुत्र शेखर सौरभ की सक्रिय सहभागिता रही। मंदिर समिति के सदस्यों ने कहा कि माता की रसोई का उद्देश्य जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन उपलब्ध कराना और सेवा के माध्यम से सामाजिक समरसता का संदेश देना है। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं एवं सेवा मंडल के सदस्यों ने सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मसाज-ब्यूटी पार्लरों में देह व्यापार का खुलासा

अंतरराज्यीय रैकेट से जुड़े तार, सिलीगुड़ी पुलिस से संपर्क

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। शहर के मसाज और ब्यूटी पार्लरों में देह व्यापार के धंधे का पदार्फाश होने के बाद गिरफ्तार संचालिका समेत 11 महिलाएं और एक संचालक से पूछताछ में पुलिस को कई अहम जानकारियां मिली हैं। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने इस पूरे मामले के तार अंतरराज्यीय रैकेट से जुड़े होने की आशंका जताई है। मामले की जांच को आगे बढ़ाते हुए जिला पुलिस ने सिलीगुड़ी पुलिस से संपर्क किया है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों में जलपाईगुड़ी इलाके की दो महिलाएं भी शामिल हैं। इनके संबंध में पूर्व का आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य गतिविधियों की जानकारी जुटाने के लिए सिलीगुड़ी पुलिस से संपर्क किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क का संचालन कहां-कहां तक फैला हुआ है और इसमें और कौन लोग शामिल हैं। पुलिस ने आरोपितों के ठिकानों से 11 मोबाइल फोन के अलावा कई आपत्तिजनक सामान बरामद किए थे। मोबाइल फोन के कॉल डिटेल की जांच में मसाज पार्लरों में कथित देह व्यापार से जुड़े कई संदिग्ध लोगों और नियमित रूप से वहां आने वाले ग्राहकों के नंबर मिलने की बात सामने आई है। पुलिस इन नंबरों और संपर्कों की जांच कर आगे की कार्रवाई कर रही है। पूछताछ में यह भी जानकारी मिली है कि स्टेशन समेत शहर के अन्य स्थानों से लड़कियों को कथित तौर पर जाल में फंसाकर संबंधित ठिकानों तक पहुंचाया जाता था। इस प्रक्रिया में आधे दर्जन से अधिक लोगों की संलिप्तता सामने आने की बात पुलिस ने कही है। इन संदिग्धों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर रही हैं। मामले की शुरूआत पानापुर करियात इलाके से अपहृत एक किशोरी समेत दूसरी किशोरी की बरामदगी के बाद हुई थी। पुलिस के अनुसार, मुक्त कराई गई किशोरी ने पूछताछ में गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद शहर के विभिन्न मसाज और ब्यूटी पार्लरों पर छापेमारी कर कथित देह व्यापार के नेटवर्क का खुलासा किया गया।

मामले में संजय साह, पूनम देवी, सरैया की सोनी देवी, जलपाईगुड़ी की रीना देवी और माया देवी, सीतामढ़ी महिंदवाड़ा की सुलेखा कुमारी, बिला दास, पारू की सुमंती देवी, कुढ़नी की मजीर्ना खातून, पारू की चिंता देवी, सकरा की किरण देवी और काजीमोहम्मदपुर थाना क्षेत्र की पूजा देवी के नाम सामने आए हैं।

मामले को लेकर नगर और काजीमोहम्मदपुर थाने में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। पुलिस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश और उनकी भूमिका की जांच में जुटी है।

नदी में स्नान के दौरान अधेड़ की डूबने से मौत

रोते-बिलखते मृतक के परिजन।

बैरगनिया/सीतामढ़ी (एनएसबी)। लालबकैया नदी के फुलवरिया घाट पर मंगलवार को स्नान करने के दौरान पैर फिसलने से गहरे पानी में चले जाने के कारण एक अधेड़ की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान पचटकी राम गांव निवासी स्व. भोला महतो के 56 वर्षीय पुत्र हरेंद्र महतो के रूप में हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हरेंद्र महतो मंगलवार को नदी के समीप स्थित खेत में सोहनी का काम कर रहे थे। काम समाप्त करने के बाद वे स्नान करने के लिए लालबकैया नदी में गए। इसी दौरान पैर फिसलने से वे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने उन्हें पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही अपर थानाध्यक्ष अनुराग कुमार, एएसआई एसके सिंह, नसीर अहमद सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीतामढ़ी सदर अस्पताल भेज दिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। बताया गया कि हरेंद्र महतो के पांच पुत्र एवं एक पुत्री हैं। उनकी पत्नी का भी वर्षों पूर्व निधन हो चुका था।

स्व. रंजीत कुमार सिंह स्मृति में होगी 1600 मीटर दौड़ प्रतियोगिता

सीतामढ़ी (एनएसबी)। रेडक्रॉस सभागार में मंगलवार को सीतामढ़ी एथलेटिक्स एसोसिएशन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि स्वर्गीय रंजीत कुमार सिंह की स्मृति में आगामी 27 दिसंबर 2026 को 1600 मीटर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता डुमरा हवाई अड्डा मैदान में होगी।

प्रतियोगिता में 14 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिका तथा 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के पुरुष एवं महिला प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे। प्रतियोगिता के लिए पंजीयन 1 सितंबर से 31 अक्टूबर 2026 तक कराया जा सकेगा। प्रतिभागी

बैठक में उपस्थित सीतामढ़ी एथलेटिक्स एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्य।

ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से पंजीयन करा सकेंगे। ऑनलाइन पंजीयन के लिए सीतामढ़ी एथलेटिक्स एसोसिएशन की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट सीतामढ़ीएथलेटिक्स डॉट कॉम पर आवेदन किया जा सकता है। वहीं, ऑफलाइन पंजीयन के लिए एमपी हाई स्कूल, डुमरा में त्रिपुरारी जी से संपर्क किया जा सकता है।

सीतामढ़ी एथलेटिक्स एसोसिएशन की बैठक में निर्णय, 27 दिसंबर को होगी प्रतियोगिता

प्रतियोगिता के लिए चेस्ट नंबर का वितरण 12 दिसंबर 2026 को दोपहर एक बजे से तीन बजे तक किया जाएगा। बैठक में प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर आवश्यक तैयारियों एवं व्यवस्थाओं पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में आशीष कुमार, विकास कुमार, प्रशांत, प्रसून, बिट्टू कुमार, विकास पासवान एवं दिलीप कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। एसोसिएशन के सचिव संजीव कुमार ने बताया कि स्वर्गीय रंजीत कुमार सिंह की स्मृति में इस प्रतियोगिता का आयोजन प्रत्येक वर्ष किया जाएगा। इसका उद्देश्य उनकी स्मृति को जीवंत रखते हुए प्रत्येक वर्ष उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करना है। साथ ही प्रतियोगिता के माध्यम से जिले के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

सम्पादकीय

विद्यार्थियों की आवाज बनेगा 'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल'

शिक्षा केवल किताबों, कक्षाओं और परीक्षाओं तक सीमित व्यवस्था नहीं है। इसके केंद्र में विद्यार्थी हैं और किसी भी शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक गुणवत्ता का आकलन इस बात से किया जा सकता है कि वह विद्यार्थियों की समस्याओं को कितनी गंभीरता से सुनती है और उनके समाधान के लिए कितनी संवेदनशीलता से काम करती है। इसी दृष्टि से राज्य में शुरू किया गया 'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा सकता है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा पटना में पोर्टल के शुभारंभ के साथ विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक समस्याओं और सुझावों को ऑनलाइन दर्ज कराने का एक सुगम माध्यम उपलब्ध कराया गया है। यह पहल केवल तकनीक का इस्तेमाल भर नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों और प्रशासन के बीच संवाद को मजबूत करने की कोशिश भी है। यदि इस व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू किया गया और शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हुआ, तो आने वाले समय में यह शिक्षा प्रशासन की कार्यप्रणाली में सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी कमियों को सबसे करीब से विद्यार्थी ही महसूस करते हैं। कक्षा में पढ़ाई का वातावरण कैसा है, पुस्तकालय और प्रयोगशालाओं की स्थिति कैसी है, छात्रावासों में किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, परीक्षा और शैक्षणिक गतिविधियों में क्या समस्याएं आती हैं , इन सवालों का वास्तविक अनुभव विद्यार्थियों के पास होता है।

ऐसे में विद्यार्थियों से सीधे सुझाव लेना महज शिकायतों की संख्या बढ़ाने की प्रक्रिया नहीं होनी चाहिए। यह शिक्षा व्यवस्था को नीचे से ऊपर तक समझने का अवसर है। विद्यार्थी सहयोग पोर्टल इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि विद्यार्थी अपनी समस्या के साथ शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए अपना सुझाव भी दे सकेंगे। यह सोच शिक्षा व्यवस्था को अधिक सहभागी बनाने की दिशा में कदम है। किसी नीति की सफलता केवल उसे बनाने में नहीं, बल्कि उसके वास्तविक लाभार्थियों की आवाज को उसमें स्थान देने में होती है।

किसी भी ऑनलाइन शिकायत प्रणाली की सबसे बड़ी चुनौती उसका संचालन और शिकायतों का निस्तारण होती है। पोर्टल शुरू करना अपेक्षात आसान कार्य है, लेकिन उस पर आने वाली शिकायतों को गंभीरता से लेना, सही विभाग तक पहुंचाना, उनकी जांच करना और निर्धारित समय में समाधान उपलब्ध कराना वास्तविक परीक्षा है। यदि विद्यार्थी अपनी समस्या दर्ज करने के बाद लंबे समय तक जवाब की प्रतीक्षा करते रहें, तो धीरे-धीरे उनका विश्वास कमजोर हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि पोर्टल पर शिकायत दर्ज होने के बाद उसकी पूरी प्रक्रिया पारदर्शी हो। विद्यार्थी यह जान सकें कि उनकी शिकायत किस स्तर पर है, किस विभाग को भेजी गई है और उस पर क्या कार्रवाई हुई है। इसी तरह उचित शिकायतों और सुझावों को केवल आंकड़ों में बदलने के बजाय उनसे प्राप्त निष्कर्षो का इस्तेमाल शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए किया जाना चाहिए।

पोर्टल की एक सकारात्मक विशेषता यह है कि विद्यार्थियों को सुझाव देने का अवसर मिलेगा। हर सुझाव को लागू करना संभव नहीं हो सकता और न ही हर सुझाव व्यावहारिक या वित्तीय दृष्टि से उपयुक्त होगा। इसलिए सुझावों का विशेषज्ञतापूर्ण और निष्पक्ष मूल्यांकन आवश्यक है। जो सुझाव मौजूदा योजनाओं के माध्यम से लागू किए जा सकते हैं, उन्हें निर्धारित अवधि में लागू करने की व्यवस्था है। वहीं व्यापक नीतिगत बदलाव से जुड़े सुझावों पर उच्चस्तरीय शिक्षा सुधार समिति विचार करेगी। यह व्यवस्था तभी सार्थक होगी जब सुझावों का मूल्यांकन पूर्वाग्रह से मुक्त होकर किया जाए और उपयोगी सुझावों को परिणाम तक पहुंचाया जाए। यह भी जरूरी है कि विद्यार्थियों को केवल यह न बताया जाए कि उनका सुझाव स्वीकार हुआ या नहीं, बल्कि जहां संभव हो, उसके पीछे का कारण भी स्पष्ट किया जाए। इससे विद्यार्थियों में जिम्मेदार भागीदारी की भावना विकसित होगी।

विद्यार्थी सहयोग पोर्टल के दायरे में विश्वविद्यालयों, अंगीभूत महाविद्यालयों, अभियंत्रण महाविद्यालयों, चिकित्सा महाविद्यालयों, पॉलिटेक्निक, आईटीआई, पैरामेडिकल महाविद्यालयों, नर्सिंग स्कूलों और सिमुलतला आवासीय विद्यालय जैसे संस्थानों को शामिल किया गया है। इसके साथ विभिन्न कल्याण विभागों के छात्रावास, कस्तूरबा गांधी छात्रावास तथा समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित नेत्रहीन एवं मूकबधिर विद्यालय भी इसके दायरे में हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि पोर्टल को केवल उच्च शिक्षा तक सीमित न रखकर विभिन्न सरकारी शैक्षणिक संस्थानों और छात्रावासों की समस्याओं से जोड़ने की कोशिश की गई है।

सरकारी शिक्षा भी गरीब के बजट से बाहर

प्रभात कुमार

आज देश में शिक्षा की सबसे बड़ी सच्चाई एक फीस की रसीद में छिपी है। सरकारी स्कूल में दाखिले के लिए 5 हजार का विकास शुल्क, सरकारी मेडिकल कॉलेज में 1.2 लाख सालाना, केंद्रीय विश्वविद्यालय के हॉस्टल में 80 हजार। शिक्षा जो कभी मौलिक अधिकार थी, अब किश्तों पर बिकने वाला उत्पाद बन गई है। और सबसे बड़ा धोखा यह है कि अब सरकारी शिक्षा भी गरीबों के लिए बोझ बन गई है।

पिछले तीन दशकों में शिक्षा का चरित्र पूरी तरह बदल गया है। 1991 से 2014 तक कांग्रेस शासन में निजीकरण की नींव पड़ी। 2014 से अब तक भाजपा शासन में उस नींव पर एक पूरा बाजार खड़ा कर दिया गया। नतीजा दोनों काल में एक ही निकला - शिक्षा अमीर की विरासत बन गई और गरीब के लिए सपना।

1991 में उदारीकरण के साथ शिक्षा को भी सेवा क्षेत्र मान लिया गया। कांग्रेस शासन में 1993 के टीएमए पाई फाउंडेशन केस के बाद निजी मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों को फीस तय करने की छूट मिली। 2002 में पी.ए. इनामदार केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निजी संस्थान अनुचित फीस नहीं ले सकते। इसी दौर में कैपिटेशन फीस का चलन शुरू हुआ। 2009 में आरटीई कानून आया। यह कांग्रेस की सबसे बड़ी उपलब्धि थी। 6 से 14 साल तक मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा। कागज पर क्रांतिकारी था, जमीन पर इसके लिए बजट नहीं मिला। 2004 में शिक्षा पर खर्च जीडीपी का 3.1 प्रतिशत था जो 2014 में घटकर 2.8 प्रतिशत रह गया।

इस कमी को निजी क्षेत्र ने भरा। 2004 से 2014 के बीच निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या 1200 से बढ़कर 3300 हो गई। मेडिकल कॉलेज 250 से 387। फीस बढ़ी पर सरकारी कॉलेज अब भी सस्ते थे। 2010 में आईआईटी की सालाना फीस 50 हजार थी। केंद्रीय विश्वविद्यालय में पूरे साल का खर्च 20 हजार से अधिक नहीं था। गरीब का बच्चा कर्ज लेकर भी सरकारी कॉलेज पहुंच सकता था।

2014 के बाद तस्वीर तेजी से बदली। भाजपा सरकार ने एनईपी 2020 लाकर शिक्षा को बाजार के हवाले कर दिया। नाम था गुणवत्ता और स्वायत्तता। असर हुआ फीस और फंड पर। शिक्षा मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि 2014 से 2024 के बीच केंद्रीय विश्वविद्यालयों की फीस औसतन 200 प्रतिशत बढ़ी। दिल्ली विश्वविद्यालय में 2014 में बीए की फीस 5 हजार सालाना थी जो 2024 में 18 हजार हो गई। हॉस्टल और मेस मिलाकर एक साल का खर्च 1 लाख के पार। 2019 में जेएनयू में हॉस्टल फीस बढ़ोतरी को लेकर महीनों आंदोलन चला। सरकार को पीछे हटना पड़ा लेकिन संदेश साफ था - सब्सिडी का युग खत्म।

आईआईटी की हालत और खराब है। 2013 में आईआईटी की ट्यूशन फीस 90 हजार थी। 2016 में इसे बढ़ाकर 3 लाख कर दिया गया। एससी, एसटी और जिनकी सालाना आय 1 लाख से कम है उन्हें छूट मिली। लेकिन ओबीसी और सामान्य वर्ग का गरीब छात्र बीच में फंस गया। जिसके पिता की आय 5 लाख है उसे पूरी फीस देनी है। बैंक से लोन लो और 8 से 10 प्रतिशत ब्याज के साथ चुकाओ। नतीजा यह कि 2024 में आईआईटी में दाखिला लेने वाले छात्रों में ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों की संख्या 2014 के मुकाबले 7 प्रतिशत गिर गई।

सबसे बड़ा झटका मेडिकल शिक्षा को लगा। 2014 में देश में 387 मेडिकल कॉलेज थे। अगस्त 2025 में यह संख्या 706 है। इनमें 386 निजी हैं। सरकारी मेडिकल कॉलेजों की फीस भी अब निजी जैसी हो गई। मध्य प्रदेश के एक सरकारी मेडिकल कॉलेज में 2014 में फीस 28 हजार थी जो 2024 में 1.22 लाख हो गई। राजस्थान में 25 हजार से बढ़कर 95 हजार। नीट यूजी 2024 में 24 लाख अभ्यर्थी थे। सरकारी कॉलेज में एमबीबीएस की सीट 55 हजार के आसपास। बाकी या तो 50 लाख से 1 करोड़ देकर निजी में जाएं या सपना छोड़ दें।

स्कूल शिक्षा में भी यही कहानी है। कांग्रेस के समय आरटीई आया। भाजपा के समय एनईपी। आरटीई में 25 प्रतिशत सीट गरीब बच्चों के लिए आरक्षित थीं। एनईपी में स्कूल कॉम्प्लेक्स और पब्लिक स्कूल पार्टनरशिप का मॉडल आया। इसका सीधा मतलब सरकारी स्कूल को भी प्राइवेट की तरह चलाना। नतीजा यह कि दिल्ली, राजस्थान, महाराष्ट्र के कई सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लास शुल्क, डिजिटल फीस, विकास शुल्क के नाम पर 3 हजार से 8 हजार सालाना वसूले जा रहे हैं। यूडीआईएसई 2021-22 की रिपोर्ट कहती है कि सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले 40 प्रतिशत से अधिक बच्चों के माता-पिता को ट्यूशन, किताब और यूनिफार्म पर सालाना 10 हजार से 15 हजार खर्च करना पड़ रहा है।

यही कारण है कि ड्रापआउट बढ़ रहा है। एएसईआर 2023 के अनुसार 14 से 18 साल के 32.5 प्रतिशत युवा स्कूल से बाहर हैं। 2018 में यह आंकड़ा 25.6 प्रतिशत था। लड़कियों में ड्रापआउट 2018 में 13.5 प्रतिशत था जो 2023 में 17.9 प्रतिशत हो गया। 60 प्रतिशत माता-पिता का कहना है पढ़ाई का खर्च नहीं उठा सकते।

जब सरकारी सस्ती नहीं रही तो कोचिंग का बाजार फला-फूला। 2005 में कोटा में 20 कोचिंग संस्थान थे। 2025 में 150 से अधिक। पूरा उद्योग 2.2 लाख करोड़ का हो चुका है। नीट की तैयारी 3 से 5 लाख, जेईई की 2 से 4 लाख, सीयूईटी की 50 से 70 हजार। सीयूईटी 2022 में भाजपा सरकार ने लाया। मकसद था एकरूपता। हुआ यह कि अब सीयूईटी की भी कोचिंग होने लगी। 2023 में सीयूईटी देने वाले 16 लाख छात्रों में 68 प्रतिशत शहरी थे। ग्रामीण छात्र अंग्रेजी और ऑनलाइन माध्यम से पहले ही दिन बाहर।

सरकार के प्रयोगों ने आग में घी डाला। एनईपी 2020 ने 4 साल की डिग्री कर दी। मतलब एक साल की फीस और खर्च अतिरिक्त। अग्निवीर योजना आई तो 17 साल पढ़ने के बाद 4 साल की नौकरी का डर बैठ गया। नीट और बीपीएससी में पेपर लीक हुए। जून 2024 में नीट का पेपर लीक हुआ तो 23 लाख छात्रों का भविष्य अधर में। देश के कई शहरों में छात्र सड़क पर थे। मांग थी पारदर्शिता और दोबारा परीक्षा।

तुलना करें तो कांग्रेस काल में समस्या निजीकरण की शुरुआत थी। सरकार ने आंख मूंद ली थी। भाजपा काल में समस्या निजीकरण का संस्थागत होना है। सरकार खुद उसे बढ़ावा दे रही है। कांग्रेस के समय सरकारी शिक्षा सस्ती थी। भाजपा के समय सरकारी भी महंगी हो गई। दोनों सरकारों ने शिक्षा का बजट कम रखा। संयुक्त राष्ट्र का लक्ष्य जीडीपी का 6 प्रतिशत है। कांग्रेस ने 10 साल में कभी 3.1 प्रतिशत से ऊपर नहीं जाने दिया। भाजपा ने 11 साल में कभी 3 प्रतिशत नहीं छुआ। 2024-25 के बजट में शिक्षा के लिए 1.28 लाख करोड़। यह कुल बजट का 2.5 प्रतिशत है। रक्षा के लिए 6.21 लाख करोड़।

इसका नतीजा कर्ज और आत्महत्या में दिख रहा है। भारतीय बैंक संघ के अनुसार मार्च 2024 तक शिक्षा लोन 1.17 लाख करोड़ तक पहुंच गया। डिफाल्ट रेट 14.5 प्रतिशत। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार 2021 से 2023 के बीच कोटा में 17 छात्रों ने आत्महत्या की। अधिकांश ने सुसाइड नोट में लिखा फीस का दबाव।

सबसे खतरनाक बात यह है कि अब गरीबी की परिभाषा बदल गई है। पहले गरीब वह था जिसके पास रोटी नहीं थी। अब गरीब वह है जिसके पास फीस नहीं है। एक मध्यम वर्गीय परिवार भी शिक्षा के खर्च से टूट रहा है। दो बच्चे हैं। एक की इंजीनियरिंग 12 लाख, दूसरे की मेडिकल 1 करोड़। घर बेचें या सपना मारें।

समाधान क्या है शिक्षा को बाजार नहीं, निवेश मानना होगा। बजट को 6 प्रतिशत करना होगा। सरकारी स्कूलों में 11 लाख शिक्षकों के खाली पद भरने होंगे। निजी कॉलेजों की फीस पर कानूनी सीमा तय करनी होगी। कोचिंग उद्योग के लिए नियामक संस्था बनानी होगी। छात्रवृत्ति को आय से जोड़ना होगा, न कि केवल जाति से।

कांग्रेस ने इसकी शुरुआत की पर उसे पूरा नहीं किया। भाजपा ने उसे बाजार बना दिया। दोनों ने मिलकर एक पीढ़ी का भरोसा तोड़ दिया है।

आज देश के कोने-कोने से एक ही सवाल उठ रहा है। भारत को महाशक्ति बनना है तो पहले अपने बच्चों को पढ़ाना होगा। और पढ़ाना है तो सस्ता करना होगा। वरना आने वाले सालों में भी हम यही लिखते रहेंगे कि इस देश में किताबें सस्ती थीं, सपने महंगे हो गए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार हैं।)
(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आंकड़ों में शिक्षा का संकट

शिक्षा पर खर्च : 2004 में जीडीपी का 3.1:, 2024-25 में 2. 5 प्रतिशत
फीस में उछाल : आईआईटी 90 हजार से 3 लाख। डीयू बीए 5 हजार से 18 हजार। सरकारी मेडिकल एमपी 28 हजार से 1. 22 लाख
ड्रॉपआउट : 14-18 आयु वर्ग में 32. 5 प्रतिशत युवा स्कूल से बाहर - असर 2023
कोचिंग बाजार : अनुमानित 2.2 लाख करोड़। नीट पैकेज 3-5 लाख
शिक्षा लोन : 1.17 लाख करोड़, डिफल्ट 14.5 प्रतिशत
शिक्षक कमी : सरकारी स्कूलों में 11 लाख से अधिक पद खाली।

दो सरकारें, एक नतीजा

कांग्रेस 2004-2014 : आरटीई कानून, निजीकरण को कानूनी मंजूरी, सरकारी फीस अपेक्षाकृत कम। बजट 3 प्रतिशत से नीचे। कमी : संसाधन नहीं दिए।
भाजपा 2014-2025 : एनईपी, सीयूईटी, 4 वर्षीय डिग्री, फीस में भारी बढ़ोतरी, सरकारी संस्थान भी महंगे। बजट 3 प्रतिशत से नीचे। कमी : बाजार को संस्थागत किया।
निष्कर्ष : दोनों ने 6 प्रतिशत का वादा किया, दोनों चूके। गरीब आज भी शिक्षा से बाहर है।

इनवेस्को म्यूचुअल फंड ने लान्च किया 'इनवेस्को इंडिया फार्मा एंड हेल्थकेयर फंड'

इनवेस्को म्यूचुअल फंड ने इनवेस्को इंडिया फार्मा एंड हेल्थकेयर फंड लान्च करने की घोषणा की। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो फार्मा, हेल्थकेयर और इससे जुड़े क्षेत्रों में निवेश करेगी।

यह फंड भारत के तेजी से विकसित हो रहे हेल्थकेयर इकोसिस्टम में मौजूद अवसरों का लाभ उठाने का प्रयास करेगा। भारत में अनुकूल जनसांख्यिकी, स्वास्थ्य सेवाओं तक बढ़ती पहुंच, स्वास्थ्य बीमा की बढ़ती पहुंच, वैश्विक फार्मास्युटिकल क्षेत्र में भारत की मजबूत होती भूमिका तथा हेल्थकेयर और लाइफ साइंसेज में नवाचार आधारित अवसर इस क्षेत्र के विकास को गति दे रहे हैं।

यह स्कीम फार्मास्युटिकल कंपनियों, अस्पतालों, डायगोस्टिक्स, कन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गनाइजेशन (सीडीएमओ), कन्ट्रैक्ट रिसर्च अर्गनाइजेशन (सीआरओ), मेडिकल डिवाइसेज, हेल्थकेयर सेवाओं, बीमा तथा हेल्थकेयर से जुड़े अन्य क्षेत्रों में निवेश करेगी।

भारत आज वैश्विक हेल्थकेयर इकोसिस्टम में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। देश को बड़े बाजार, कुशल प्रतिभाओं, मजबूत मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं और तेजी से बढ़ते इनोवेशन नेटवर्क का लाभ मिल रहा है। स्वास्थ्य क्षेत्र पर बढ़ता खर्च, बुजुर्ग आबादी में वृद्धि, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों में बढ़ोतरी, हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज का विस्तार, हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास और वैश्विक कंपनियों द्वारा भारत को आउटसोर्सिंग केंद्र के रूप में बढ़ती प्राथमिकता जैसे कारकों से हेल्थकेयर वैल्यू चेन में लंबे समय के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

एनएफओ 18 अगस्त 2026 को खुला, 1 सितंबर 2026 को होगा बंद

इस फंड का प्रबंधन आदित्य खेमानी करेंगे। इसका बेंचमार्क बीएसई हेल्थकेयर टीआरआई होगा।

लान्च के अवसर पर इनवेस्को म्यूचुअल फंड के हेड ऑफ इक्विटी एवं फंड मैनेजर आदित्य खेमानी ने कहा, भारत का हेल्थकेयर सेक्टर संरचनात्मक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। अनुकूल जनसांख्यिकी और बढ़ती वहनीयता के कारण देश में हेल्थकेयर सेवाओं की खपत बढ़ रही है। साथ ही, भारत वैश्विक फार्मास्युटिकल और हेल्थकेयर इनोवेशन हब के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। हमें घरेलू फार्मा, अस्पतालों, डायगोस्टिक्स, सीडीएमओ और उभरते हेल्थकेयर सेगमेंट में आकर्षक अवसर दिखाई दे रहे हैं, जिन्हें आने वाले कई वर्षों के विकास चक्र से लाभ मिल सकता है। हमारा निवेश ष्टिकोण ऐसे गुणवत्तापूर्ण कारोबारों की पहचान पर केंद्रित रहेगा, जिनके पास टिकाऊप्रतिस्पर्धात्मक बढ़त और हेल्थकेयर इकोसिस्टम में मजबूत विकास संभावनाएं हैं।

एनएफओ के दौरान न्यूनतम एकमुश्त निवेश राशि 1,000 होगी और इसके बाद 1 के गुणक में निवेश किया जा सकेगा। एसआईपी निवेश के लिए न्यूनतम आवेदन राशि 100 होगी और इसके बाद 1 के गुणक में निवेश किया जा सकेगा।

आवंटन की तारीख से 3 महीने के भीतर या उसी दिन यूनिट्स को रिडीम स्विच आउट करने पर 0. 50 प्रतिशत एग्जिट लोड लगेगा। 3 महीने के बाद यूनिट्स को रिडीम या स्विच आउट करने पर कोई एग्जिट लोड नहीं लिया जाएगा।

न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) में आज, 18 अगस्त 2026 से निवेश के लिए आवेदन किया जा सकता है और यह 1 सितंबर 2026 को बंद होगा।

पीएनजी ज्वेलर्स की ओर से हर महिला के लिए कंटेम्प्ररी डिजाइन के साथ वार्षिक मंगलसूत्र महोत्सव का आयोजन

भारत में विवाह समारोह में सबसे पवित्र प्रतीकों में माना जानेवाला मंगलसूत्र के महत्व का उत्सव मनाते हुए पीएनजी ज्वेलर्स ने अपने बहुप्रतीक्षित मंगलसूत्र महोत्सव की घोषणा की है यह महोत्सव अगस्त से सितंबर तक भारत भर के सभी पीएनजी ज्वेलर्स शोरूम्स में आयोजित किया जाएगा। इस वार्षिक महोत्सव में अब तक का सबसे विस्तृत मंगलसूत्र कलेक्शन प्रस्तुत किया जाएगा। यह कलेक्शन आधुनिक भारतीय महिलाओं की बदलती पसंद को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है और पारंपरिक ज्वेलरी के महत्व को भी बनाए रखा गया है।

पिछले कुछ वर्षो से मंगलसूत्र महोत्सव पीएनजी ज्वेलर्स की प्रमुख वार्षिक उपक्रमों में से एक बन चुका है। इस महोत्सव में ग्राहकों के लिए पारंपरिक, आधुनिक और लाइटवेट मंगलसूत्रों की विस्तृत श्रृंखला पेश की जाती है । यह मंगलसूत्र त्योहारों के साथ-साथ रोज के लिए भी उपयुक्त हैं । इस वर्ष का कलेक्शन ग्राहकों की बदलती पसंद को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जिसमें आकर्षक सोने का मंगलसूत्र, सलिटेयर इंस्पायर्ड डायमंड स्टाइल्स, मिनिमलिस्ट डेली वियर डिजाइन्स और

परंपरागत सोने के मंगलसूत्रों से लेकर आधुनिक डायमंड डिजाइनों तक, यह वार्षिक महोत्सव परंपरा और सुंदरता का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है

परंपरा के साथ व्यक्तित्व के लिए ज्वेलरी शामिल हैं।

सभी आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं की पसंद-नापसंद को ध्यान में रखकर तैयार किए गए इस महोत्सव में पति और परिवारों की आवश्यकताओं का भी विशेष ध्यान रखा गया है, जो श्रावण के शुभ अवसर पर गहनों का कोई खास तोहफा देना चाहते हैं । उत्कृष्ट कारीगरी से कोई समझौता किए बिना किफायती दाम पर ज्वेलरी उपलब्ध कराने वाला यह फेस्टिवल ग्राहकों को उनके स्टाइल, पर्सनैलिटी और बजट के हिसाब से कई तरह के डिजाइन चुनने का मौका देता है

इस महोत्सव के तहत ग्राहक मंगलसूत्र के आभूषणों पर मेकिंग चार्जेस केवल 7.99 प्रतिशत से मिल रहा है । यह विशेष छूट सितंबर तक सीमित है, यह प्रेम और कटिबद्धता का शाश्वत प्रतीक रहे इस ज्वेलरी में निवेश करने का एक उत्कृष्ट अवसर है।

प्रवचन

मानव जीवन में गृहस्थ आश्रम ही सर्वश्रेष्ठ : जीयर स्वामी

शास्त्रानुसार भतीजा भी पुत्र ही है

गृहस्थ जीवन में छह सुख हैं मानक

मानव जीवन में गृहस्थ आश्रम से महत्वपूर्ण कोई आश्रम नहीं है। यह आश्रम गृहस्थ को धर्म अर्थ, काम और मोक्ष चारों पुरूषार्थ-फल प्राप्त कराता है। गृहस्थ जीवन में रहकर भी भगवान का सान्निध्य सुगमता पूर्वक प्राप्त किया जा सकता है। समाज में अधिक संख्या गृहस्थों की है। जो गृहस्थ अपने को परमात्मा से जोड़ना चाहता है, उसे शास्त्र-वर्जित आहार-व्यवहार नहीं अपनाना चाहिए। जिस गृहस्थ के घर में छह प्रकार के सुख नहीं हैं, वह गृहस्थ कहलाने का अधिकारी नहीं है। गृहस्थ आश्रम से भिन्न ब्रह्मचर्य आश्रम और संन्यास आश्रम का पालन करना कठिन है। उपरोक्त बातें श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी ने चंदवा चातुर्मास्य यज्ञ में प्रवचन करते हुए कहीं।

स्वामी जी ने कहा कि सभी आश्रमों में गृहस्थ आश्रम श्रेष्ठ माना गया है। गृहस्थ आश्रम छह सुख आवश्यक है। गृहस्थ आश्रम में सात्विक कर्मो से धन की वृद्धि होनी चाहिए। रोग मुक्त जीवन होना चाहिए। सुन्दर स्त्री होनी चाहिए। सिर्फ रुप-रंग से नहीं बल्कि आचरण और वाणी से भी सुन्दर होनी चाहिए। पुत्र आज्ञाकारी होना चाहिए। अर्थ का उपार्जन वाली शिक्षा अध्ययन होना चाहिए।

स्वामी जी ने कहा कि गृहस्थ जीवन में रहते हुए अगर ये सुख उपलब्ध नहीं हैं, तो अपने को सच्चा गृहस्थ नहीं मानें। गृहस्थ आश्रम में पुत्र की चर्चा करते हुए स्वामी जी ने कहा कि अगर चार भाई हैं और एक भाई को भी संतान है तो अन्य तीनों भाई भी पुत्र के अधिकारी हो जाते हैं। पुत्र से अभिप्राय केवल तनय से नहीं बल्कि भाई के पुत्र भी आप के पुत्र हुए। गृहस्थ आश्रम के लिए कोई निर्धारित वस्त्र है। वे किसी तरह का मर्यादित वस्त्र धारण कर सकते हैं। लेकिन संत का आचरण और वस्त्र उनके पहचान होते हैं। स्वामी जी ने कहा कि धर्म के दस लक्षण हैं।

धृति क्षमा दमोस्तेयं, शौचं इन्द्रियानिग्रहः
धीर्विधा सत्यं अक्रोधो, दसकं धर्म लक्षणम्।

यानी धैर्य, क्षमा, संयम, चोरी न करना, स्वच्छता, इन्द्रियों को वश में रखना, बुद्धि, विद्या, सत्य और अक्रोध ये धर्म के लक्षण हैं। स्वच्छता की चर्चा करते हुए स्वामी जी ने कहा कि स्वच्छता का तात्पर्य बाहरी और भीतरी स्वच्छता से है। भगवान बार-बार कहते हैं कि जिसका मन निर्मल रहता है, उसे ही मैं अंगीकार करता हूँ।

'निरमल मन जन सो मोहि पावा।
मोहि कपट छल छिद्र न भावा।।

स्वच्छ स्थान पर भगवान का वास होता है। सार्वजनिक स्थलों पर मल-मूल का त्याग नहीं करना चाहिए। दिन में उत्तर दिशा और रात में दक्षिण दिशा की तरफ मुँह करके मल-मूत्र का त्याग नहीं करना चाहिए। इसका उल्लंघन करने से धन और यश की हानि होती है। गुरु और भगवान का स्मरण करते हुए पूरब मुंह करके स्नान करना चाहिए।

स्वामी जी ने कहा कि मनुष्य को तीन तरह का यज्ञ प्रतिदिन करना चाहिए। देव यज्ञ, ऋषि यज्ञ और पितृ यज्ञ। देव यज्ञ से अभिप्राय स्नान-ध्यान कर भगवान का नाम कीर्तन करने से है। वैदिक सद्ग्रंथों को स्वाध्याय और मनन ऋषि यज्ञ है। पितृ यज्ञ से अभिप्राय अतिथि सेवा, गो सेवा एवं ब्राह्मण सेवा आदि है।

'सान्निध्य का संस्मरण' पुस्तक से साभार

श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी।

सैमसंग ने लान्च किया गैलेक्सी फॉरएवर, युवा ग्राहकों के लिए गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 सीरीज को अपनाने और इस्तेमाल करने का एक आसान तरीका

सैमसंग इंडिया ने गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 अल्ट्रा और गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 स्मार्टफोन खरीदने वाले ग्राहकों के लिए गैलेक्सी फरएवर नाम का एक आसान ओनरशिप प्रोग्राम शुरू किया है। इस प्रोग्राम में 24 महीने की जीरो कस्ट ईएमआई, सैमसंग केयर प्लस डिवाइस प्रोटेक्शन और डिवाइस की इनवइस वैल्यू के 55 प्रतिशत तक के गारंटीड बायबैक की सुविधा एक साथ मिलती है।

गैलेक्सी फरएवर उन युवा ग्राहकों के लिए बनाया गया है जो आज ही एक प्रीमियम फोल्डेबल फोन चाहते हैं, लेकिन साथ ही जब भी अपग्रेड करने का समय आए, तब डिवाइस की वैल्यू को लेकर भी ज्यादा भरोसा चाहते हैं। बाजार में मिलने वाली रीसेल कीमत पर पूरी तरह निर्भर रहने की बजाय, ग्राहकों को प्रोग्राम की शर्तों के मुताबिक अपने डिवाइस को अपग्रेड या वापस करने का एक तय विकल्प मिलता है।

गैलेक्सी फॉरएवर में तीन मुख्य फायदे शामिल हैं : 24 महीने की जीरो कस्ट ईएमआई, जिससे प्रीमियम फोल्डेबल तकनीक और भी आसानी से मिल सके। सैमसंग केयर प्लस डिवाइस प्रोटेक्शन, जो एक्सीडेंटल और लिक्विड डैमेज को कवर करता है और इसमें क्लेम प्रोसेसिंग फीस बिल्कुल नहीं लगती, जिससे ग्राहकों को और ज्यादा भरोसा मिलता है (ग्राहकों को सैमसंग केयर प्लस अलग से खरीदने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह प्रोग्राम में पहले से ही शामिल है), 55 प्रतिशत तक का गारंटीड बायबैक, जिससे ग्राहक प्रोग्राम की शर्तों के मुताबिक 10वें महीने से अपने डिवाइस को अपग्रेड या वापस कर सकते हैं। गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 अल्ट्रा, गैलेक्सी फॉरएवर के साथ 9417 रुपये प्रति महीने में उपलब्ध है, जबकि गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 की शुरुआती कीमत 8584 रुपये प्रति महीने है। दोनों प्लान 24 महीने की जीरो कस्ट ईएमआई पर आधारित हैं और इसमें गैलेक्सी फॉरएवर की प्रोग्राम फीस भी शामिल है। गारंटीड बायबैक वैल्यू इस बात पर निर्भर करती है कि ग्राहक कब अपग्रेड या डिवाइस वापस करना चुनते हैं।

एलजी इलेक्ट्रनिक्स ने डिजिट इंडिया टॉप अप्लायंसेज अवाईस 2026 में हासिल की बड़ी जीत

टीवी, रेफ्रिजरेटर, रेजिडेंशियल एयर कंडीशनर, वशिंग मशीन, माइक्रोवेव, डिशवशर और एयर प्यूरीफायर श्रेणियों में इनोवेशन में उत्कृष्टता के लिए 10 उत्पादों को मिली मान्यता

एलजी इलेक्ट्रनिक्स इंडिया लिमिटेड को नई दिल्ली में आयोजित एक गाला सेरेमनी में डिजिट इंडिया के टॉप अप्लायंस अवाईस 2026 में कई उत्पादों (10) की जीत के साथ सम्मानित किया गया है।

टाइम्स नेटवर्क की एक पहल और भारत के सबसे पुराने टेक्नोलॉजी मीडिया ब्रांड डिजिट.इन द्वारा प्रस्तुत (जिसे स्वतंत्र उत्पाद परीक्षण में 25 वर्षो से अधिक की विशेषज्ञता प्राप्त है), ये पुरस्कार श्रेणी के लिए भारत के पहले पूर्णतः डेटा-संचालित मूल्यांकन तंत्र के माध्यम से होम अप्लायंस इनोवेशन में उत्कृष्टता को मान्यता देते हैं।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान, प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन (पीपी/ डीओपीटी), और परमाणु ऊर्जा व अंतरिक्ष के केंद्रीय राज्य मंत्री डा. जितेंद्र सिंह, और शाम के दूसरे मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक उपस्थित थे।

उपभोक्ता-मतदान वाली लोकप्रियता प्रतियोगिताओं के विपरीत, डिजिट इंडिया के टॉप अप्लायंस अवाईस एक कठोर, लैब-फर्स्ट मूल्यांकन प्रक्रिया पर आधारित हैं। प्रत्येक नामांकित उत्पाद का परीक्षण मुंबई और नोएडा में डिजिट की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं के अंदर किया जाता है, जिन्हें थर्मल इमेजिंग डायग्नोस्टिक्स से लेकर संपूर्ण ग्राहक सहायता चक्र तक 150 से अधिक तकनीकी मापदंडों के मैट्रिक्स के आधार पर परखा जाता है। इस तकनीकी स्कोरिंग की समीक्षा एक स्वतंत्र विशेषज्ञ जूरी पैनल द्वारा की जाती है, जिनकी देखरेख विजेताओं के चयन से पहले मूल्यांकन की अंतिम परत बनाती है। ये पुरस्कार 36 प्लस अप्लायंस श्रेणियों में फैले हुए हैं और डिजिट के संपादकीय इकोसिस्टम में प्रचारित किए जाते हैं, जो डिजिटल, वीडियो, प्रिंट और सोशल प्लेटफार्म पर मासिक रूप से 4 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं तक पहुंचता है।

जूरी में काउंटरप्वाइंट रिसर्च के रिसर्च डायरेक्टर तरुण पाठक, आईडीसी के एवीपी नवकेंदर सिंह और टाइम्स नेटवर्क के टेक्नोलॉजी एडिटर मानस तिवारी के साथ-साथ डिजिट की एडिटोरियल टीम के सीनियर मेंबर्स शामिल थे, जिन्होंने लैबोरेटरी टेस्टिंग डेटा, रियल-वर्ल्ड यूजेबिलिटी और भारतीय उपभोक्ताओं के लिए इनोवेशन की प्रासंगिकता के आधार पर नॉमिनेटेड उत्पादों का मूल्यांकन किया।

वायस 4 बिहार डॉटकाम की इकाई, दैनिक नवसंदेश (डेली डिजिटल न्यूज पेपर), स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक- यू. सिंह के द्वारा वार्ड-28, नियर पानी टंकी, रानीपुर, ब्रह्मपुर, फुलवारीशरीफ, पटना-801505 से डिजिटली प्रकाशित और संपूर्ण बिहार में प्रसारित ।
इस डिजिटल समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक, मुद्रक, प्रसारक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। प्राप्त स्पष्टीकरण प्रकाशित किया जायेगा। समाचारों से संबंधित सभी विवादों का न्याय क्षेत्र पटना न्यायालय (बिहार) ही होगा। (सभी पद अवैतनिक है।)

ईंट निर्माताओं की समस्याओं के समाधान को सरकार प्रतिबद्ध : डा. प्रमोद

ईंट उत्पादन में पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखना जरूरी : राधामोहन

मोतिहारी (एनएसबी)। बरियारपुर स्थित होटल रामसन प्लाजा में रविवार को मोतिहारी, बेतिया एवं शिवहर जिला ईंट निर्माता संघ के संयुक्त तत्वावधान में क्षेत्रीय सम्मेलन एवं अभिनंदन समारोह द्वा आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बिहार सरकार के खान एवं भूतत्व सह कला एवं संस्ति मंत्री ड़ प्रमोद कुमार चंद्रवंशी मुख्य अतिथि तथा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय षि एवं किसान कल्याण मंत्री राधा मोहन सिंह उद्घाटनकर्ता के रूप में शामिल हुए।सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ड़ प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि बिहार सरकार ईंट निर्माताओं की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी मुस्तैदी से उनके साथ खड़ी है। ईंट निर्माताओं पर बकाया राशि के समाधान के लिए वन टाइम सेटलमेंट के तहत प्रस्ताव तैयार कर वित्त विभाग को भेजा गया है। वित्त विभाग की स्वीति मिलते ही समस्या का समाधान किया जाएगा।उन्होंने कहा कि ईंट निर्माताओं को पुनः बीएसएमसीएल के माध्यम से कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाएगी तथा कोयले की आपूर्ति में किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 में जुलाई तक 579 करोड़ 12 लाख रुपये तथा वर्ष 2026-27 में जुलाई तक 796 करोड़ 30 लाख रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।सांसद राधा मोहन सिंह ने कहा कि ईंट उद्योग केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, रोजगार और श्रमिकों की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने ईंट निर्माताओं की समस्याओं के समाधान के लिए केंद्र सरकार के स्तर पर हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया।उन्होंने कहा कि ईंट उत्पादन में पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखना जरूरी है। पारंपरिक प्रदूषणकारी तकनीकों के स्थान पर जिग-जैग तकनीक और अन्य स्वच्छ तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उद्देश्य ऐसा बिहार बनाना है, जहां उद्योग और रोजगार के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो तथा विकास के साथ पर्यावरण की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो। मौके पर उप महापौर ड़ लालबाबू प्रसाद, ईंट निर्माता संघ के प्रदेश अध्यक्ष मुरारी कुमार मन्नू, संरक्षक शंभू शरण पांडेय, प्रदेश महासचिव विनय कुमार पांडेय, मोतिहारी जिलाध्यक्ष सत्यवीर प्रताप सिंह, बेतिया जिलाध्यक्ष शत्रुघ कुशवाहा, शिवहर जिलाध्यक्ष लालबाबू प्रसाद सहित बड़ी संख्या में ईंट उद्योग से जुड़े उद्यमी एवं प्रतिनिधि मौजूद थे।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते मंत्री ड़ प्रमोद कुमार चंद्रवंशी मुख्य अतिथि एवं सांसद राधा मोहन सिंह उद्घाटनकर्ता।

दंगल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन महिला व पुरुष पहलवानों ने लिया हिस्सा

चकिया(एनएसबी)। नागपंचमी के अवसर पर नगर परिषद के कूंअवा स्थित शनि मंदिर के निकट दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महिला और पुरुष पहलवानों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में महिला वर्ग से उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से कीजू कुमारी, शिखा कुमारी ,कविता कुमारी अयोध्या से आरुषी कुमारी,बनारस से उजाला कुमारी कानपुर से खुशी यादव तथा पुरुष वर्ग बिहार बक्सर से दिनेश कुमार , उत्तरप्रदेश से बाबा नायक मध्यप्रदेश से

दंगल करते पहलवान।

बीर सिंह, सतीश कुमार तथा नेपाल से हरिहर थापा पहलवान थे। दंगल प्रतियोगिता का उद्घाटन आयोजन कमेटी के सदस्यों ने सामूहिक रूप से किया। दंगल के मुख्य अतिथि नगर परिषद सभापति पवन सर्राफ थे जबकि संचालक राधे श्याम प्रसाद व व्यवस्थापक लालदेव प्रसाद तथा मनीष खोखा ,ज्वाला कुमार थे। जबकि अखाड़ा के सहयोगी के रूप में लखींद्र प्रसाद गुप्ता ,छोटा बाबू ,ज्ञानेश्वर कुमार, रामदेव प्रसाद, उपेंद्र प्रसाद गुप्ता, अवध किशोर प्रसाद ,रमेश प्रसाद , सत्यनारायण प्रसाद, अवधेश ठाकुर, सुशील ठाकुर ,सुनील कुमार ठाकुर, गोलू ठाकुर थे। प्रतियोगिता के दौरान पहलवानों ने काला जंग, धोबिया पाट, व मुलतानी,टांग सहित अन्य दाव पेच का प्रदर्शन कर दर्शकों को दांत में उंगली दबाने को मजबूर कर दिया। वही पुरुष के साथ -साथ महिला दर्शक भी बड़ी संख्या में मौजूद थे । दर्शकों ने हर जोड़ी के खेल पर ताली बजाकर पहलवानों का मनोबल बढ़ा रहे थे। प्रतियोगिता में सफल पहलवान को आयोजन कमेटी की ओर से ट्रफी दिया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर पैनल अधिवक्ताओं के साथ बैठक

मोतिहारी(एनएसबी)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण के सचिव नितिन त्रिपाठी ने मंगलवार को अपने कक्ष में पैनल अधिवक्ताओं के साथ बैठक कर आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान लोक अदालत को सफल बनाने के लिए आवश्यक रणनीति पर चर्चा की गई और

समीक्षा करते जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव।

अधिवक्ताओं को उनके दायित्वों के प्रति जागरूक किया गया।सचिव ने कहा कि लोक अदालत आम लोगों को त्वरित, सुलभ और कम खर्च में न्याय उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने पैनल अधिवक्ताओं से लंबित एवं समझौता योग्य मामलों की पहचान कर संबंधित पक्षकारों से संपर्क स्थापित करने तथा आपसी सहमति से मामलों के निष्पादन के लिए प्रेरित करने की अपील की।उन्होंने कहा कि लोक अदालत की सफलता केवल अधिक मामलों के निष्पादन से नहीं, बल्कि पक्षकारों की संतुष्टि और स्थायी समाधान से मापी जानी चाहिए। बैठक में न्यूनतम कार्य योजना के तहत संचालित विधिक जागरूकता कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गईस सचिव ने अधिवक्ताओं को पैरा लीगल वालंटियर्स के साथ समन्वय कर ग्रामीण एवं दूर-दराज के क्षेत्रों में विधिक जागरूकता कार्यक्रम चलाने का निर्देश दिया। इस दौरान निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, महिला एवं बाल संरक्षण कानून, बाल विवाह, दहेज प्रथा, साइबर अपराध और नशा मुक्ति सहित विभिन्न विषयों पर लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया गया। प्श्ठ हवपदह उन्होंने कहा कि न्याय तभी सार्थक है, जब उसकी जानकारी और पहुंच समाज के अंतिम व्यक्ति तक हो। बैठक में पैनल अधिवक्ताओं ने राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। सचिव ने सभी से 12 सितंबर की राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए मिशन मोड में कार्य करने का आह्वान किया।

इंडस्ट्रियल फिश एंड फिशरीज के विद्यार्थियों का हुआ फेयरवेल

छपरा। गंगा सिंह कलेज, छपरा में बीएससी (इंडस्ट्रियल फिश एंड फिशरीज) सत्र 2023-26 के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आज विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेज के प्राचार्य प्रो प्रमेन्द्र रंजन सिंह ने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि वे अपने ज्ञान एवं कौशल का उपयोग करते हुए सफलता की नई ऊंचाइयां हासिल करें। विजिटिंग फैकल्टी ड. कुमारी उमा और कोऑर्डिनेटर श्री नलिन रंजन ने भी छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने कलेज में अपने अध्ययन काल के अनुभव साझा किए। उन्होंने शिक्षकों एवं महाविद्यालय से मिले सहयोग और मार्गदर्शन के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ड पुनीत पांडेय, श्री अभिषेक चतुर्वेदी, श्री राजीव गिरी, ड़ संतोष कुमार सिंह, ड कमाल अहमद, ड़ धर्मेंद्र कुमार सिंह, ड़ राजेश कुमार, ड रुद्र नारायण शर्मा, ड नारायण दत्त शर्मा, ड राजेश मांझी सहित अन्य महाविद्यालयकर्मी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

24 घंटे में 24 अभियुक्त किये गये गिरफ्तार

छपरा सदर। वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों, अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन,बिक्री,भंडारण, निर्माण और परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्टी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को ष्टिगत रखते हुए 17 अगस्त को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल-24 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। वही अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के ष्टिकोण से कुल-36 वाहनों से 38,500ध- रूपए जुर्माना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत कुल शराब-72 लीटर एवं एक स्कुटि बरामद किया गया।

मुरारपुर महावीरी झंडा मेले में गूंजा अखाड़े का जोश

नेपाल, यूपी और हरियाणा के पहलवानों ने दिखाया दमखम, कुश्ती देखने उमड़ा जनसैलाब

तुरकौलिया(एनएसबी)। हरसिद्धि प्रखंड क्षेत्र के मुरारपुर में आयोजित प्रसिद्ध महावीरी झंडा मेले में मंगलवार को कुश्ती प्रतियोगिता आकर्षण का मुख्य केंद्र रही। अखाड़े में देश के विभिन्न हिस्सों के साथ पड़ोसी देश नेपाल से पहुंचे पहलवानों ने अपने दांव-पेंच और दमखम का प्रदर्शन कर दर्शकों को रोमांचित किया। कुश्ती देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग मेला परिसर में जुटे रहे।कुश्ती प्रतियोगिता में नेपाल के अलावा उत्तर प्रदेश और हरियाणा सहित विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे पहलवानों ने हिस्सा लिया। अखाड़े में पहलवानों के बीच हुए मुकाबलों को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। पहलवानों के जोरदार दांव-पेंच पर दर्शकों ने तालियों और उत्साहवर्धन के साथ उनका हौसला बढ़ाया। कई मुकाबले काफी रोचक रहे और दर्शक अंत तक अखाड़े के आसपास डटे रहे।महावीरी झंडा मेले में कुश्ती की परंपरा लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही है। प्रतियोगिता के दौरान अखाड़े में सुरक्षा एवं व्यवस्था को लेकर भी आयोजकों और स्थानीय लोगों की सक्रियता देखने को मिली। मेले में पहुंचे लोगों ने कुश्ती प्रतियोगिता का आनंद लेने के साथ अन्य कार्यक्रमों और दुकानों का भी लुत्फ उठाया।कुश्ती प्रतियोगिता के दौरान मेला संस्थापक सह विधान पार्षद (एमएलसी) महेश्वर सिंह, विधायक ष्णनंदन पासवान, जिले के सुप्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ ड़ तरुण विजय, केसरिया विधानसभा के महागठबंधन के पूर्व प्रत्यासी सह वीआईपी के राष्ट्रीय सचिव वरुण विजय एवं भाजपा नेता शंभू प्रसाद सहित अन्य गणमान्य लोगों ने अखाड़े में पहुंचकर पहलवानों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने पहलवानों से परिचय प्राप्त किया तथा बेहतर प्रदर्शन के लिए उनका मनोबल बढ़ाया।महावीरी झंडा मेले में उमड़ी भीड़ से पूरे क्षेत्र में उत्सवी माहौल बना रहा। आयोजकों के अनुसार, मेले का उद्देश्य धार्मिक एवं सांस्तिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ खेल प्रतिभाओं को भी मंच प्रदान करना है। कुश्ती प्रतियोगिता ने मेले में पहुंचे लोगों के उत्साह को और बढ़ा दिया। मौके पर पूर्व विधायक सुनील मणि तिवारी, रवींद्र प्रताप सिंह, इंजीनियर जितेंद्र कुमार सिंह, अमरेंद्र प्रताप सिंह, अजय सिंह एवं विजय परमार सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

पहलवानों को हौसला अफजाई करते वरुण विजय।

दर्शक दीर्घा में बैठे एमएलसी, विधायक एवं अन्य।

संक्षिप्त खबरें

समरसता संकल्प अभियान के तहत निकली कलश यात्रा

मोतिहारी(एनएसबी)। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को समरसता संकल्प अभियान के तहत कलश यात्रा निकाली गई। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने सुबह 10 बजे समाहरणालय परिसर से कलश यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।कलश यात्रा समाहरणालय परिसर से दुर्गा मंदिर, कचहरी चौक, प्रेक्षागृह होते हुए बैलखाना वार्ड संख्या 34 एवं 35 तक पहुंची। यात्रा में नगर निगम के उप महापौर लालबाबू गुप्ता सहित जिला प्रशासन के अधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी एवं विकास मित्र शामिल हुए।इस अवसर पर अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) मो् सिबगतुल्लाह, नजारत उप समाहर्ता प्रेमलता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश, जिला कल्याण पदाधिकारी संतोष कुमार पांडेय सहित सदर मोतिहारी, तुरकौलिया एवं कोटवा के प्रखंड कल्याण पदाधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि समरसता संकल्प अभियान का उद्देश्य सामाजिक समरसता, समानता और आपसी भाईचारे की भावना को मजबूत करना है।

सड़क दुघर्टना में हर्ष हॉस्पीटल के आईसीयू से प्रभारी की मौत, पुलिस कर रही है पड़ताल

मोतिहारी(एनएसबी)।बीती रात्रि छतौनी थाना क्षेत्र के बायपास चौक पर अज्ञात वाहन की ठोकर से हर्ष हॉस्पीटल के आईसीयू प्रभारी की मौत हो गयी।मृतक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मधुबनीघाट निवासी विशाल कुमार बताया गया है।घटना की सूचना मिलते ही छतौनी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंच स्थिति का जायजा लिया और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल भेज मामले की पड़ताल में जुट गयी है। जानकारी देते हुए छतौनी इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि मृतक हर्ष हॉस्पीटल है आईसीयू प्रभारी था और सोमवार की देर रात हॉस्पीटल से अपने घर जा रहा था।इसी दौरान जैसे ही वह बायपास चौक के समीप पहुंचा कि विपरीत दिशा से एक अज्ञात वाहन का चालक तेजी व लापरवाही बरतते हुए आया और सीधी टक्कर मार दिया जिससे उसकी मौत हो गयी। थानाध्यक्ष श्री सिंह ने बताया कि मामले की पड़ताल की जा रही है। शीघ्र ही वाहन मालिक एवं चालक की पहचान कर ली जायेगी।

गुरु रविदास जयंती वर्ष पर समरसता संकल्प अभियान, 30 मंडलों के लिए रवाना हुआ रज कलश

मोतिहारी (एनएसबी)। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी समरसता संकल्प अभियान के तहत चन्द्रहिया स्थित भाजपा कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष भृगुन पासवान ने की। इस दौरान संत रविदास महाराज के रज कलश को मोतिहारी के सभी 30 मंडलों के लिए रवाना किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद एवं पूर्व केंद्रीय षि एवं किसान कल्याण मंत्री राधा मोहन सिंह ने कहा कि अभियान का उद्देश्य संत रविदास महाराज के समता, सामाजिक न्याय, बंधुत्व, सेवा और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि कलश वंदन, शोभायात्रा, संगोष्ठी, सामाजिक समरसता संवाद, सांस्तिक कार्यक्रम, सेवा कार्य एवं जनसंपर्क के माध्यम से संत रविदास के विचारों का प्रचार-प्रसार किया जाएगा।बिहार सरकार के डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग के मंत्री नंदकिशोर राम ने कहा कि अभियान का उद्देश्य जातिगत भेदभाव को समाप्त कर सामाजिक समरसता, समानता, सद्भाव एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना है।खान एवं भूतत्व तथा कला, संस्ति एवं युवा विभाग के मंत्री प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने संत रविदास के प्रसिद्ध कथन 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' का उल्लेख करते हुए उनके विचारों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि समाज में एकता और जागरूकता बनाए रखना जरूरी हैस मौके पर बिहार प्रदेश मछुआरा आयोग के अध्यक्ष ललन सहनी, हरसिद्धि विधायक एवं पूर्व मंत्री ष्णनंदन पासवान, कल्याणपुर विधायक सचिन्द्र प्रसाद सिंह, भाजपा प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष मोहिब्बुल हक, भाजपा जिलाध्यक्ष पवन राज, पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अखिलेश सिंह, उप महापौर ड़ लालबाबू प्रसाद, रिंकू पाठक, मनोज पासवान, नीता पासवान, मीना मिश्रा, सुधांशु रंजन, संजय चौधरी, बसंत मिश्रा, गुलरेज शहजाद, ड़ अरुण कुमार, अनिल वर्मा, ओमप्रकाश सिंह, सूरज पाण्डेय, ऋषभ झा, सियावर सिंह, सुदीप कुमार, धर्मेंद्र कुमार, विजय राम एवं चंदन सिंह सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

गरीबों की समस्याओं और कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ मजदूर यूनियन का प्रदर्शन

इसुआपुर। बिहार प्रांतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन के आह्वान पर मंगलवार को ज्वलंत जनसमस्याओं और गरीबों पर कथित जुल्म के खिलाफ प्रखंड मुख्यालय परिसर में प्रदर्शन एवं सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता नूरहसन अंसारी ने की, जबकि संचालन कामरेड गंगासागर राम ने किया। प्रदर्शन के बाद सीपीआईएम एवं बिहार प्रांतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने प्रखंड विकास पदाधिकारी इं सत्यम सिंह को विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से दलितों के कथित अपमान के मामले में एसआई अंकित कुमार ओझा को निलंबित करने, सभी गरीबों का नाम राशन कार्ड में जोड़ने, बकाया बिजली बिल माफ करने तथा स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक लगाने की मांग की गई। इसके अलावा पिपरहियां, भकुरा, भिठ्ठी बाजार सहित सभी दलित टोलों को संपर्क पथ से जोड़ने, गरीब परिवारों को आवास निर्माण के लिए पांच डिसमिल जमीन उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग उठाई गई। यूनियन ने दाखिल-खारिज में कथित रिश्वतखोरी पर रोक लगाने तथा जाति, आय, आवासीय, मृत्यु और जन्म प्रमाण पत्र बनाने में व्याप्त भ्रष्टाचार को समाप्त करने की मांग की। किसानों का ऋण माफ करने, मठिया की जमीन की अवैध बिक्री एवं कब्जे पर रोक लगाने तथा मुरवां एराजी और नवादा मठिया सहित अन्य स्थानों पर भूमि संबंधी समस्याओं का समाधान करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल थी। वहीं, मनरेगा योजनाओं में कथित भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की भी मांग की गई। इसुआपुर पंचायत में श्मशान गृह का निर्माण कराने और श्मशान की जमीन उपलब्ध कराने, सभी गली-नालियों का पक्कीकरण एवं नाला निर्माण कराने, शामपुर बेयालीस महादलित टोला तथा गैरमजरुआ जमीन पर बसे सहवां महादलित टोला के लोगों को जमीन का पर्चा देने की मांग की गई। इसके साथ ही दलित टोलों में सामुदायिक शौचालय निर्माण, नहरों की मिट्टी भराई एवं पीसीसी निर्माण कराने सहित अन्य जनसमस्याओं के समाधान की मांग की गई। सभा को मुख्य वक्ता राज्य सचिव मंडल सदस्य रामपरी, राज्य उपाध्यक्ष कामरेड गिता सागर राम, कामरेड अहमद अली, कालिदास, देवानंद प्रसाद, जितेंद्र साह, सूरज चौहान, गोविंदा माझी, लक्ष्मण माझी, उमेश राम सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि गरीबों, दलितों, किसानों और मजदूरों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

गांजा विक्रेता को हुई सजा एवं अर्थ दंड

छपरा विशेष न्यायाधीश मादक पदार्थ सह जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम सैयद मोहम्मद फजलुल बारी ने बनियापुर थाना कांड संख्या 184 ध16 के एनडीपीएस वाद संख्या 2ध16 में बनियापुर थाना के पुछरी बाजार निवासी धर्मेंद्र साह को एनडीपीएस की धारा 20(इ)पप(ठ) में पांच साल सशर्म कारावास एवं पांच हजार अर्थ दंड नहीं देने पर अतिरिक्ततीन माह की सजा सुनाई है। अभियोजन की ओर से मादक पदार्थ के विशेष लोक अभियोजक मिथिलेश कुमार सिंह ने सरकार का पक्ष न्यायालय में रखा था और कुल आठ गवाहों की गवाही न्यायालय में कराई थी सजा की बिंदु पर उन्होंने न्यायालय से गुहार लगाया की कड़ी से कड़ी सजा दी जाए ताकि समाज में मादक पदार्थ बेचने वालों में डर व्याप्त हो।बताते चले की थाना कांड के सूचक बनियापुर थाना के थानाध्यक्ष ज्वाला सिंह ने 6 जुलाई 2016 को प्राथमिकी दर्ज की थी जिसमें उन्होंने बतलाया था कि वह दिवा गश्ती पर पैगंबरपुर में थे। तभी उन्हें गुप्त सूचना मिली कि पूछरी ग्राम के धर्मेंद्र साह अपने घर में गांजा रखकर बिक्री कर रहे हैं ।सूचना पर पुलिस बल के साथ उन्होंने धर्मेंद्र साह के घर पर छापामारी की तो पाया कि उनके पलंग के नीचे 2 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ। विधिवत जप्त कर सूची बनाकर अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

पूजा कर घर लौट रही महिला को बाइक ने मारी जोरदार टक्कर, मौके पर मौत, सड़क जाम

डोरीगंज। छपरा-पटना मुख्य मार्ग एनएच-19 फोरलेन पर मंगलवार को दर्दनाक सड़क हादसे में करीब 65 वर्षीय महिला की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया, जिससे आवागमन बाधित हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, डोरीगंज थाना क्षेत्र के मेहरौली गांव निवासी सत्यानंद तिवारी की 65 वर्षीय पत्नी निर्मला देवी पूजा कर अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान पूर्व दिशा से तेज रफ्तार में आ रही बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। आक्रोशित लोगों ने छपरा-पटना मुख्य मार्ग एनएच-19 फोरलेन को जाम कर दिया और वरीय पदाधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग करने लगे। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में लोग सड़क पर डटे रहे। सूचना मिलने पर डोरीगंज थानाध्यक्ष राज शेखर पुलिस पदाधिकारियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि, आक्रोशित लोग तत्काल वरीय अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे। पुलिस द्वारा लोगों को समझाने और सड़क जाम समाप्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। घटना के बाद इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

नवनियुक्त सिपाहियों के बुनियादी प्रशिक्षण का किया गया ब्रीफिंग

छपरा सदर। मंगलवार को सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस केंद्र में नवनियुक्त सिपाहियों के बुनियादी प्रशिक्षण के उद्घाटन समारोह के अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए आवश्यक ब्रीफिंग एवं दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा नवनियुक्त सिपाहियों को पुलिस सेवा की गरिमा, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा के महत्व से अवगत कराया गया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को पूरी लगन एवं अनुशासन के साथ बुनियादी प्रशिक्षण प्राप्त करने तथा कानून के प्रति निष्ठा रखते हुए आमजन के साथ संवेदनशील एवं शालीन व्यवहार करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण पुलिसकर्मियों के व्यावसायिक कौशल एवं कार्यक्षमता को मजबूत करने की आधारशिला है। प्रशिक्षण के दौरान शारीरिक दक्षता, कानून एवं पुलिस कार्यप्रणाली के साथ-साथ आधुनिक पुलिसिंग की तकनीकों का गंभीरतापूर्वक ज्ञान प्राप्त करें, ताकि भविष्य में अपने कर्तव्यों का प्रभावी एवं जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन कर सकें। वरीय पुलिस अधीक्षक ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ पुलिस सेवा में योगदान देने का आह्वान किया।

साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

छपरा। लायंस-लियो क्लब अफ छपरा टाउन के बैनर तले 'गाइडलाइंस करियर इंस्टीट्यूट' में एक विशेष साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता साइबर डीएसपी चंद्रभूषण जी थे, जिन्होंने छात्रों और युवाओं को बढ़ते साइबर अपराधों से सुरक्षित रहने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साइबर डीएसपी चंद्रभूषण जी ने अज्ञात ।च्ज्ञ फाइलों को डाउनलोड न करने और संदिग्ध मैसेज लिंक्स पर क्लिक करने से बचने की सख्त सलाह दी, जिससे मोबाइल हैक होने का खतरा रहता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से दूरी बनाने, संदिग्ध वीडियो कल स्वीकार न करने और खुद को ब्लैकमेलिंग से सुरक्षित रखने के टिप्स साझा किए। इसके अलावा, उन्होंने सभी को अपने जीमेल (ळउंपस) और व्हाट्सएप (ॅींजे।चच) खातों में सुरक्षा के ष्टिकोण से टू-स्टेप अथेंटिकेशन (ज्ूव-जमच नजीमदजपबंजपवद) चालू रखने की हिदायत दी। इस अवसर पर लायंस क्लब छपरा टाउन के अध्यक्ष लायन आदित्य, गाइडलाइंस करियर इंस्टीट्यूट के निदेशक विकास गुप्ता, कार्यक्रम चेयरपर्सन अली अहमद, लियो क्लब के आशुतोष पांडेय , लक्ष्मी, कशिश्मा तथा साइबर थाना से एसआई संदीप जी, अर्चना, मोहन, अजीत, दीपक और रंजीत सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

हर घर तिरंगा अभियान के तहत सात दिवसीय कार्यक्रम, विजेता छात्र-छात्राएं हुई पुरस्कृत

सोनवषाराज (सहरसा) (एनएसबी)। हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत श्री चण्डी उच्च विद्यालय, चण्डी स्थान, विराटपुर में 09 से 17 अगस्त तक सात दिवसीय भव्य कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के बीच निबंध लेखन, भाषण, चित्रकला, रंगोली एवं देशभक्ति गायन सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई गईं। मंगलवार को विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के बीच पारितोषिक एवं पुरस्कार का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रखंड भाजपा अध्यक्ष वीर अभिमन्यु सिंह ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ कला, संस्कृति एवं देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रमों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। इससे बच्चों में प्रतिभा, आत्मविश्वास और राष्ट्रप्रेम की भावना मजबूत होती है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक सोहन कुमार सिंह ने भी विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने तथा रचनात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में निरंतर भाग लेने के प्रेरित किया। कार्यक्रम में कोमल कुमारी, साक्षी कुमारी, ज्ञानसागर, मनोरंजन कुमार, अदिति, मिट्ठी, सोनम सहित कई छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, तिरंगे के प्रति सम्मान, रचनात्मकता एवं सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा देना रहा।

आवास प्लस योजना की समीक्षा बैठक में शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने का निर्देश

बनमा ईटहरी (सहरसा) (एनएसबी)। प्रखंड कार्यालय में मंगलवार को बीडीओ गुलशन कुमार झा के नेतृत्व में आवास प्लस 2024-25 से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बीडीओ ने आवास योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित कर्मियों को निर्धारित लक्ष्य को समय पर

पूरा करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान बताया गया कि आवास प्लस 2024-25 में प्रखंड को कुल 42 आवासों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। लक्ष्य के विरुद्ध 42 लाभुकों को प्रथम किस्त का भुगतान किया जा चुका है। वहीं 40 लाभुकों को दूसरी किस्त का भुगतान किए जाने की जानकारी दी गई।अधिकारियों ने शेष कार्यों को भी तेजी से पूरा कराने पर जोर दिया। बीडीओ ने निर्देश दिया कि बनमा ईटहरी प्रखंड में आवास योजना से जुड़े सभी लंबित कार्यों को एक सप्ताह के अंदर शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा किया जाए। साथ ही लाभुकों को समय पर किस्त का भुगतान सुनिश्चित करने और निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करने को कहा गया। बैठक में प्रखंड आवास पर्यवेक्षक शकील अलाम सहित संबंधित कर्मी मौजूद रहे। अधिकारियों ने योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवहट्टा का औचक निरीक्षण; दो चिकित्सकों को स्पष्टीकरण का आदेश

सहरसा शहर (एनएसबी)। जिलाधिकारी दीपेश कुमार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी नवहट्टा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की कार्यप्रणाली, उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं और मरीजों को दी जा रही सेवाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. तजेंद्र कुमार झा एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संजीव कुमार सिंह अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए। जिलाधिकारी ने इस

लापरवाही को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए दोनों चिकित्सकों से स्पष्टीकरण मांगने का आदेश दिया है। जिलाधिकारी ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर मरीजों से सीधी बातचीत की। उन्होंने इलाज और अस्पताल की व्यवस्थाओं के संबंध में मरीजों का फीडबैक लिया ताकि स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सके। जिलाधिकारी ने अस्पताल के दवा भंडार की जांच की गई एवं निर्देश दिया कि जिन आवश्यक दवाओं की कमी है। उनकी अविलंब मांग भेजी जाए ताकि मरीजों को दवा के लिए बाहर न भटकना पड़े। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर मरीजों के लिए उपलब्ध सभी प्रकार की पैथोलॉजिकल व अन्य जांच सुविधाओं की सूची को सूचना बोर्ड पर प्रमुखता से प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया है। इससे आम लोगों को अस्पताल में उपलब्ध निःशुल्क जांचों की पूरी जानकारी मिल सकेगी। जिलाधिकारी द्वारा अस्पताल परिसर, वार्डों और शौचालयों में साफ-सफाई की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ व स्वच्छ बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

आपसी जमीन विवाद में दो पक्षों में मारपीट, तीन घायल

फोटो कैप्शनः 6, 6ए इलाजरत जख्मी

सोनवषार्राज (सहरसा) (एनएसबी)। स्थानीय थाना क्षेत्र के देहद पंचायत के वार्ड नंबर-05 में सोमवार को आपसी जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना में दोनों पक्षों से तीन लोग घायल हो गए। घायलों में एक पक्ष के मिथुन ठाकुर और दूसरे पक्ष के कृष्णानंद ठाकुर को गंभीर चोटें आई हैं। मिली जानकारी के अनुसार, दुअनियां जानेवाली सड़क

किनारे स्थित जमीन को लेकर देहद निवासी कृष्णानंद ठाकुर और मिथुन ठाकुर के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। सोमवार को इसी बात को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। कहासुनी के बाद विवाद बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई। आनन-फानन में स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को स्थानीय सीएचसी पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार बाद स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चिकित्सकों ने मिथुन ठाकुर और कृष्णानंद ठाकुर को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घटना को लेकर दोनों पक्षों ने सोनवषार्राज थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

ऑपरेशन मुस्कान से 123 लोगों के चेहरों पर लौटी मुस्कान, सहरसा पुलिस ने 123 चोरी/गुम मोबाइल बरामद कर वास्तविक मालिकों को सौंपे, अब तक 651 मोबाइल लौटाए

सहरसा नगर (एनएसबी)। जिले में 18 अगस्त 2026 सहरसा पुलिस की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस को एक बार फिर बड़ी सफलता मिली है। ऑपरेशन मुस्कान के फेज-10 के अंतर्गत पुलिस ने चोरी या गुम हुए कुल 123 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक धारकों का सत्यापन करने के बाद उन्हें वापस सौंप दिया। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। सहरसा पुलिस के अनुसार, ऑपरेशन मुस्कान के तहत बरामद मोबाइल फोन के वास्तविक मालिकों की पहचान और सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें मोबाइल सौंपे गए। इस दौरान पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में बड़ी संख्या में लोग अपने बरामद मोबाइल प्राप्त करने पहुंचे। पुलिस ने बताया कि ऑपरेशन मुस्कान के फेज-01 से फेज-10 तक अब तक कुल 651 मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं और सत्यापन के बाद उनके वास्तविक स्वामियों को वापस किए गए हैं। लगातार चलाए जा रहे इस अभियान से मोबाइल गुम होने या चोरी होने से परेशान लोगों को राहत मिल रही है।

संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर कलश यात्रा का शुभारंभ

सहरसा शहर (एनएसबी)।जिला मुख्यालय स्थित संत रविदास जी महाराज के मंदिर से भाजपा जिलाध्यक्ष साजन शर्मा एवं पूर्व मंत्री डॉ आलोक रंजन के नेतृत्व में एवं प्रदेश मंत्री दिवाकर सिंह, जिला कल्याण पदाधिकारी प्रकाश प्रिय रंजन की उपस्थिति में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी की 650 वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समरसता अभियान के तहत पवित्र कलश को जिले के विभिन्न मंडलों के लिए विधिवत रवाना किया गया। इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारी सभी मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकत्र्ता उपस्थित रहे और श्रद्धा एवं उत्साह के साथ कलश यात्रा का स्वागत किया। जिलाध्यक्ष साजन शर्मा ने कहा की यह पवित्र कलश सहरसा जिले के सभी मंडलों में एवं पंचायतों में ले जाया जाएगा, जहां विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं एवं समाज के लोगों द्वारा श्रद्धापूर्वक कलश यात्रा निकाली जाएगी। पूर्व मंत्री डॉ आलोक रंजन ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य संत गुरु रविदास जी के महान विचारों,

मौके पर जिलाध्यक्ष, पूर्व मंत्री व अन्य

सामाजिक समरसता, समानता, भाईचारे और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। प्रदेश मंत्री दिवाकर सिंह ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने समाज में ऊंच-नीच और भेदभाव को समाप्त कर समानता एवं सद्भाव की स्थापना का संदेश दिया। सभी मंडलों के कार्यकत्र्ताओं एवं आमजन से इस पावन अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाने की अपील की गई। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष मनोज यादव, मिहिर झा, रिंकी देवी जिला महामंत्री शिव भूषण सिंह, भैरवानंद झा, अनमोल भगत, जिला मंत्री पंकज पाठक, अरविंद भगत, मीडिया प्रभारी सुमित कुमार सिन्हा, कोषाध्यक्ष विजय गुप्ता संतोष गुप्ता महादलित मंच के संयोजक अवधेश राम, स्थानीय पुजारी विनोद रामविनोद दास, युवा मोर्चा अध्यक्ष सुरजीत कुशवाहा, सोचित कुशवाहा, संजीव जयसवाल, अबू बकर, संजीव सिंह, अभिलाष कुमार, महावीर यादव, ज्योति कुमारी, गुंजन कुमारी, राधिका कुमारी, मंडल अध्यक्ष अभिनव सिंह, आशीष गुप्ता, सोनू गुप्ता, मनोज कुमार साह, रुद्रानंद सिंह, ललन जायसवाल, मनोज साह रमेश सिंह, कृष्णा साह, अजय चैधरी ने कलश प्राप्त किया।

शिक्षक पर लाठी-डंडे और ईंट से हमला, घर में घुसकर दोबारा मारपीट का आरोप

बनमा ईटहरी (सहरसा) (एनएसबी)। थाना क्षेत्र के काशिमपुर टोलवा निवासी शशि कुमार राय ने गांव के कुछ लोगों पर अपने भाई सहायक शिक्षक संजय कुमार राय को रास्ते में घेरकर मारपीट करने, हथियार के बल पर धमकाने तथा घर में घुसकर दोबारा मारपीट करने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर उन्होंने बनमा ईटहरी थाना में लिखित आवेदन देकर नामजद आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। थाना में दिए आवेदन के अनुसार, संजय कुमार राय सोमवार की शाम करीब चार बजे विद्यालय से छुट्टी के बाद घर लौट रहे थे। इसी दौरान धान लगे खेत के पास कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इस दौरान हथियार के बल पर उन्हें धमकाया भी गया। आवेदन में बताया गया है कि शाम करीब पांच बजे आरोपित कथित रूप से उनके घर पर पहुंच गए और गाली-गलौज करते हुए फिर से मारपीट करने लगे। विरोध करने पर लाठी-डंडे और ईंट से हमला

करने का आरोप लगाया गया है। इसमें संजय कुमार राय के सिर में गंभीर चोट लगने की बात कही गई है। उन्हें बचाने पहुंची उनकी पत्नी के साथ भी मारपीट किए जाने का आरोप है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपित हथियार लहराते हुए घर में घुस गए और जान से मारने की धमकी दी। आवेदन में घर में रखे करीब एक लाख रुपये मूल्य के जेवरात ले जाने का भी आरोप लगाया गया है। गंभीर रूप से घायल संजय कुमार राय को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल सिमरी बख्तियारपुर ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल सहरसा रेफर कर दिया। आवेदन में एक आरोपित इंद्रजीत कुमार पर सोशल मीडिया फेसबुक पर हथियार का प्रदर्शन कर दबदबा बनाने का भी आरोप लगाया गया है। आवेदक ने पुलिस से मामले की जांच कर नामजद आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष कुंदन कुमार सहनी ने बताया कि मारपीट की घटना में दोनों पक्षों से लोग जख्मी हुए हैं। एक पक्ष की ओर से आवेदन प्राप्त हुआ है। मामले की जांच की जा रही है।

मेयर बैन प्रिया द्वारा बटरफ्लाई बीट्स डांस स्टूडियो का उद्घाटन, कलाकारों को बेहतर प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन देना एकमात्र उद्देश्य: विनय, विपुल बनर्जी

सहरसा शहर (एनएसबी)।नरियार रोड स्थित सहरसा डॉन बोस्को पब्लिक स्कूल मे डांस क्षेत्र में प्रतिभाओं के निखार के लिए नगर निगम के मेयर बैन प्रिया एवं नवहट्टा बीडीओ प्रिया भारती द्वारा संयुक्त रूप से बटरफ्लाई बीट्स डांस स्टूडियो का उद्घाटन रिबन काट कर किया गया।इस अवसर पर आमंत्रित अतिथियों नगर निगम मेयर,नवहट्टा बीडीओ, सुनील गुप्ता, अहिल्या देवी, संगम सिंह, दिनेश गुप्ता, राजू गुप्ता, मोहन साह, नीतू सिंह, मोनू झा, कुंदन वर्मा को सहरसा डॉन बोस्को पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर अनमोल गुप्ता, चेयरमैन इंजीनियर रवि कुमार, कोरियोग्राफर विनय बनर्जी एवं विपुल बनर्जी ने पुष्प गुच्छ, पाग एवं चादर से सम्मानित किया। इस अवसर पर मेयर ने अपने संबोधन में स्कूल के डायरेक्टर अनमोल गुप्ता, चेयरमैन इंजीनियर रवि कुमार एवं कोरियोग्राफर विनय एवं विपुल को डांस की विभिन्न विधाओं में प्रतिभाओं के निखार की दिशा में इस प्रकार के डांस स्टूडियो के शुभारंभ की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों एवं युवा जो डांस में रुचि रखते हैं। निःसंदेह लाभान्वित होंगे और उनकी प्रतिभाएं निखरेंगी। जिससे डांस के क्षेत्र में वो विभिन्न रियलिटी शो के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकेंगे। बीडीओ नवहट्टा ने शुभकामना व्यक्त करते हुए कहा कि सहरसा जैसे क्षेत्र में डांस के प्रति बच्चों एवं युवाओं में रुचि को देखते हुए उनके भविष्य के निर्माण में यह डांस स्टूडियो सहायक होगा। दुबई से एमबीए कर प्रोफेशनल सोच एवं एंटरप्रेन्योरशिप की भावना से निहित सहरसा डॉन बोस्को पब्लिक स्कूल के चेयरमैन इंजीनियर रवि कुमार एवं डायरेक्टर अनमोल गुप्ता ने कहा कि

उद्घाटन करती मेयर एवं नवहट्टा बीडीओ

इस डांस स्टूडियो का उद्देश्य प्रोफेशनल एवं प्रेरणादायक वातावरण में बच्चे एवं उभरते हुए कलाकार सीखते हुए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना टैलेंट दिखा सके। स्टार प्लस टीवी पर प्रसारित हुए रियलिटी शो डांस प्लस प्रो एवं सोनी टीवी पर प्रसारित हुए इंडियाज बेस्ट डांसर में भाग लिए तथा पुष्पा, पुष्पा 2, देवरा, साइलेंस 2 में मनोज वाजपेयी के साथ एवं रामो जी फिल्म सिटी में बतौर कोरियोग्राफर तथा अन्य विभिन्न सिनेमा में काम किये हुए कोरियोग्राफर विनय बनर्जी एवं विपुल बनर्जी ने कहा कि अपने शहर के बच्चों एवं उभरते हुए कलाकारों को बेहतर प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन देकर टीवी रियलिटी शो जैसे बड़े-बड़े मंचों तक पहुँचाना ताकि वे अपनी एक अलग पहचान बनाते हुए उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सके.उन्होंने कहा कि बटरफ्लाई बीट्स डांस स्टूडियो में बॉलीवुड, हिप-हॉप, सालसा, जुम्बा एवं फिटनेस, लिरिकल जैसे विभिन्न डांस स्टाइल का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उत्सव समिति के सदस्य के असामयिक निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित

सहरसा शहर (एनएसबी)। उत्सव समिति के सदस्य सोनू सिंह के असामयिक निधन पर विनोबा आश्रम पूरब बाजार स्थित उत्सव समिति कार्यालय में श्रद्धांजलि सह प्रार्थना सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामकुमार सिंह ने की, जबकि संचालन ज्योति कुमार सिंह ने किया। सभा में उपस्थित सदस्यों एवं गुरु परिवार के

श्रद्धालुओं ने स्व सोनू सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर ज्योति कुमार सिंह ने कहा कि सोनू सिंह का असमय चले जाना उत्सव समिति ही नहीं बल्कि पूरे गुरु परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। वे हमारे लिए केवल समिति के सदस्य नहीं बल्कि भाई के समान थे। उनके साथ बिताए पल, उनका सहज व्यवहार, सेवा भावना और सहयोग सदैव हम सभी की स्मृतियों में जीवित रहेगा। उन्होंने कहा कि सोनू सिंह के निधन से व्यक्तिगत रूप से भी उन्हें गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने कहा कि उत्सव समिति की प्रत्येक गतिविधि में सोनू सिंह की सक्रिय भागीदारी रही और वे हमेशा सेवा कार्यों में आगे रहते थे। उनके निधन से समिति ने एक समर्पित एवं आत्मीय साथी खो दिया है। समिति सदस्य विपल्व रंजन ने कहा कि सोनू सिंह का निधन अत्यंत पीड़ादायक है। इस कठिन घड़ी में उत्सव समिति एवं पूरा गुरु परिवार शोकाकुल परिवार के साथ खड़ा है। श्रद्धांजलि सभा में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। उपस्थित लोगों ने प्रभु से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। मौके पर उत्सव समिति के पंडित मनमोहन झा, विप्लव रंजन, अजीत कुमार प्रीतम, अमर किशोर पोद्दार, अन्नु कुमार सिंह, अजय कुमार सिंह, बमबम तिवारी, राजीव सिंह, राहुल सिंह, कुंदन कुमार साह, दीपक कुमार, सुभाष सिंह, हरे राम सिंह, सुनील सिंह, पियूष राज, अभिषेक सिंह, विजय सिंह एवं बड़ी संख्या में गुरु परिवार के श्रद्धालु उपस्थित

नशामुक्त भारत अभियान के तहत डीआईजी ने चलाया एकदिवसीय जागरूकता कार्यक्रम

सहरसा शहर (एनएसबी)। भारत सरकार द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है, जिसका थीम विकसित भारत के नशा मुक्त युवा है।मंगलवार को मध्य विद्यालय, रहुआमणि में इस अभियान के तहत एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में पुलिस उप-महानिरीक्षक, कोशी क्षेत्र कुमार आशीष भी उपस्थित हुये और वहां उपस्थित छात्र-छात्राओ तथा अभिभावको को नशा से दूर रहने हेतु प्रेरित किये। नशा से होने वाले दुष्प्रभावो से छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों एवं अन्य उपस्थित सभी व्यक्तियों को जागरूक किये। इस संबंध में वहां उपस्थित सभी लोगों को नशा मुक्त भारत अभियान के बारे में अवगत कराते हुये नशा मुक्ति हेतु शपथ दिलाया गया। पुलिस उप-महानिरीक्षक, कोशी क्षेत्र के द्वारा पूर्व से चलाये जा रहे ष्नशा मुक्त कोशीष अभियान से भी लोगों को अवगत कराये। वहां उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को उसे रोकने एवं नशा मुक्त कोशी अभियान के तहत जारी हेल्पलाईन 9060384865 की जानकारी देते हुये बताया गया कि इस हेल्पलाईन नं० पर नशा से संबंधित सूचना कॉल, मैसेज एव व्हाट्स एप के माध्यम से दी जा सकती है। सूचना देने वाले व्यक्तियों की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जायेगी। प्राप्त सूचना के विरूद्ध त्त्वरित कार्रवाई भी की जायेगी। डीआईजी कुमार आशीष ने कहा कि कोशी क्षेत्र पुलिस नशा मुक्ति हेतु प्रतिबद्ध है। कृपया सूचना दें,

शिवांगी जनरल स्टोर में चोरी, कैमरा व नकदी समेत हजारों का सामान ले गए चोर

सोनवषार्राज (सहरसा) (एनएसबी)। थाना क्षेत्र में चोरों ने एक जनरल स्टोर की दुकान के पीछे लगे चदरे को तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। घटना सोमवार की देर रात की बताई जा रही है। चोर दुकान में लगा वाई-फाई कैमरा, नकदी सहित हजारों रुपये मूल्य का सामान लेकर फरार हो गए। घटना के बाद दुकानदारों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार, नगर पंचायत सोनवषार्राज के हनुमान टोला निवासी मनीष कुमार की शिवांगी जनरल स्टोर एनएच-107 बायपास स्थित बजरंगबली मंदिर के समीप है। सोमवार की रात अज्ञात चोरों ने दुकान के पीछे लगे चदरे को तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद दुकान में लगा करीब चार हजार रुपये का वाई-फाई कैमरा, गल्ले में रखे करीब एक हजार रुपये नकद तथा हजारों रुपये मूल्य के अन्य सामान चोरी कर लिए। मंगलवार को घटना की जानकारी मिलने के बाद दुकानदार ने अपने स्तर से चोरों का पता लगाने का प्रयास किया, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका। इसके बाद उन्होंने सोनवषार्राज थाना में लिखित आवेदन देकर चोरी गए सामान की बरामदगी और घटना में शामिल चोरों की पहचान कर कार्रवाई करने की मांग की। इस संबंध में सोनवषार्राज थानाध्यक्ष नागमणि कुमार ने बताया कि चोरी की घटना को लेकर आवेदन प्राप्त हुआ है।

बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय का मूल गीत संस्कृत एवं बंगाली की मिश्रित भाषा में रचित है

सहरसा शहर (एनएसबी)।बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय विरचित भारत के राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम का मैथिली अनुवाद हेतु स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजेन्द्र मिश्र महाविद्यालय के प्राचार्य डा.गुलरेज रौशन रहमान ने अरविन्द कुमार मिश्र नीरज को पाग, चादर, पुष्पगुच्छ और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। सम्मान समारोह में पुर्व प्राचार्या .डा.रेणु सिंह, पुर्व प्राचार्य डा.ललित नारायण मिश्रा विभिन्न विभागों के सेवानिवृत्त प्राध्यापक डा.अशोक झा, डा.आशुतोष झा, डा.उर्मिला अड़ोरा एवं सेवानिवृत्त पुस्तकालयाध्यक्ष श्यामानंद झा मौजूद थे। प्राचार्य डा.गुलरेज रौशन रहमान ने कहा कि बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय का मूल गीत संस्कृत एवं बंगाली की मिश्रित भाषा में रचित है परन्तु स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय चेतना जगाने के लिए कई प्रमुख भारतीय और विदेशी भाषाओं में भी इसका अनुवाद किया गया। महान दार्शनिक अरबिंदो घोष ने इसका प्रसिद्ध अंग्रेजी अनुवाद डवजीमत, चतंपेम जीमम! शीर्षक से किया था जो नवंबर 1909 में ही प्रकाशित हो गया था।

सम्मानित करते महाविद्यालय के प्राचार्य

इसके अलावा डॉ.नरेशचंद्र सेनगुप्त ने आनंदमठ का अंग्रेजी अनुवाद किया था। तमिल के महान कवि सुब्रह्मण्यम भारती ने इसे तमिल भाषा में अनुवादित किया। जबकि तेलुगु कवि पंतलू द्वारा इसका तेलुगु भाषा में अनुवाद किया गया। अन्य भारतीय भाषाओं में मराठी, कन्नड़, गुजराती, हिंदी, मलयालम, ओड़िया, असमिया और पंजाबी में भी अनुवाद किया गया है। राजेन्द्र मिश्र महाविद्यालय के मैथिली विभाग के सेवानिवृत्त प्राध्यापक अरविन्द कुमार मिश्र नीरज उपाख्य कविजी द्वारा अब इसका मैथिली में अनुवाद महाविद्यालय के लिए गौरव है। राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डा.इन्द्रकांत झा ने कहा कि नीरज प्रारंभ से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी प्राध्यापक रहे हैं। मैथिली और हिंदी में इनकी कई महत्वपूर्ण रचनाएं हैं जिसमें मैथिली भाषा में इनके द्वारा रचित लक्ष्मीनाथ गोसाई महाकाव्य मैथिली भाषा के लिए एक मील का पत्थर है। अब इनके द्वारा वन्देमातरम् गीत का मैथिली अनुवाद एक महत्वपूर्ण साहित्यिक कार्य हो गया है। अरविन्द कुमार मिश्र नीरज ने बताया कि बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय द्वारा 1875 में रचित गीत वन्देमातरम को भारत के संविधान सभा द्वारा राष्ट्रीय गीत के रूप में अंगीकार के उपरांत उक्त गीत 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर के समय 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में संपूर्ण देश में जागृति अभियान का हिस्सा बना।

बोरने पंचायत में अधिकारियों ने मौके पर सुनीं समस्याएं

चौथम (एनएसबी)। प्रखंड क्षेत्र के पश्चिमी बोरने पंचायत स्थित रुपणी गांव के दुर्गा मंदिर परिसर में मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पंचायत क्षेत्र के बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर अपनी विभिन्न समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। शिविर का विधिवत उद्घाटन पंचायत की मुखिया सोनी देवी, अंचलाधिकारी रवि राज, प्रखंड विकास पदाधिकारी रंजीत कुमार, पंचायती राज पदाधिकारी प्रमथ मयंक, जीविका के बीपीएम राजेश कुमार तथा राजस्व अधिकारी प्रमोद कुमार समेत अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन के बाद विभिन्न विभागों से संबंधित काउंटरों पर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं और उनके समाधान की प्रक्रिया शुरू की गई। शिविर में सबसे अधिक मामले विभिन्न प्रकार की पेंशन, भूमि एवं राजस्व संबंधी कार्य, विद्युत समस्या तथा अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़े सामने आए। ग्रामीणों ने अपनी-अपनी समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों ने कई मामलों को मौके पर ही अनलाइन दर्ज कराया तथा पात्र लाभुकों को आवश्यक प्रक्रिया और दस्तावेजों की जानकारी देते हुए समाधान की दिशा में कार्रवाई की। अधिकारियों ने ग्रामीणों से कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करें और आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन करें। शिविर का उद्देश्य केवल शिकायतें सुनना नहीं, बल्कि संबंधित विभाग के माध्यम से समस्याओं को दर्ज कराकर उनके समाधान की प्रक्रिया को तेज करना भी है। इससे ग्रामीणों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिलने की उम्मीद है। पंचायती राज पदाधिकारी ने बताया कि सरकारी निर्देश के अनुसार पश्चिमी बोरने पंचायत में आयोजित शिविर के साथ ही चौथम प्रखंड की सभी पंचायतों में सहयोग शिविर का निर्धारित चक्र पूरा हो गया है। इससे पहले प्रखंड की अन्य पंचायतों में भी सिलसिलेवार तरीके से शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से पंचायत स्तर पर लोगों की समस्याओं को सुनने, उन्हें संबंधित विभाग तक पहुंचाने और यथासंभव मौके पर ही समाधान करने का प्रयास किया गया। जिन मामलों का तत्काल निष्पादन संभव नहीं था, उन्हें संबंधित विभाग के स्तर पर कार्रवाई के लिए भेजा गया है। पंचायती राज पदाधिकारी ने यह भी बताया कि सहयोग शिविर का आयोजन आगे भी सरकारी निर्देश और विभागीय आदेश के अनुसार किया जा सकता है। सरकार की ओर से पुनः निर्देश प्राप्त होने पर सभी पंचायतों में इसी तरह शिविर आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने की पहल की जाएगी। शिविर के दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं को संबंधित विभाग के समक्ष रखें और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक रहें। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों के कर्मियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौजूी रही।

शिविर में अधिकारी व अन्य।

मानव जीवन में कथा सुनना अत्यंत आवश्यक है : विधायक

पसराहा। थाना क्षेत्र के सोनडीहा गांव में नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन किया गया है, जहां भक्ति की अद्भुत बयार बह रही है। नाग पंचमी की शाम मूसलाधार बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ और भारी बारिश के बीच भी बड़ी संख्या में भक्तों ने कथा स्थल पर उपस्थित होकर सरल संत श्री नारायण दास जी महाराज के मुख से शिव महापुराण की कथा का रसपान किया। कथा के चौथे दिन परबत्ता विधायक बाबूलाल शौर्य विशेष रूप से सोनडीहा पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले कथा व्यास सरल संत श्री नारायण दास जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया और फिर भक्ति भाव से बैठकर शिव महापुराण की कथा का श्रवण किया। इस दौरान विधायक बाबूलाल शौर्य ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि मानव जीवन में कथा सुनना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि सावन के पवित्र महीने में शिव महापुराण की कथा सुनने से मनुष्य के जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं, मन को शांति मिलती है और भगवान शिव की असीम पा प्राप्त होती है, जिससे प्राणी भवसागर से तर जाता है। भारी बारिश और खराब मौसम के बावजूद कथा स्थल पर भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस धार्मिक अनुष्ठान में रामवृक्ष सिंह, पंचायत समिति सदस्य जयचंद्र कुमार, सरपंच प्रतिनिधि अंशु भारती, सियाराम सिंह, अरुण सिंह, संजीव कुमार, संजय सिंह, रामसेवक सिंह, प्रदीप ठाकुर, ड दिनेश कुमार, ड लक्ष्मण सिंह, अखिलेश कुमार और बबली सिन्हा सहित सैकड़ों की संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर कथा का आनंद लिया और क्षेत्र का वातावरण पूरी तरह से शिवमय हो गया।

-विधायक व अन्य।

पेपरलेस रजिस्ट्री के विरोध में कातिबों का असहयोगात्मक

गोगरी। बिहार में 17 अगस्त से लागू की गई पेपरलेस एवं डिजिटल रजिस्ट्री शुरू तो हो गयी है,लेकिन इस दो दिनों मे एक भी रजिस्ट्री नहीं हो पाई है। नई व्यवस्था के विरोध में दस्तावेज नवीस (कातिब) भी अनिश्चितकालीन आंदोलन पर चले गए हैं। पेपरलेस के कारण निबंधन कार्यालयों में जमीन की रजिस्ट्री का काम भी प्रभावित हो गया है। हालांकि कातिबों के हड़ताल पर रहने के कारण भी पहले दिन और दूसरे दिन नई व्यवस्था के तहत एक भी रजिस्ट्री नहीं हो सकी। कार्यालय पहुंचने वाले लोग भी प्रक्रिया को लेकर असमंजस में नजर आए। दस्तावेज नवीसों का कहना है कि वे डिजिटल व्यवस्था के विरोधी नहीं हैं, लेकिन नई प्रणाली में उनकी भूमिका, सेवा प्रदाता से जुड़े प्रावधान, डिजिटल हस्ताक्षर और वलेट रिचार्ज जैसी व्यवस्थाओं को स्पष्ट किया जाना चाहिए। विभाग की ओर से भी सर्विस प्रोवाइडर मड्यूल में तकनीकी खामियों की बात सामने आई है। कातिबों का कहना है कि पहले कागजी दस्तावेज तैयार होने के कारण विक्रेता और खरीदार जमीन से संबंधित सभी विवरणों को देख और समझ सकते थे। पेपरलेस व्यवस्था में तकनीकी गड़बड़ी और साइबर धोखाधड़ी की आशंका को लेकर भी उन्होंने चिंता जताई है। वहीं, सरकार का उद्देश्य रजिस्ट्री प्रक्रिया को डिजिटल, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाना है। कातिबों ने मांगें पूरी होने तक अपना असहयोग आंदोलन जारी रखने की बात कही है। ऐसे में आने वाले दिनों में रजिस्ट्री कराने पहुंचने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं रजिस्टार नवीन कुमार ने कहा की पेपरलेस के कारण लोग थोड़ा जागरूक कम हैं। हालांकि यह व्यवस्था बहुत ही अच्छी है। इस व्यवस्था से फायदा लोगों को पहुंचेगा।

नशामुक्त भारत अभियान को लेकर पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने ली नशामुक्ति की शपथ

खगड़िया। नशामुक्त भारत अभियान को लेकर मंगलवार को समाहरणालय परिसर में नशामुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला स्तरीय पदाधिकारीगण एवं कर्मीगण ने भाग लेते हुए जिले, राज्य एवं देश को नशामुक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने की शपथ ली। इस अवसर पर विशेष कार्य पदाधिकारी विवेक सुगंध, मद्यनिषेध अधीक्षक मोहम्मद सत्तार अंसारी सहित जिले के अन्य पदाधिकारीगण एवं कर्मीगण उपस्थित रहे। शपथ के दौरान कहा गया

शपथ लेते कर्मी।

शपथ लेते कर्मी।

कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा एवं शक्ति के प्रतीक होते हैं तथा समाज एवं देश के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान होता है। नशामुक्त भारत अभियान के तहत सभी ने स्वयं को नशे से दूर रखने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों एवं समुदाय को भी नशे से दूर रखने के लिए जागरूकता फैलाने एवं हर संभव प्रयास करने का संकल्प लिया। सभी ने प्रतिज्ञा की कि अपने जिले, राज्य एवं देश को नशामुक्त रखने में अपनी क्षमता के अनुसार हर संभव प्रयास करेंगे तथा समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक संकल्प को मजबूत करना तथा आमजन, विशेषकर युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना रहा।

सहयोग शिविर में एक छत के नीचे लोगों की समस्याओं का समाधान

परबत्ता (एनएसबी)। प्रखंड के दरियापुर भेलवा पंचायत भवन में मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ पंचायत के मुखिया रामविनय कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार पंडित, अंचलाधिकारी हरिनाथ राम सहित अन्य अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद राष्ट्रीय गीत के साथ शिविर की विधिवत शुरुआत हुई। शिविर में करीब एक दर्जन विभागों के काउंटर लगाए गए थे। इन काउंटरों पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं एवं शिकायतें दर्ज कराईं। विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों ने लोगों की समस्याओं को सुनते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक जानकारी एवं प्रक्रिया से अवगत कराया। इस अवसर पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, सह प्रखंड कल्याण पदाधिकारी रजनीश कुमार, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी विलास कुमार, जिला श्रम अधीक्षक उमेश राय, पंचायत सचिव प्रफुल्ल कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। मुखिया रामविनय कुमार ने कहा कि सहयोग शिविर का मुख्य उद्देश्य पंचायत के लोगों को सरकारी योजनाओं एवं विभागीय सेवाओं का लाभ आसानी से उपलब्ध कराना है। ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े, इसी उद्देश्य से पंचायत स्तर पर शिविर लगाया गया है। वहीं बीडीओ संतोष कुमार पंडित ने कहा कि शिविर में प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है। संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को समस्याओं के निष्पादन के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

अधिकारी व अन्य।

संक्षिप्त खबरें

पीड़ित ने मां-बेटी के खिलाफ थाना में किया शिकायत

बेलदौर। थाना क्षेत्र के बलैठा पंचायत अन्तर्गत डुमरी पंचायत के वार्ड नंबर दो उसराहा गांव निवासी मालो महतो के 46 वर्षीय पत्नी रत्तो देवी ने थाना अध्यक्ष को आवेदन देकर अपने ही गांव के मां-बेटी को नामजद अभियुक्त बनाते हुए मारपीट कर घायल कर जेवरात छीन लेने की शिकायत की है। आवेदिका के मुताबिक नामजद टुनटुन महतों के पत्नी पिंकी देवी के यहां उसका एक हजार रुपये बकाया था। जिसे मांगने पर नाराज हो नामजद एवं उसकी मां ने गाली गलौज करते हुए पति-पत्नी के साथ ही पुत्र गौतम कुमार को मारपीट कर घायल कर आवेदिका के नाक एवं कान में पहने सोने की नकमुन्नी एवं कानबाली छीन ली। आवेदन के आलोक में पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मृतक के तीन साल का पुत्र ढूढ़ रहा है अपने पिता को

बेलदौर। थाना क्षेत्र में बीते रविवार की देर रात हुए एक भीषण सड़क हादसे ने तीन परिवारों की खुशियां उजाड़ दीं। दो बाइकों के बीच हुई आमने-सामने की जोरदार टक्कर में बेलदौर नगर पंचायत निवासी महादेव शर्मा के 30 वर्षीय पुत्र काजू कुमार समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में पिपरा वासा गांव के भी दो युवक शामिल हैं।हादसे के बाद मृतक काजू कुमार के घर में मातम छाया हुआ है। इस पूरे हादसे का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि काजू का महज 3 साल का मासूम बेटा युवराज कुमार लगातार अपने पिता को ढूंढ रहा है। वह बार-बार अपनी तुतलाती आवाज में पूछ रहा है, पापा काम पर गए हैं, कब आएंगे। मासूम के इस मासूमियत भरे सवाल को सुनते ही उसकी मां फूट-फूटकर रो पड़ती हैं और बेसुध हो जाती हैं। काजू की पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है और आंखों के आंसू तक सूख चुके हैं। बिलखते हुए वह बस यही कहे जा रही हैं, यदि वह डाक बम के सेवा में नहीं जाते, तो आज उनकी जान नहीं जाती। इस ट्रिपल एक्सीडेंट के बाद पूरे इलाके में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जमीन पर जबरण कब्जा करने की किया षिकायत

बेलदौर। थाना क्षेत्र के नारदपुर गांव में दबंगों के हौसले इतने बुलंद हैं कि एक 52 वर्षीय महिला की पुश्तैनी जमीन पर जबरन कब्जा कर घर बना लिया गया है। न्याय पाने के लिए पीड़िता पिछले पांच महीनों से अंचल और थाना कार्यालय के चक्कर लगा रही है। मामला बलैठा मौजा का है। नारदपुर निवासी राम महतो की 52 वर्षीय पत्नी रंजन देवी ने बेलदौर थाना अध्यक्ष और अंचलाधिकारी को लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। आवेदन में पीड़िता के द्वारा कहा गया है कि बलैठा मौजा थाना नंबर 150, खाता संख्या 2, खेसरा संख्या 92 में स्थित 8 डिसमिल जमीन केवाला के माध्यम से खरीदी गई थी। पीड़िता का आरोप है कि गांव के ही दबंग प्रवृत्ति के व्यक्ति बालो साह ने उनकी इस जमीन पर दबंगई के बल पर जबरन चदरा का घर डालकर अवैध कब्जा कर लिया है। रंजन देवी ने बताया कि इस संबंध में उन्होंने करीब पांच माह पूर्व ही अंचल और पुलिस प्रशासन को लिखित शिकायत दी थी। इसके बावजूद आज तक कोई ठोस प्रशासनिक कार्रवाई नहीं की गई। इधर, बेघर हुई पीड़िता न्याय की आस में दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है।

नागेश्वर बृजवासनी बालिका उच्च विद्यालय में छात्राओं को किया गया पुरस्कृत

गोगरी। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत लक्ष्मी नगर हाट स्थित नागेश्वर बृजवासनी बालिका उच्च विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्त किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अभिषेक सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं ने परेड, राष्ट्रीय गीत एवं भाषण सहित विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया था । इस अवसर पर छात्राओं मे उमा भारती, रिमझिम, ज्योति, आइसा, अस्मिता, वर्षा, नेहा, रानी, शालु, शहनाज, रूबी, संगीता, जूली, शिवानी, ऋषिका, आलिशा, फातमा एवं राफिया सहित अन्य छात्राओं को उनके उत्ष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्त किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक दिलीप कुमार चौधरी, उमेश, आशीष, सचिन, गुड्डू, विनय, अभिषेक दुबे, विकास एवं रंजू सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे। शिक्षकों ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्राओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और देशभक्ति की भावना विकसित होती है।सभी छात्राएं इसी तरह इन सभी कार्यक्रम मे भाग लेती रहें उन्हें सम्मानित कर उत्साह बढ़ाया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

श्री गुरु संत रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर 19 एवं 20 अगस्त को जिले के महादलित टोलों में निकलेगी कलश यात्रा

खगड़िया। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बिहार महादलित मिशन, बिहार, पटना के निर्देश के आलोक में श्री गुरु संत रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर जिले में "समरसता संकल्प अभियान" आयोजित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 18 अगस्त से 15 फरवरी 2027 तक जिले के सभी अनुसूचित जाति टोलों में निर्धारित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। समरसता संकल्प अभियान के तहत 19 एवं 20 अगस्त को जिले के सभी महादलित टोलों में "कलश यात्रा" का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। कलश यात्रा के सफल संचालन के लिए 'जिला कल्याण पदाधिकारी रत्नेश कुमार सिंह' को नोडल पदाधिकारी तथा 'जिला कला एवं संस्ति पदाधिकारी घनश्याम कुमार को सहायक नोडल पदाधिकारी नामित किया गया है। दोनों पदाधिकारियों को कार्यक्रम की सभी आवश्यक तैयारियां ससमय पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया है। जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र के सभी महादलित टोलों में निर्धारित तिथि को कलश यात्रा का आयोजन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया है। वहीं, सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों को संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर रूट मैप तैयार करने एवं कार्यक्रम के सुगम संचालन की जिम्मेदारी दी गई है। कार्यक्रम में जीविका दीदियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, प्रभारी पदाधिकारी, जिला विकास शाखा एवं कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद्, खगड़िया को जनप्रतिनिधियों, विशेषकर बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति एवं नागरिक परिषद् के सदस्यों को कलश यात्रा में शामिल होने हेतु अनुरोध करने का निर्देश दिया गया है। कलश यात्रा के दौरान विधि-व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था को लेकर भी जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारियों एवं थानाध्यक्षों को आवश्यकतानुसार दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कर विधि-व्यवस्था संधारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। वहीं, पुलिस उपाधीक्षक, यातायात को निर्धारित मार्ग पर यातायात सुगमता बनाए रखने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। जिला परिवहन पदाधिकारी को आवश्यकतानुसार वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा सभी प्रखंडों के वरीय पदाधिकारियों को संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

रथ यात्रा की तैयारी करते लोग।

अपनी कलात्मक अभिक्षमता को विकसित करे विद्यार्थी : रवि

गोगरी। के.डी.एस. कलेज, गोगरी में स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा महाविद्यालय की प्रथम पत्रिका भावाभिवयंजना का लोकार्पण भी किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य की अध्यक्षता में सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर प्राचार्य ड़ रोशन रवि ने अपने संबोधन में महाविद्यालय के सभी संस्थापक सदस्य महाविद्यालय को दान देने वाले सभी जमीनदाता का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि इन लोगों ने महाविद्यालय की स्थापना में योगदान देकर बेहद महत्वपूर्ण समाजिक कार्य किया है। उन्होंने वर्तमान में कार्यरत सभी शिक्षक ड. करुणेश केशव, वैभव निकेत शांडिल्य, ड पंकज कुमार, ड वर्षा किरण, ड अनिल ठाकुर, ड वजीफा फातिमा, ड़ स्मृति कुमारी और शिक्षकेत्तर कर्मचारी इंद्रदेव मंडल, पंकज कुमार, अमित कुमार, बबलू कुमार, पवन कुमार यादवेश को भी महाविद्यालय के सफल संचालन के लिए धन्यवाद दिया ।उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यहां पढ़ने वाले सभी छात्र एवं छात्राएं युवा शक्ति के रूप में एकत्रित हुए हैं। युवा शक्ति किसी भी समाज और राष्ट्र के वर्तमान दशा और दिशा को निर्धारित कर सकता है और परिवर्तित भी कर सकता है, इसीलिए आपको अपनी ताकत को पहचानने की आवश्यकता है, आत्मचिंतन और आत्म मूल्यांकन के द्वारा ही आप अपनी ताकत को पहचान सकते हैं और उसका इस्तेमाल बेहतर तरीके से कर सकते हैं और अपने आत्मविश्वास को बढा सकते हैं। आप सभी विद्यार्थियों को मैं फिर से कहना चाहता हूं कि अपनी इच्छा शक्ति को मजबूत बनाऐं। थोड़ी सी असफलता से आप घबरा जाते हैं और सफलता प्राप्त करने के लिए कोई शर्टकट अपनाने लगते हैं अथवा कोई गलत कार्य करना प्रारंभ कर देते हैं। यह कहीं से भी उचित नहीं है। आपको यह समझना होगा आपके जीवन में मिलने वाली असफलताएं आपके जीवन का मात्र एक हिस्सा है पूरा जीवन नहीं है। आपका जीवन सफलता और सफलता के क्रम से लगातार चलता रहेगा। इसीलिए असफलता से घबराना नहीं है, और सफलता प्राप्त होने पर बहुत ज्यादा अहंकार उत्साहित होने की आवश्यकता नहीं है। हमें अपने जीवन में सफलता और सफलता को स्वीकार करने की आवश्यकता है तभी हम बेहतर जिंी जी सकते हैं।प्राचार्य संबोधन के बाद विभिन्न राज्यों की सांस्तिक विविधता को महाविद्यालय की छात्राओं ने भिन्न-भिन्न पोशाक के द्वारा रैंप वाक के द्वारा प्रदर्शित किया। महाभारत नाटक के माध्यम से द्रोपदी के साथ हुए अन्याय को दिखाते हुए इसे वर्तमान परिप्रेक्ष्य से जोड़ने का प्रयास किया गया। नशा मुक्ति अभिनय के द्वारा विद्यार्थियों ने संदेश देने की कोशिश की किस तरह से नशा युवाओं के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहा है साथ ही साथ समाज के लिए खतरा भी पैदा कर रहा है। भिक्षुक नाटक के माध्यम से एक व्यक्ति के भिक्षुक बनने के लिए नशा को जिम्मेदार बताया गया है। विभिन्न क्षेत्रों के शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत के माध्यम से लोगों को अपनी संस्ति से जोड़ने का प्रयास किया गया, साथ ही साथ विद्यार्थियों ने अपनी अभिनय कला के माध्यम से लोगों को साकारात्मक संदेश देने का भी प्रयास किया गया। लव यू बिहार गाने के माध्यम से बिहार की संस्ति को बेहतर तरीके से प्रस्तुत किया गया है। लोक संस्ति से जुड़े हुए विभिन्न अभिनय कला की प्रस्तुति महाविद्यालय के छात्र और छात्राओं के द्वारा दिया गया। हरियाणवी गीत पर मनमोहक प्रस्तुति महाविद्यालय के छात्राओं के द्वारा दी गई। सांस्तिक कार्यक्रम का मंच संचालन उगन, अंकिता और रेवती ने किया।

पर्चा-बंदोबस्ती के नाम पर 16 हजार रुपये वसूली का आरोप, दो दर्जन महिलाओं ने की शिकायत

परबत्ता। प्रखंड क्षेत्र के सौढ़ उत्तरी पंचायत अंतर्गत सतीशनगर के वार्ड संख्या छह में सरकारी भूमि पर भूमिहीनों को बसाने के लिए पर्चा व बंदोबस्ती कराने के नाम पर कथित अवैध वसूली का मामला सामने आया है। वार्ड छह के वार्ड सदस्य मुरारी मंडल पर भूमिहीन लोगों से कथित रूप से प्रति व्यक्ति 16 हजार रुपये लेने तथा कई अन्य लाभुकों से भी इतनी ही राशि की मांग करने का आरोप लगाया गया है। मामले को लेकर करीब दो दर्जन महिलाओं ने अंचलाधिकारी हरिनाथ राम को लिखित आवेदन देकर निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है।शिकायतकर्ताओं में रिमझिम कुमारी, ललिता देवी, सुमित्रा देवी, बुधो देवी, सुनीता देवी और कंचन देवी समेत अन्य महिलाएं शामिल हैं। आवेदन में कहा गया है कि सरकारी भूमि पर भूमिहीन परिवारों को बसाने के लिए पर्चा व बंदोबस्ती का लाभ दिलाने के नाम पर मुरारी मंडल द्वारा कथित रूप से 16 हजार रुपये की राशि ली गयी। वहीं, कुछ अन्य भूमिहीन व्यक्तियों से भी राशि की मांग किए जाने का आरोप लगाया गया है। महिलाओं ने इसे गरीब एवं भूमिहीन परिवारों के साथ गंभीर अन्याय बताते हुए मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। शिकायत में कहा गया है कि यदि सरकारी योजना का लाभ दिलाने के नाम पर ही गरीबों से पैसे लिये जाएंगे, तो जरूरतमंद परिवार सरकारी व्यवस्था पर कैसे भरोसा करेंगे। आवेदकों ने भविष्य में पर्चा-बंदोबस्ती के नाम पर किसी भी प्रकार की अवैध राशि की मांग पर रोक लगाने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने की भी मांग की है। इधर, अंचलाधिकारी हरिनाथ राम ने बताया कि शिकायतकर्ताओं का लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है। आवेदन को स्वीकार कर लिया गया है। मामले की जांच-पड़ताल के बाद तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई की जायेगी।

संक्षिप्त खबरें

शिविर के नाम पर महज खानापूर्ति

दनियावां । प्रखंड में सहयोग शिविर के नाम पर महज खानापूर्ति हो रही है ।ग्रामीणों के द्वारा शिविर में जमा किए गए आवेदनों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। यहां तक कि शिविर आयोजन की कोई पूर्व सूचना या प्रचार प्रसार नहीं की जा रही है ।यह आरोप भाजपा के दनियावां प्रखंड अध्यक्ष रवि प्रकाश ने लगाया है ।उन्होंने मंगलवार को बताया कि तोप गांव में आयोजित आज के शिविर में कोई भी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित नहीं थे ।जिसके कारण बहुत कम लोगों की उपस्थिति रही।

एक ही रात चार घरों में चोरी

दनियावां। शाहजहांपुर थाना क्षेत्र के हसनपुर और हरिनगर गांवों में सोमवार की रात चार बंद घरो को चोरों ने निशाना बनाया ।इनमें हसनपुर गांव के नौलाख सिंह,अखिलेश सिंह और अजय सिंह के बंद घरो के ताला को तोड़कर चोरों ने घर में रखी परिसम्पत्तियों को निशाना बनाया ।वहीं हरिनगर निवासी प्रपर्टी डीलर शैलेश कुमार के बंद घर को तीसरी बार चोरों ने निशाना बनाया है ।सभी घटना की जानकारी मंगलवार की सुबह घर के आसपास के लोगों को हुई ।जिसके बाद गृह स्वामी को घटना की सूचना दी गई।

ब्लैकलिस्टेड कंपनी को मिला काम, बुडको ने रद्द किया उमानाथ सीढ़ी घाट निर्माण

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश) । उमानाथ सीढ़ी घाट के निर्माण को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। बुडको ने घाट निर्माण का कार्य रद्द कर दिया है। बताया जा रहा है कि निर्माण का जिम्मा जिस कंपनी को दिया गया था, वह पहले से ब्लैकलिस्टेड थी। मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर भी सवाल उठते रहे थे। निर्माण कार्य में अनियमितता और चयन प्रक्रिया को लेकर बाढ़ विधायक ड़ सियाराम सिंह ने विधानसभा में सवाल उठाया था। विधायक ने सरकार से मामले में स्थिति स्पष्ट करने तथा घाट निर्माण की प्रक्रिया को दुरुस्त कराने की मांग की थी ।अब बुडको द्वारा निर्माण कार्य रद्द किए जाने के बाद उमानाथ घाट के विकास की नई प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद जगी है। सावन समेत अन्य पर्वो पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती है। ऐसे में सुरक्षित और व्यवस्थित सीढ़ी घाट का निर्माण स्थानीय लोगों के साथ श्रद्धालुओं के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सशक्त स्थायी समिति की बैठक नहीं, सदस्यों ने पद खत्म करने की उठाई मांग

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश) । नगर परिषद बाढ़ की सशक्त स्थायी समिति के निर्वाचित सदस्यों ने समिति की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसके निर्वाचित सदस्य पद को समाप्तधविलोपित करने की मांग की है। इस संबंध में सशक्त स्थायी समिति सदस्य देव राज शर्मा, रिंकु देवी और संजय प्रसाद ने नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव को पत्र भेजा है। 15 अगस्त 2026 को जारी पत्र में सदस्यों ने कहा है कि निर्वाचन एवं शपथ ग्रहण के करीब 80 दिन बीत जाने के बावजूद सशक्त स्थायी समिति की एक भी बैठक नहीं बुलाई गई है। आरोप है कि नगर परिषद के महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय, निविदाओं का चयन एवं निष्पादन, योजनाओं के चयन तथा भुगतान जैसे कार्यो में समिति सदस्यों को शामिल नहीं किया जा रहा है। सदस्यों ने बिहार नगर पालिका अधिनियम के प्रावधानों का हवाला देते हुए कहा कि यदि समिति को उसके अधिकारों और बैठकों से संबंधित जिम्मेदारियों में कोई भूमिका नहीं दी जा रही है, तो ऐसे पद के अस्तित्व का औचित्य ही नहीं रह जाता। पत्र के माध्यम से विभाग से मामले में हस्तक्षेप कर उचित कार्रवाई की मांग की गई है।

पंचायत विकास को लेकर विशेष बैठक

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश) । प्रखंड में पंचायतों के समुचित विकास और विभिन्न विकास योजनाओं को गति देने को लेकर मंगलवार को विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपेंद्र पासवान,प्रखंड प्रमुख, अमित कुमार,पंचायती राज पदाधिकारी, अंजू कुमारी,बीडीओ सहित पंचायत समिति के सदस्य मौजूद रहे ।बैठक में पंचायत स्तर पर संचालित विकास कार्यो की प्रगति, योजनाओं के क्रियान्वयन तथा जनहित से जुड़े कार्यो को प्राथमिकता देने पर चर्चा की गई ।अधिकारियों ने पंचायत प्रतिनिधियों से योजनाओं की निगरानी और कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। पंचायत समिति सदस्यों ने भी क्षेत्र की समस्याओं और विकास कार्यो से संबंधित मुद्दे बैठक में रखे। अधिकारियों ने आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

पुलिस की मौजूदगी में जमीन विवाद को लेकर भिड़े दो पक्ष, जमकर हुई नोकझोंक

जमालपुर(मुंगेर) (एनएसबी)। जमालपुर थाना क्षेत्र के बड़ी दरियापुर बस्ती में जमीनी विवाद को लेकर मंगलवार को दो पक्षों के बीच जमकर नोकझोंक हुई। विवादित स्थल पर पुलिस की मौजूी के बावजूद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए, जिससे कुछ देर के लिए वहां तनाव की स्थिति बनी रही। मौके पर पहुंचे पुलिस पदाधिकारी ने दोनों पक्षों को शांति बनाए रखने की हिदायत देते हुए मामले को थाना स्तर पर रखने की बात कही।रंजू देवी ने जमालपुर थाना में लिखित आवेदन देकर आरोप लगाया है कि पड़ोस की मंजू देवी, उनके पुत्र राजा एवं आयुष सहित कुछ अन्य सहयोगियों द्वारा उनकी जमीन पर ईंट रखकर जबरन रास्ता बंद करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने थाना अध्यक्ष से

विवादित स्थल पर जांच करती जमालपुर पुलिस।

निर्माण कार्य पर रोक लगाने तथा मामले में कार्रवाई की गुहार लगाई।महिला के आवेदन पर जमालपुर थानाध्यक्ष पंकज कुमार पासवान ने पुलिस गश्ती दल को विवादित स्थल पर भेजकर विधि-व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया। पुलिस के पहुंचने के बाद भी दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने हो गए और एक-दूसरे से नोकझोंक करने लगे। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस पदाधिकारी ने दोनों पक्षों को समझाते हुए शांति बनाए रखने की अपील की।बताया जाता है कि इस जमीनी विवाद को लेकर मंजू देवी ने पूर्व में जनता दरबार में भी मामला रखा था। इसी क्रम में 8 अगस्त को सीओ प्रीति कुमारी एवं जमालपुर थानाध्यक्ष विवादित स्थल पर पहुंचकर दोनों पक्षों के बीच मामले को सुलझाने का प्रयास कर चुके हैं। इसके बावजूद विवाद का समाधान नहीं हो सका। अब मामला और गहराने से स्थानीय स्तर पर विधि-व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। पुलिस दोनों पक्षों के आवेदन एवं जमीन से संबंधित दस्तावेजों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

प्रचार-प्रसार के अभाव में सहयोग शिविर कागज पर सिमटा

जमालपुर (मुंगेर)। सरकार की ओर से आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे सहयोग शिविर प्रचार-प्रसार के अभाव में अपनी सार्थकता खोते नजर आ रहे हैं। प्रखंड क्षेत्र के परहम पंचायत स्थित मध्य विद्यालय में आयोजित सहयोग शिविर में भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। शिविर में प्रखंड के तमाम पदाधिकारी एवं पंचायत के मुखिया मौजूद रहे, लेकिन आम जनता की भागीदारी नगण्य रही।स्थानीय लोगों का कहना है कि सहयोग शिविर के आयोजन की जानकारी पंचायत के अधिकांश लोगों तक समय पर नहीं पहुंच सकी। प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों की ओर से शिविर को लेकर व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार नहीं किए जाने के कारण जरूरतमंद लोग अपनी समस्याओं को लेकर शिविर तक नहीं पहुंच पाए। ऐसे में जिस उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया गया, वह पूरी तरह धरातल पर उतरता नजर नहीं आया।ग्रामीणों का कहना है कि यदि शिविर की तिथि और स्थान की जानकारी गांव के टोले-मोहल्लों तक पहुंचाई जाती तथा माइकिंग, पर्चा वितरण एवं अन्य माध्यमों से प्रचार-प्रसार किया जाता तो बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंच सकते थे।सरकार की मंशा है कि स्थानीय स्तर पर ही लोगों की समस्याओं का समाधान हो और उन्हें विभिन्न कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़े। लेकिन प्रचार-प्रसार के अभाव में सहयोग शिविर महज औपचारिकता बनकर रह जाने का खतरा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आगामी शिविरों के पूर्व व्यापक प्रचार-प्रसार कराने की मांग की है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

चौक-चौराहों पर खुलेआम लॉटरी जुआ और ब्राउन शुगर का कारोबार

जमालपुर(मुंगेर)। शहर में अपराध का ग्राफ आखिर क्यों बढ़ रहा है चौक-चौराहों और विभिन्न इलाकों में कथित रूप से चल रहे अवैध लटरी, जुआ और ब्राउन शुगर के कारोबार को लेकर अब यह सवाल आम लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जमालपुर थाना क्षेत्र में शराब के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करती है, लेकिन लटरी, जुआ और नशीले पदार्थों के कथित अड्डों पर अपेक्षित कार्रवाई नजर नहीं आती। लोगों का कहना है कि इन अवैध कारोबारों के कारण युवा वर्ग के साथ मजदूर और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लोग भी प्रभावित हो रहे हैं। नशे और जुए की लत में पड़कर कई लोग आर्थिक तंगी का शिकार हो रहे हैं। आरोप है कि इसी कारण चोरी और छिनतई जैसी घटनाओं को भी बढ़ावा मिल रहा है।पिछले 15 दिनों में जमालपुर थाना क्षेत्र में करीब छह स्थानों पर चोरी की घटनाएं सामने आने की बात कही जा रही है। वहीं पिछले छह माह के दौरान थाना क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक चोरी की घटनाएं होने का दावा किया जा रहा है। इनमें दौलतपुर स्थित किराये के मकान में रह रहे जमालपुर थाना के अपर थानाध्यक्ष टीपू सुल्तान के आवास में हुई चोरी भी शामिल है। इस मामले का अब तक खुलासा नहीं होने को लेकर भी पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। इसके अलावा कई अन्य चोरी की घटनाओं का भी पुलिस अब तक उद्भेदन नहीं कर सकी है।स्थानीय लोगों का कहना है कि अपराध पर अंकुश लगाने के लिए केवल शराब के खिलाफ कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। पुलिस को लटरी, जुआ और ब्राउन शुगर के कथित अवैध कारोबार के खिलाफ भी सख्त अभियान चलाना चाहिए। जनता का सवाल है कि यदि ये कारोबार खुलेआम संचालित हो रहे हैं तो पुलिस इन पर प्रभावी कार्रवाई कब करेगी।

सहयोग शिविर का आयोजन

जनता की समस्याओं को लेकर गंभीर दिखीं मुख्य पार्षद

जमालपुर (मुंगेर)। नगर परिषद क्षेत्र के हरी सभा परिसर में मुख्य पार्षद पार्वती देवी की अध्यक्षता में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। इसमें कार्यपालक पदाधिकारी विजयशील गौतम सहित नगर परिषद के पदाधिकारी और वार्ड पार्षद मौजूद रहे। शिविर में वार्ड की जनता ने नाली, गली, साफ-सफाई और स्ट्रीट लाइट से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से रखा।जनता ने कहा

सहयोग शिविर में लोगों की समस्याएं सुनतीं मुख्य पार्षद व पदाधिकारी।

कि कई जगह नालियों की नियमित सफाई नहीं होने से जलजमाव की स्थिति बनी रहती है। वहीं, कुछ गलियों की स्थिति खराब होने और कई स्थानों पर स्ट्रीट लाइट खराब रहने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोगों ने संबंधित समस्याओं का जल्द समाधान कराने की मांग की।मुख्य पार्षद पार्वती देवी ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही कार्यपालक पदाधिकारी विजयशील गौतम के साथ संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान नगर परिषद की प्राथमिकता है। शिकायतों का स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी न हो।इसके पूर्व सहयोग शिविर में पहुंचीं मुख्य पार्षद का वार्ड पार्षद एवं स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। शिविर में वार्ड पार्षद आलोक कुमार, वीरेंद्र गुप्ता,राजीव कुमार, कैलाश सिंह, सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद थे।

ट्रेनों की लेटलतीफी से कांवरिया परेशान

गरीब रथ तीन घंटे तो हावड़ा-जयनगर डेढ़ घंटे विलंब से चली

जमालपुर (मुंगेर)। श्रावणी मेला के दौरान बोल बम जाने वाले कांवरियों को ट्रेनों की लेटलतीफी ने परेशान कर दिया। जमालपुर स्टेशन से गुजरने वाली कई महत्वपूर्ण ट्रेनें अपने निर्धारित समय से विलंब से चलीं। इस कारण आम यात्रियों के साथ कांवरियों को भी प्लेटफार्म पर घंटों ट्रेन का इंतजार करना पड़ा। ट्रेन के इंतजार में कांवरिया इधर-उधर भटकते नजर आए। वहीं, स्टेशन की लचर यात्री सुविधाओं के कारण कई कांवरिया फर्श पर

प्लेटफार्म पर परेशान कांवरिया।

बैठकर ट्रेन आने की प्रतीक्षा करते दिखे।सबसे अधिक परेशानी डन गरीब रथ के यात्रियों को हुई। यह ट्रेन करीब तीन घंटे विलंब से चली। हावड़ा-जयनगर एक्सप्रेस डेढ़ घंटे, कामाख्या-गया एवं टाटा-गोड्डा एक्सप्रेस करीब एक-एक घंटे तथा मालदा-किउल पैसेंजर 50 मिनट विलंब से चली। डन विक्रमशिला और डन ब्रह्मपुत्र मेल करीब 40 और 30 मिनट विलंब से चली।इसके अलावा भागलपुर-दानापुर इंटरसिटी, हावड़ा-जमालपुर, पटना-दुमका एक्सप्रेस ,दानापुर-साहिबगंज इंटरसिटी,बांका-राजेंद्र नगर एक्सप्रेस,गुवाहाटी-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस,फरक्का मालदा-पटना तथा आप विक्रमशिला विलंब से चली।इधर यात्रियों एवं कांवरियों की सुरक्षा को लेकर प्लेटफार्म पर रेल पुलिस और आरपीएफ के जवान व पदाधिकारी अलर्ट नजर आए। जवान लगातार भीड़ पर नजर रखते दिखे।

एक ऐसी सड़क, जहां सालों भर जमा रहता है नाले का गंदा पानी

समस्या के निदान को लेकर वार्ड पार्षद व नगर प्रशासन गंभीर नहीं

जमालपुर (मुंगेर) (एनएसबी)। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर एक एवं आठ को जोड़ने वाली चौती दुर्गा-दौलतपुर सड़क इन दिनों नाले के गंदे पानी की समस्या से जूझ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर सालों भर नाले का गंदा पानी जमा रहने के कारण आवागमन मुश्किल हो गया है। इसके बावजूद समस्या के स्थायी समाधान को लेकर न तो वार्ड पार्षद गंभीर नजर आ रहे हैं और न ही नगर परिषद प्रशासन की ओर से ठोस पहल की जा रही है।सड़क पर गंदा पानी जमा रहने के कारण राहगीरों, स्कूली बच्चों और स्थानीय वार्डवासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी रास्ते से मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं का भी आवागमन होता है। सड़क पर जमा गंदे पानी से होकर गुजरने के दौरान लोगों को

चौती दुर्गा-दौलतपुर सड़क पर जमा नाले का गंदा पानी।

परेशानी के साथ-साथ संक्रमण का खतरा भी बना रहता है।स्थानीय लोगों के अनुसार, नाले के पानी की निकासी की समस्या को लेकर कई बार वार्ड पार्षद और नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को लिखित एवं मौखिक रूप से शिकायत की गई। इसके बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। जलजमाव के कारण सड़क की स्थिति भी लगातार खराब होती जा रही है।वार्डवासी मनीष मंडल, राजेश कुमार, सदानंद मंडल, वाल्मीकि मंडल, राजेश कुमार साहू, विपिन मंडल, संजय मंडल सहित अन्य लोगों ने नगर परिषद की मुख्य पार्षद पार्वती देवी से सड़क पर जमा नाले के गंदे पानी की निकासी की व्यवस्था कराने तथा समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो बरसात के दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

संक्षिप्त खबरें

एक परिसर, एक तिरंगा, एकता का संदेश : राणा विगहा ने पेश की मिसाल

उच्च माध्यमिक व मध्य विद्यालय के प्रधानों ने आपसी सूझबूझ से लिया संयुक्त ध्वजारोहण का निर्णय

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। स्वतंत्रता दिवस केवल राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि एकता, सौहार्द और आपसी समन्वय का प्रतीक भी है। इसी भावना को धरातल पर उतारते हुए बाढ़ प्रखंड के उच्च माध्यमिक विद्यालय राणा विगहा एवं मध्य विद्यालय राणा विगहा ने संयुक्त ध्वजारोहण का निर्णय लेकर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। एक ही विद्यालय परिसर में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत संचालित दोनों विद्यालयों के प्रभारी प्रधानों की पहल को पूरे बाढ़ अनुमंडल में सकारात्मक संदेश के रूप में देखा जा रहा है ।बताया जाता है कि 15 अगस्त के आयोजन को लेकर दोनों विद्यालयों के प्रधानों ने अपने-अपने शिक्षकों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की तैयारियों पर विचार-विमर्श किया। आयोजन को लेकर प्रारंभिक स्तर पर अलग-अलग मत सामने आए, लेकिन उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका नीलम और मध्य विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक आमोद कुमार ने आपसी संवाद, समझदारी और समन्वय का परिचय देते हुए किसी मतभेद को विवाद का रूप नहीं लेने दिया। दोनों प्रधानों ने इस बात पर सहमति बनाई कि जब दोनों विद्यालय एक ही परिसर में संचालित होते हैं और राष्ट्रीय पर्व का उद्देश्य विद्यार्थियों में एकता, अनुशासन एवं राष्ट्रभावना विकसित करना है, तो अलग-अलग आयोजन के बजाय संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया जाना अधिक सार्थक होगा। इसके बाद संयुक्त ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

'एक परिसर में एक आयोजन' बना सकारात्मक संदेश : राणा विगहा का यह निर्णय इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि बाढ़ प्रखंड क्षेत्र में ऐसे कई नवसृजित उच्च माध्यमिक विद्यालय हैं, जो पूर्व से संचालित मध्य विद्यालयों के परिसर में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत संचालित हो रहे हैं। कई स्थानों पर दोनों विद्यालयों द्वारा राष्ट्रीय पर्वों के अवसर पर अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। ऐसे में राणा विगहा के दोनों विद्यालय प्रधानों द्वारा संयुक्त ध्वजारोहण का निर्णय साझा परिसर में बेहतर शैक्षणिक समन्वय और सौहार्द की दिशा में एक सकारात्मक पहल माना जा रहा है।

प्रधानों की सूझबूझ बनी मिसाल : विद्यालय परिवार से जुड़े लोगों का कहना है कि प्रशासनिक व्यवस्था अलग हो सकती है, लेकिन विद्यालय परिसर, विद्यार्थी और राष्ट्रीय पर्व की भावना साझा है। ऐसे में संवाद और आपसी सम्मान से लिए गए निर्णय से विद्यार्थियों को भी एकता एवं सहयोग का व्यावहारिक संदेश मिलता है ।मृदुभाषी एवं सरल स्वभाव के प्रभारी प्रधानाध्यापक आमोद कुमार तथा प्रधानाध्यापिका नीलम की पहल ने यह संदेश दिया है कि किसी भी संस्थागत मतभेद का समाधान संवाद और आपसी सूझबूझ से निकाला जा सकता है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दोनों विद्यालयों का संयुक्त ध्वजारोहण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि 'एक परिसरएकता की भावना' का प्रतीक बन गया है। स्थानीय स्तर पर भी इस पहल की सराहना हो रही है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच यह उम्मीद जगी है कि राणा विगहा का यह प्रयोग अन्य संयुक्त परिसरों में संचालित विद्यालयों के लिए भी प्रेरणादायक साबित होगा। राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर अलग-अलग मंचों के बजाय साझा मंच से तिरंगे को सलामी देने का यह निर्णय शिक्षा परिसर में आपसी समन्वय और राष्ट्रीय एकता का सुंदर संदेश देता है।

अशोकधाम हादसे पर राणा विगहा स्कूल में शोकसभा

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। लखीसराय के प्रसिद्ध अशोकधाम मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार को हुए हादसे में सात महिला श्रद्धालुओं की मौत पर मंगलवार को मध्य विद्यालय राणा विगहा में शोकसभा आयोजित की गई। इस दौरान शिक्षकों ने दिवंगत श्रद्धालुओं की आत्मा की शांति के लिए मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। शोकसभा में आमोद कुमार, अमृता कुमारी, ममता कुमारी, राधा रानी, सोरव जाना, मो़ सानी और शंकर आनंद सहित शिक्षक उपस्थित रहे। उपस्थित शिक्षकों ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि धार्मिक आयोजनों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए ।इस अवसर पर मृत श्रद्धालुओं की आत्मा की शांति तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई।

लहरिया कट बना जानलेवा, अपने ही ई-रिक्शा के नीचे दबकर चालक की मौत

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश) ।बख्तियारपुर के वार्ड संख्या 26 अंतर्गत नयाटोला राघोपुर निवासी ई-रिक्शा चालक गौतम कुमार की मंगलवार को दर्दनाक हादसे में मौत हो गई। बताया जाता है कि लहरिया कट के पास ई-रिक्शा अनियंत्रित होने के बाद चालक उसके नीचे दब गया। हादसे में गौतम कुमार की मौके पर ही मौत होने की सूचना है। घटना की खबर मिलते ही आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू की। हादसे की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के सदस्यों का रो-

गौतम कुमार का शव।

रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों के अनुसार, लहरिया कट क्षेत्र में सड़क की स्थिति और आवागमन से जुड़ी समस्याओं के कारण वाहन चालकों को अक्सर परेशानी का सामना करना पड़ता है। ई-रिक्शा के अनियंत्रित होने से हुए इस हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और खतरनाक मोड़ों पर आवश्यक सुरक्षा उपायों की जरूरत को उजागर कर दिया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से लहरिया कट समेत ऐसे दुर्घटना संभावित स्थानों को चिति कर वहां सड़क सुरक्षा के इंतजाम करने, चेतावनी संकेत लगाने तथा आवागमन को सुरक्षित बनाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि हादसों के बाद केवल जांच और कार्रवाई पर्याप्त नहीं, बल्कि दुर्घटना की वजहों को दूर करने के लिए स्थायी कदम उठाए जाने चाहिए ।गौतम कुमार की असमय मौत से नयाटोला राघोपुर में शोक का माहौल है। एक परिवार का कमाने वाला सदस्य सड़क हादसे में चला गया, वहीं इस घटना ने क्षेत्र में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्रेटा से भारी मात्रा में गांजा बरामद महिला समेत दो तस्कर गिरफ्तार

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। मोकामा पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शिवनार फोरलेन के पास एक क्रेटा गाड़ी से भारी मात्रा में गांजे की खेप बरामद की है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया है ।पुलिस के अनुसार, बरामद गांजे की कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। पुलिस ने क्रेटा वाहन को जब्त कर दोनों आरोपितों से पूछताछ शुरू कर दी है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि गांजे की खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। पुलिस संभावित तस्करी नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान में जुटी है। कार्रवाई के बाद मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े लोगों में हड़कंप मचा है। मामले में पुलिस की जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

बंद घर में लाखों की चोरी, अधिवक्ता के घर से नगद-गहने पार

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश) एनटीपीसी थाना क्षेत्र के चक नवादा में बंद पड़े एक अधिवक्ता के घर को चोरों ने निशाना बनाते हुए लाखों रुपये मूल्य के नगद व आभूषण चोरी कर लिए। घटना की जानकारी मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि घर बंद था और इसी का फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के साथ चोरी की घटना से जुड़े सुराग जुटा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। पुलिस ने जल्द ही मामले का खुलासा करने का भरोसा दिलाया है।

कार्य, व्यवहार और निष्पक्षता के लिए याद किए जाएंगे सुल्तानिया

आरा (दैनिक नवसंदेश)। भोजपुर के जिलाधिकारी के रूप में करीब दो वर्षों तक अपनी कार्यशैली, सहज व्यवहार और निष्पक्ष प्रशासन के लिए पहचान बनाने वाले तनय सुल्तानिया अब जिले से स्थानांतरित हो चुके हैं। भोजपुर में एक ऐसे अधिकारी के कार्यकाल का समापन हुआ है, जिसे जिले के विकास और प्रशासनिक व्यवस्था के लिहाज से बेहतर कार्यकाल के रूप में याद किया जाएगा।

बिहार सरकार ने नए जिलाधिकारी के रूप में मनेश कुमार मीणा की पदस्थापना की है। तनय सुल्तानिया ने भोजपुर में जिलाधिकारी का पद संभालने के बाद प्रशासन को आम लोगों के लिए सहज और सुलभ बनाने पर विशेष जोर दिया। विधानसभा चुनाव हो या विधान परिषद चुनाव, जवइनिया में गंगा कटाव का मामला हो अथवा जिले के विकास से जुड़े मुद्दे, उन्होंने हर परिस्थिति में प्रशासनिक संतुलन और निष्पक्षता बनाए रखने का प्रयास किया। पूर्व एवं वर्तमान मुख्यमंत्री का जिले में सफल कार्यक्रम की हनक पटना सचिवालय में भी चर्चा का विषय बनी रही। उनकी निष्पक्ष

तनय सुल्तानिया।

दो वर्षों में बतौर जिलाधिकारी हासिल की बेहतर उपलब्धि

कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता रही कि राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों के बीच भी उनके विरुद्ध किसी प्रकार के पूर्वाग्रह या पक्षपात की धारणा सामने नहीं आयी। प्रशासनिक निर्णयों में सदैव उन्होंने नियम और जनहित को प्राथमिकता दी। बाइपास सड़क निर्माण, वीर कुंवर सिंह पार्क के सौंदर्यीकरण सहित विभिन्न विकास योजनाओं को गति देने में भी उनके कार्यकाल को महत्वपूर्ण माना जाएगा। गरीब और जरूरतमंद लोगों के टोले-मुहल्लों तक विकास एवं स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए आयोजित शिविरों तथा जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रमों में भी जिला प्रशासन की सक्रियता दिखाई दी।

अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच रही अभिभावक जैसी भूमिका

सुल्तानिया की कार्यशैली का एक महत्वपूर्ण पक्ष उनका अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ व्यवहार भी रहा। अधीनस्थ कर्मियों के साथ वे केवल प्रशासक की भूमिका में नहीं, बल्कि अभिभावक की तरह नजर आते। लेकिन लापरवाह कर्मियों के प्रति कभी लोच नहीं दिखा। आम लोगों के लिए भी उनके कार्यालय और प्रशासन तक पहुंच अपेक्षात सहज रही। करीब दो वर्ष के कार्यकाल के बाद भोजपुर से विदा हो रहे तनय सुल्तानिया अपने पीछे प्रशासनिक कार्यशैली की ऐसी छाप छोड़ गए हैं, जिसके कारण जिले के लोग उन्हें लंबे समय तक याद रखेंगे। उनका कार्यकाल इस बात का उदाहरण रहा कि कठोर प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ सहज व्यवहार, निष्पक्षता और मानवीय संवेदनशीलता को भी साथ लेकर चला जा सकता है।

बदरा चढ़ आइल असमनवा, झीर-झीर बुनिया...

आरा (दैनिक नवसंदेश)। शहर के शुभ नारायण नगर मझौंवा स्थित 'शान्ति स्मृति' सम्भावना आवासीय उच्च विद्यालय में श्रावण मास के अवसर पर 'आया सावन झूम के' सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया। उद्घाटन विद्यालय के प्रबन्ध निदेशक डॉ. कुमार द्विजेन्द्र ने किया।

उन्होंने कहा कि सावन का महीना हमारे देश में पौराणिक और आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता रहा है। इस मास में पूरे देश में उत्सवी माहौल रहता है। शिव की उपासना के लिए श्रावण मास को सर्वाधिक उपयुक्त माना गया है। इसी महीने तय होता है कि आने वाले समय में कृषि उत्पादन कैसी होगी। प्राचार्या डॉ. अर्चना सिंह ने कहा कि हमारा देश सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से समृद्ध है। हम वर्ष के बारहों महीनों को विभिन्न पर्वों से जोड़कर देखते हैं। इसमें श्रावण मास का महत्व पौराणिक और आध्यात्मिक रूप से बढ़ जाता है। देश और प्रदेश के सभी शिवालयों में शिव भक्त कांवर यात्रा के माध्यम से जलाभिषेक करते हैं। संगीत शिक्षक धर्मेंद्र कुमार, अमितेश रंजन और महेश कुमार शर्मा के निर्देशन में छात्राओं ने कजरी और सावन गीत की प्रस्तुति की। सांस्कृतिक उत्सव की शुरुआत 'हरि हरि शंभु चलेले ससुरारी, बदरा चढ़ आइल असमनवा, झीर-झीर बुनिया..की आकर्षक प्रस्तुति के साथ हुई। सावन गीतों को छात्रा

श्रावण मास के अवसर पर सांस्कृतिक उत्सव आया सावन झूम के का आयोजन

पौराणिक और आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण है सावन मास : द्विजेन्द्र

सारिका सिंह, नगमा खातून, वंदना कुमारी, सनाया आलम, सोम्या कुमारी, आर्या कुमारी, आर्षी दूबे, युबिका कुमारी, सलोनी कुमारी, सिक्सम, प्रतिज्ञा सिंह, अर्पिता केशरी, सोम्या सिंह, माही शर्मा, सोनाक्षी शर्मा, अनन्या केशरी ने प्रस्तुत किया। अन्त में डॉ. अर्चना सिंह ने शिक्षिकाओं को उपहार देकर सम्मानित किया। संचालन चंदा कुमारी एवं धन्यवाद ज्ञापन शिक्षिका रेणु सिंह ने किया। मंच परिकल्पना विद्यालय के कला शिक्षक विष्णु शंकर एवं संजीव सिन्हा ने किया।

संक्षिप्त खबरें

भोजपुर के नये एसपी बने अवधेश दीक्षित

आरा (दैनिक नवसंदेश)। भोजपुर के नये एसपी अवधेश दीक्षित बनाए गए हैं। बिहार सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। 2019 बैच के आईपीएस अधिकारी अवधेश दीक्षित इससे पहले बिहार पुलिस मुख्यालय पटना में पुलिस अधीक्षक (कार्मिक-1) के रुप में कार्यरत थे। पूर्व में वे गोपालगंज में बतौर एसपी कार्य कर चुके हैं। नये एसपी अवधेश दीक्षित मूल रूप से यूपी के रहने वाले हैं। बता दें कि भोजपुर के वर्तमान एसपी मिस्टर राज का स्थानांतरण रोहतास कर दिया गया।

एसपी ने प्रशिक्षु सिपाहियों के बैरक का किया निरीक्षण

आरा (दैनिक नवसंदेश)। नवीन पुलिस केंद्र में बुनियादी प्रशिक्षण हेतु आए रोहतास एवं कटिहार जिला बल के प्रशिक्षु सिपाहियों को पुलिस अधीक्षक सह प्रशिक्षण प्राचार्य श्री राज द्वारा प्रशिक्षण संबंधी आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन दिया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशिक्षु सिपाहियों के बैरक का निरीक्षण, साफ-सफाई का जायजा तथा भोजन हेतु मेस की व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। प्रशिक्षु सिपाहियों को पुलिस सेवा में अनुशासन को सर्वोपरि बताते हुए प्रशिक्षण अवधि में कर्तव्यनिष्ठा, जिम्मेदारी, अनुशासन एवं टीम भावना के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

भोजपुरी के दधीचि साहित्यकार थे हीरा प्रसाद ठाकुर

आरा (दैनिक नवसंदेश)। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के ातकोत्तर भोजपुरी विभाग से शोधछात्र संजय कुमार ने हीरा प्रसाद ठाकुर के साहित्य साधना विषय पर विभागाध्यक्ष प्रो. दिवाकर पाण्डेय के निर्देशन में अपना शोधकार्य पूरा किया। वाह्य परीक्षक के रूप में प्रो जंगबहादुर पाण्डेय थे। मौके पर पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो रविन्द्र नाथ राय, वर्तमान विभागाध्यक्ष डॉ. पुष्पा द्विवेदी, डॉ. नवनीत कुमार राय, कृष्ण कुमार राय, डॉ. अमरेंद्र कुमार सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक और शोधछात्र डॉ. राजेश कुमार, डॉ. यशवंत कुमार सिंह, रवि प्रकाश सूरज, सोहित सिन्हा, मुनमुन कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

पंचायत का प्रतिनिधित्व करने वाले हनुमान मिश्र नहीं रहे

शाहपुर (दैनिक नवसंदेश)। भरौली पंचायत के पूर्व मुखिया हनुमान मिश्र का निधन मंगलवार को उनके पैतृक गांव भरौली में हो गया। वे करीब 23 वर्षो तक भरौली पंचायत का प्रतिनिधित्व करते रहे। उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। ज्येष्ठ पुत्र दया सिंधु मिश्र ने मुखाग्नि दी। स्वजन में पुत्र संजय मिश्र व अंगद मिश्र समेत अन्य परिवार के सदस्य शामिल हैं। उनके निधन पर मुखिया दिव्या मिश्रा, समाजसेवी राजेश मिश्र, मनोरंजन मिश्र, मुकेश मिश्र, राघवेंद्र मिश्र व नारायण मिश्र सहित कई लोगों ने शोक व्यक्त किया।

नल-जल योजना की टंकी की हुई सफाई

कोईलवर (दैनिक नवसंदेश)। लोदीपुर गांव स्थित वार्ड संख्या-2 में मंगलवार को लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) की ओर से नल-जल योजना की पानी की टंकी की सफाई कराई गई। लंबे समय से टंकी में जमी गी के कारण लोगों को शुद्ध पेयजल मिलने में परेशानी हो रही थी। बताया गया कि टंकी की सफाई का मुद्दा 20 सूत्री समिति के सदस्य.ष्ण कुमार रंजन ने समिति की बैठक में प्रमुखता से उठाया था।

प्रकाशन उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

आरा (दैनिक नवसंदेश)। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय ातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग में विभागाध्यक्ष प्रो़ यशवंत कुमार की अध्यक्षता में प्रकाशन उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता मनोविज्ञान के प्रख्यात विद्वान काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो़ सत्यगोपाल ने शोध पत्र का प्रकाशन कैसे करे पर अपना व्याख्यान दिया और बताया कि शोध पेपर लिखना ज्ञान के विस्तार का माध्यम है। शोधार्थी जब नए ज्ञान को वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित ढंग से पेपर के माध्यम से प्रस्तुत करता है तो वह शोध की विश्वसनीयता को बढ़ाता है। शोध पत्र लिखना इसलिए भी जरूरी होता है क्योंकि यह शोधकर्ता का मुख्यआधार होता है। एक प्रकार से साहित्य की भी समीक्षा और संदर्भ सूची का काम करता है। एकेडमिक कैरियर में यह महत्वपूर्ण होता है। संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन ड़ वाचस्पति दूबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ड लाल बाबू सिंह, प्रो़ अवध बिहारी सिंह, ड़ मनोज, अभिषेक कुमार तिवारी, प्रियांशी, स्वेता, आनंद, आदि मौजूद रहे।

विभिन्न पंचायतों में सहयोग शिविर का आयोजन

आरा (दैनिक नवसंदेश)। जिला पदाधिकारी, तनय सुल्तानिया के निदेशानुसार जिले की विभिन्न पंचायतों में सहयोग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में अपर समाहर्ता, भोजपुर द्वारा उदवंतनगर प्रखंड के एकौना पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर का निरीक्षण किया गया।शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों द्वारा पहुंचकर विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लिया गया। अपर समाहर्ता द्वारा विभिन्न विभागों के काउंटरों का निरीक्षण करते हुए आमजन को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी ली गई तथा प्राप्त आवेदनों एवं समस्याओं के त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं जनकल्याणकारी सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी, सदर आरा श्रीमती शिप्रा विजयकुमार चौधरी द्वारा सदर आरा प्रखंड अंतर्गत बभनगावाँ पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में भाग लिया गया। इस दौरान उन्होंने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं एवं योजनाओं का जायजा लिया तथा उपस्थित ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। शिविर में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा आमजन को संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र लाभुकों से आवेदन प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई की गई। प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं के त्वरित एवं नियमानुसार निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

शिव शिष्यता की पृष्ठभूमि व्याप्ति एवं प्रयोजन कार्यक्रम आयोजित

आरा (दैनिक नवसंदेश)। वैश्विक शिव शिष्य परिवार के तवावधान में शिव शिष्यता की पृष्ठभूमि, व्याप्ति एवं प्रयोजनविषयक एक दिवसीय कार्यशाला रमना मैदानमें आयोजित की गई।कार्यक्रम की षुरूआराष्ट्रगान से हुई। सके बाद महागुरु महादेव सहित साहब हरीन्द्रानंद जी एवं दीदी नीलम आनंद की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अर्चित आनन्द ने शिव शिष्यता की पृष्ठभूमि, याप्ति एवं प्रयोजन" विषय पर बोलते हुए कहा कि शिव शिष्यता की पृष्ठ भूमि स्वानुभूतियों की अकथ्य लंबी कहानी है। अनजाने कारणों से बाल्य काल से ही साहब श्री हरीन्द्रानंद जी अपने आस पास घटित घटनाओं को देखकर उन घटनाओं के अज्ञात सूत्रधार को जानने की प्रवल उत्सुकता कालक्रम में आपका पाथेय बन गई। श्री आनंद ने कहा कि साहब श्री हरीन्द्रानंद जी उस अज्ञात रहस्य को जानने के निमित्त चौदह वर्षो तक अपने सीमा में उपलब्ध शरीरी गुरुओं तांत्रिकों एवं अघोरों का साथ मन आपके मन को राश नहीं आया हताश मनोदशा में आपने सन 1974 में शिव को गुरु माना। कालांतर में घटनाओं का ऐसा क्रम चला जो आपके मन में उत्पन्न आध्यात्मिक आह्लाद ने अध्यात्म में आई संक्रांति से प्रत्येक व्यक्ति को मुक्त करने की अंतः प्रेरणा जगाई। प्रत्येक व्यक्ति को शिव का शिष्य होने के लिए प्रेरित करने का द़ निश्चय संकल्पित होता गया।

कटाव रोधी कार्य मेंअनियमितता पर हाईकोर्ट सख्त, मांगा जवाब

दैनिक नवसंदेश

अदालत ने जनहित से जुड़े मामले पर की सुनवाई

शाहपुर। वाल्मीकि राय एवं अन्य बनाम स्टेट ऑफ बिहार, सीडब्ल्यूजेसी संख्या 12078/2026 मामले में पटना हाईकोर्ट की कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने जवइनिया के कटावरोधी कार्यो से जुड़े जनहित मामले की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से तीन सप्ताह में जवाब मांगा है। न्यायालय ने याचिका स्वीकार करते हुए सरकार को काउंटर एफिडेविट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

मामले में वर्ष 2025 में कटावरोधी कार्यो के नाम पर खर्च किए गए करीब नौ करोड़ रुपये तथा वर्तमान में करीब 52 करोड़ रुपये की लागत से कराए जा रहे कार्यो में वित्तीय और तकनीकी अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच की मांग की गई है। याचिका में स्वीत प्राक्कलन और निर्धारित समय-सीमा के अनुसार कार्यो को गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कराने की भी मांग की गई है। हाईकोर्ट ने अभियंता प्रमुख के स्तर से संबंधित कटावरोधी कार्यो की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। न्यायालय के इस निर्देश से कटावरोधी कार्यो की

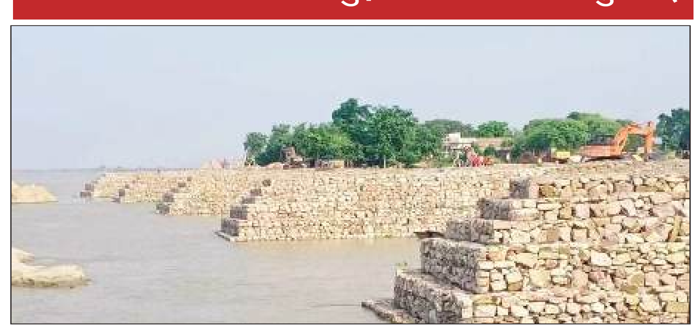
जवइनिया के कटावरोधी कार्य का फाइल फोटो।

9 करोड़ पुराने और 52 करोड़ के मौजूदा कटावरोधी काम की गुणवत्तापर उठे सवाल

गुणवत्ता और खर्च को लेकर उठाए गए सवालों पर विभागीय रिपोर्ट सामने आने की उम्मीद है। जनहित याचिका में वर्ष 2025 की बाढ़ और कटाव से प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा देने तथा निर्धारित समय-सीमा में उनका पुनर्वास कराने की मांग भी की गई है। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता सुभाष कुमार मिश्रा ने न्यायालय के समक्ष मामले के प्रमुख तथ्यों और मांगों को रखा है। विदित हो कि जवइनिया गांव के समीप गंगानदी के किनारे पर 52 करोड़ 56 लाख रुपये की लागत से कटाव निरोधक बोल्डर पिचिंग कार्य किया गया है।

महाराजा कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग में सजा सावन का रंग

आरा (दैनिक नवसंदेश)। महाराजा कॉलेज के स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग में सोमवार को सावन महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने मेहंदी, संगीत, युगल गायन समेत विभिन्न सांस्तिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। सावन के गीतों और रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों से विभाग का माहौल उत्सवी हो गया। कार्यक्रम का संचालन विभाग की शिक्षिकाओं डॉ. इंदु कुमारी और डॉ. सरिता देवी ने किया। संगीत प्रतियोगिता में अंजली ने प्रथम, राजनंदिनी ने द्वितीय और निकी कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं मेहंदी प्रतियोगिता में अंजली कुमारी और सृष्टि संयुक्त विजेता रहीं। युगल गायन में सुहानी पांडे और राजनंदिनी की जोड़ी ने शानदार प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष ड़ रमेंद्र कुमार सिंह समेत विभाग के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों की सक्रिय सहभागिता रही। प्रो. ओम प्रकाश केशरी, प्रो. संजय कुमार, डा. मनोज कुमार सिंह समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे।

पेड़ से लटका मिला किशोर का शव, प्रेम-प्रसंग की चर्चा

आरा (दैनिक नवसंदेश)। गजराजगंज ओपी क्षेत्र के गजराजगंज गांव में पेड़ से लटका एक किशोर का बरामद हुआ। उसका शव गांव में ही घर से कुछ दूरी पर सड़क किनारे से मंगलवार की सुबह बरामद हुआ। वही प्रेम-प्रसंग के कारण खुदकुशी करने की चर्चा की जा रही है।

मृत किशोर बड़हरा थाना के शिवपुर गांव निवासी स्व. जयराम साह का 17 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार साह है। वर्तमान में वह गजराजगंज ओपी के गजराजगंज गांव में कुछ वर्षो से रहता था। सोमवार की रात सभी लोग खाना खाने के बाद सो गए थे। इसी बीच मंगलवार की तड़के वह घर निकाला और घर से कुछ ही दूरी पर जाकर सड़क किनारे स्थित

मोबाइल में मिला वीडियो जिसमें उसके प्रेम-प्रसंग की हुई पुष्टि

पेड़ से गले में गमछा बांध लटक कर खुदकुशी कर ली। ओपी इंचार्ज चंचल कुमार महथा ने बताया कि मृत किशोर का किसी लड़की से प्रेम-प्रसंग था। शुरुआती जांच में प्रेम-प्रसंग के कारण ही उसके द्वारा खुदकुशी करने की बात सामने आ रही है। उसने अपने मोबाईल में एक वीडियो रिकॉर्ड भी किया है, लेकिन कैमरा ढ़ंक देने के कारण उसका चेहरा नहीं आ सका है। रिकर्डिग वीडियो में वह बोल रहा है कि मैं उस लड़की से बहुत प्यार करता हूं, उसके बिना नहीं रहा सकता हूं।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर

आरा (दैनिक नवसंदेश)। मुफस्सिल थाना के दौलतपुर गांव के समीप अज्ञात वाहन ने बाइक सवारी युवक को टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। तब परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार असानंद राम का 21 वर्षीय पुत्र उदय कुमार है। उदय कुमार के परिजन ने बताया कि उसके रिश्तेदार में एक व्यक्ति का देहांत हो गया था। सोमवार को उनके पुछार में उसकी नानी उसके घर बखोरापुर गांव आई थी। मंगलवार की सुबह जब बाइक द्वारा वह अपनी नानी को दौलतपुर गांव छोड़कर वापस लौट रहा था। इस दौरान दौलतपुर गांव के समीप अज्ञात वाहन ने उसके बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में जख्मी युवक का दाहिना पैर फ्रैक्चर कर गया।

लखपति दीदियों ने हर महिला को आत्मनिर्भर बनाने का लिया संकल्प

आरा/पीरो (दैनिक नवसंदेश)। नारी जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड, पीरो की वार्षिक आम सभा में आत्मनिर्भर व लखपति दीदियों ने हर महिला को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि जब महिलाएं एकजुट होगी तो बदलाव लाजिमी है।

यहां आयोजित वार्षिक सभा की शुरुआत अनुमंडल पदाधिकारी कृष्ण कुमार उपाध्याय, प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार, अंचलाधिकारी रवीश कुमार, संकुल संघ के अध्यक्ष कंचन देवी, सचिव मुनीता देवी और कोषाध्यक्ष मीना देवी ने संयुक्त रूप से कियाञ तत्पश्चात जीविका दीदियों ने स्वागत गान और जीविका गीत की प्रस्तुति की। अनुमंडल पदाधिकारी ने एक पेड़ अपने माँ के नाम एवं शहीदों के जन्मदिन पर एक पेड़ लगाने के लिए सभी जीविका दीदियों को प्रेरित किया व उन्हें छोटे छोटे रोजगार शुरू करने के लिए कई महत्वपूर्ण टिप्स दी। बीडीओ अशोक कुमार ने जीविका दीदियों को स्वच्छता अभियान को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया उन्हें आजीविका संवर्धन हेतु महत्वपूर्ण जानकारी दी। संकुल संघ के सदस्य अंकिता देवी, माधुरी देवी और सुरभि कुमारी ने समिति को सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए सभी अतिथियों एवं जीविका दीदियों को धन्यवाद दिया। अध्यक्ष कंचन देवी ने कहा कि जब महिलाएं एकजुट होती हैं तो बदलाव जरूर आता है। मौके पर अभिषेक कुमार, क्षेत्रीय समन्वयक सुनील कुमार, सामुदायिक समन्वयक अनुपम कुमार, पुरुषोत्तम कुमार आदि मौजूद थे।

व्यवसायी महासंघ ने दो मिनट मौन रख दी अब्दुल वहाब को श्रद्धांजलि

आरा (दैनिक नवसंदेश)। व्यवसायी महासंघ भोजपुर की ओर से आज आरा के सर्किट हाउस में महासंघ के वरिष्ठ नेता अब्दुल वहाब उर्फ अतू जी की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। सभा की शुरुआत अतू जी की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करने तथा उनके चित्र पर माल्यार्पण से हुई। श्रद्धांजलि सभा में आरा सांसद सह व्यवसायी महासंघ, बिहार के अध्यक्ष सुदामा प्रसाद, उमाशंकर सिंह यादव, रामेश्वर प्रसाद शाह, अध्यक्ष मो कलीम उर्फ मुन्ना जी, मो शहाबुद्दीन खान, श्रीनिवास यादव, संजय गुप्ता, सुनील नायर, महेंद्र शाह, बबलू गुप्ता, महेंद्र सिंह सहित महासंघ के अन्य पदाधिकारी एवं अतू जी के परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। सांसद सुदामा प्रसाद ने कहा कि अतू जी ने ताउम्र जनता के सवालों और अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि बिहार में व्यवसायी आयोग के गठन सहित व्यवसायियों की सभी समस्याओं को लेकर संघर्ष जारी रखना होगा। सभा में राजन, भोला यादव, संजय गुप्ता, राजू सैनी, आनंद कुमार सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे। सभा का संचालन कृष्ण रंजन गुप्ता ने किया।

125 लाभुकों केꣻ बीच पर्चा वितरित

आरा (दैनिक नवसंदेश)। उच्च शिक्षा एवं विधि मंत्री संजय सिंह टाइगर की अध्यक्षता में आज अभियान बसेरा के अंतर्गत राजस्व विभाग की राजस्व शाखा ने 125 पात्र लाभुकों के बीच पर्चा वितरण किया।

इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि

अभियान बसेरा

अभियान बसेरा के माध्यम से पात्र एवं भूमिहीन परिवारों को भूमि का अधिकार उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। पात्र लाभुकों को पर्चा उपलब्ध कराकर उन्हें उनके अधिकार से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। जिला पदाधिकारी, तनय सुल्तानिया ने कहा कि अभियान बसेरा के अंतर्गत पात्र लाभुकों के बीच पर्चा वितरण का कार्य निरंतर जारी रहना चाहिए। उन्होंने

लाभुक महिला को पर्चा सौंपते मंत्री संजय सिंह टाइगर।

संबंधित पदाधिकारियों को पात्र लाभुकों का सत्यापन एवं आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए पर्चा वितरण की कार्रवाई लगातार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में अपर समाहर्ता, राजस्व ड़ शशिशेखर, प्रभारी पदाधिकारी, राजस्व शाखा, अंचलाधिकारी, आरा सदर एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

संत रविदास के आदर्शों के प्रचार को भाजपा की कलशयात्रा

आरा (दैनिक नवसंदेश)। संत शिरोमणि रविदास महाराज के 650 वें जयंती पर समरसता अभियान के तहत भाजपा जिला कार्यालय मे कलश यात्रा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष दुर्गा राज एवं संचालन जिला उपाध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह ने किया।

उक्त अवसर पर बिहार सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री सह आरा विधायक संजय सिंह टाईगर बतौर विशिष्ट अतिथि एवं हिलसा विधायक अनील सिंह मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने बताया कि समरसता अभियान के तहत संत शिरोमणि रविदास महाराज जी के जन्मभूमि वाराणसी से आए मिट्टी भरा कलश को पिछले दिनों ज्ञान भवन पटना से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा राज्य के सभी जिलो के जिलाध्यक्षो को सौंपा गया था। उन्होने कहा कि आज सभी मंडलो मे कलश वितरण एवं कलश यात्रा के लिए जिला कार्यालय मे कार्यशाला का आयोजन किया गया था। भोजपुर जिला के सभी चालीस मंडलो मे मंडल अध्यक्ष को कलश सौंपा गया। सभी मंडलो मे कलश यात्रा के माध्यम से पंचायतों मे मंदिर मठ पर पवित्र कलश को रख कर पूजन एवं दर्शन किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि यह कलश यात्रा समरसता का

प्रखंड व पंचायतों मे निकाली जाएगी संत रविदास कलश यात्रा

पार्टी के जिला कार्यालय में मंडल अध्यक्षों को सौंपे गए कलश

प्रतीक है। संत शिरोमणि रविदास समाज को एक समान मानते थे। वे रामानंदाचार्य के शिष्य थे। उनके आदर्शो को पूरे देश मे फैलाने एवं समाज मे समरसता स्थापित करने के लिए कलश यात्रा निकाली गई है। कार्यक्रम मे पूर्व विधायक आशा देवी, प्रदीप दूबे, मिथलेश कुशवाहा, नरेन्द्र तिवारी, अमरेन्द्र चौबे, संतोष चंद्रवंशी, शैलेन्द्र राम, मनीष रौशन सहित जिला कोर कमेटी सदस्य, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी एवं वरीष्ठ कार्यकर्ता शामिल थे।

दो पंचायतों में सहयोग शिविर, विभिन्न विभागों के आवेदन मिले

कोईलवर (दैनिक नवसंदेश)। बीरमपुर एवं भदवर पंचायतों में मंगलवार को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मियों ने लोगों की समस्याएं सुनीं और प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की प्रक्रिया शुरू की। भदवर पंचायत के पंचायत सचिव राजीव रंजन ने बताया कि शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित करीब दो दर्जन आवेदन प्राप्त हुए। वहीं बीरमपुर पंचायत के पंचायत सचिव चंदन कुमार ने जानकारी दी कि यहां विभिन्न विभागों से 20 आवेदन प्राप्त हुए। बीडीओ बीर बहादुर पाठक ने बताया कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों के निष्पादन की कार्रवाई प्राथमिकता के आधार पर की जा रही है।

आम आवाम के समस्याओं के त्वरित निष्पादन को लेकर लगा सहयोग शिविर

अरवल (एनएसबी)। जिले के सभी पांच प्रखंडों में 'सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। नगर परिषद अरवल, नगर पंचायत कुर्था एवं जिले के कुल 13 पंचायतों में सहयोग शिविर का सफल आयोजन किया गया। सहयोग शिविर प्रत्येक माह के प्रथम मगंलवार एवं तृतीय मगंलवार को पंचायत स्तर पर आयोजित किया जाएगा। जिसका उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित निष्पादन एवं योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है।

आयोजित सहयोग शिविरों में प्राप्त आवेदनों एवं उनके निष्पादन की स्थिति निम्नवत रहीअरवल प्रखंड के वासिलपुर पंचायत में कुल 03 आवेदन प्राप्त हए थे, जिनमें से 03 आवेदनों लंबित है। वहीं परासी पंचायत में कुल 22 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 04 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। कुर्था प्रखंड के मानिकपुर पंचायत में कुल 18 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 01 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। यहीं निघवा पंचायत में कुल 15 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 09

सहयोग शिविर में मामलों का निपटारा करते कर्मी।

आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। सोनभद्र वंशी सूर्यपरु प्रखंड के अनुओं पंचायत में कुल 15 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 08 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। वहीं बेलौरा पंचायत में कुल 11 आवेदन प्राप्त हुए थे. जिनमें से 04 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। कलेर प्रखंड के दक्षिणी कलेर पंचायत में कुल 15 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 08 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। बेलसार पंचायत में कुल 22 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 02 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। वहीं सोहसा पंचायत में कुल 26 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 11 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। करपी प्रखंड के रोहाई पंचायत में कुल 18 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 18 आवेदनों लंबित है। अईआरा पंचायत में कुल 03 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 01 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। खजूरी पंचायत में कुल 14 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 14 आवेदनों लंबित है। चौहर पंचायत में कुल 08 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 01 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। साथ ही जिले के 13 पंचायतों में सहयोग शिविर में प्राप्त कुल आवेदनों की संख्या 190 है, जिनमें से 49 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया तथा 141 आवेदनों लंबित है। वहीं नगर परिषद अरवल वार्ड नं0 09 में कुल 334 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 306 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया। वहीं नगर पंचायत क्ख्र्ी में कुल 09 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 09 आवेदनों लंबित है। साथ ही जिले के नगर परिषद एवं नगर पंचायत में सहयोग शिविर में प्राप्त कुल आवेदनों की संख्या 343 है, जिनमें से 306 आवेदनों का निष्पादन शिविर में ही किया गया तथा 37 आवेदनों लंबित है। जिला पदाधिकारी द्वारा सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया गया है कि प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सुलभ रूप से प्राप्त हो सके।

संक्षिप्त खबरें

केएसआर कॉलेज को बचाने समेत अन्य मांगों को ले राज्यपाल से मिला प्रतिनिधिमंडल

पटना (एनएसबी)। केएसआर कॉलेज को बचाने एवं पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे के प्रस्तावित रूट एलाइनमेंट में जनहित सुनिश्चित करने की मांग को लेकर सरायरंजन से पटना तक जारी पदयात्रा के तीसरे दिन मंगलवार को हजारों समर्थकों के साथ समाजसेवी कुणाल कुमार शांतिपूर्ण मार्च करते हुए पटना पहुंचे। श्री कुणाल के नेतृत्व में पदयात्रा विधानसभा गेट से मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ी। इसके बाद पदयात्री ईको पार्क के गेट नंबर-1 के समीप पहुंचे, जहां स्थानीय प्रशासन एवं पटना प्रशासन की ओर से पदयात्रा को लेकर सहयोगात्मक रवैया देखने को मिला। प्रशासन ने कुणाल कुमार के नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को राजभवन जाने की अनुमति दी गई।

कुणाल ने समर्थकों के साथ सरायरंजन से पटना तक किया पदयात्रा

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात कर केएसआर कॉलेज, छात्रों, किसानों एवं प्रभावित क्षेत्र के लोगों की समस्याओं और पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे के प्रस्तावित रूट एलाइनमेंट से जुड़ी चिंताओं को उनके समक्ष रखा। मुलाकात के बाद कुणाल कुमार ने मीडिया को जानकारी दिया कि महामहिम राज्यपाल के साथ सकारात्मक बातचीत हुई है। उन्होंने इस मामले में बिहार सरकार एवं मुख्यमंत्री कार्यालय से हस्तक्षेप करने की दिशा में पहल का आश्वासन दिया है और तीन दिनों के भीतर मामले में सरकार से आवश्यक कार्रवाई की अपेक्षा जताई गई है। श्री कुणाल ने आगे कहा कि वे आगे भी लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को सरकार के समक्ष रखते रहेंगे और जनता के हितों की लड़ाई जारी रखेंगे।

भारत में जीवन बीमा कवरेज बढ़ने का रुझान बेहतर वित्तीय तैयारी का संकेत

पटना (एनएसबी)। भारत के इंश्योरेंस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (आईआईबी) द्वारा वित्त वर्ष 2021 से वित्त वर्ष 2025 तक के जीवन बीमा कारोबार के आंकड़ों के विश्लेषण से भारत में बीमा सुरक्षा की स्थिति में सकारात्मक बदलाव के संकेत मिलते हैं। मौजूदा पॉलिसीधारक अब अपनी वित्तीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अधिक बीमा कवरेज का विकल्प अपना रहे हैं। जीवन के विभिन्न चरणों के साथ जिम्मेदारियां भी बदलती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए ग्राहक लगातार अपने बीमा कवरेज को बढ़ा रहे हैं। इंश्योरेंस अवेयरनेस कमेटी (आईएसी)-लाइफ के चेयरपर्सन कमलेश राव ने कहा कि आईआईबी के आंकड़े स्पष्ट रूप से बताते हैं कि जीवन बीमा में बने रहने वाले भारतीय इसके महत्व को तेजी से समझ रहे हैं। वे जीवन में होने वाले बदलावों और बढ़ती जिम्मेदारियों के अनुसार अपनी बीमा सुरक्षा को मजबूत कर रहे हैं। पॉलिसीधारकों का लगातार अधिक बीमा कवरेज की ओर बढ़ना उत्साहजनक है। यह अपने और अपने परिवार के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की उनकी बढ़ती प्रतिबद्धता को दशार्ता है। बता दें बीमा राशि वाली पॉलिसियों की संख्या वित्त वर्ष 2021 के 44 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 74 लाख हो गई। इन पॉलिसियों से 975 अरब रू. का वार्षिक प्रीमियम प्राप्त हुआ।

महिला आईटीआई में पीपीपी मोड में बनेंगे छात्रावास

पटना (एनएसबी)। युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग-सह-श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग के मंत्री अरुण शंकर प्रसाद की अध्यक्षता में मंगलवार को विभाग के प्रशिक्षण पक्ष की समीक्षात्मक बैठक हुई। बैठक में विभाग के सचिव डॉ. कौशल किशोर और निदेशक, नियोजन एवं प्रशिक्षण रंजीत कुमार सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए। बैठक में सरकारी आईटीआई की प्रशिक्षण व्यवस्था, आधारभूत संरचना, छात्राओं की सुविधाओं और युवाओं को रोजगारपरक कौशल उपलब्ध कराने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में जिन जिलों के महिला आईटीआई में छात्रावास की सुविधा नहीं है, वहां पीपीपी मोड में छात्रावास निर्माण के लिए निविदा आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही महिला आईटीआई में सेनेटरी नैपकिन की सुविधा के लिए वेंडिंग मशीन लगाने का निर्देश दिया गया। मंत्री ने कहा कि छात्रावास की सुविधा मिलने से दूर-दराज की छात्राओं को तकनीकी प्रशिक्षण लेने में सहूलियत होगी। राज्य के सभी सरकारी आईटीआई में सोलर पैनल लगाने के प्रस्ताव पर भी सहमति बनी। वहीं बैठक में जिन सरकारी आईटीआई के पास अपना भवन नहीं है, उनके लिए आम लोगों से जमीन दान में लेने के लिए विज्ञापन जारी करने पर सहमति बनी। जमीन दान करने वालों को अपने पूर्वजों के नाम पर आईटीआई के नामकरण का अवसर देने का प्रस्ताव भी है। इसके अलावा जननायक कपूर्री ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करने पर सहमति बनी। मंत्री ने सभी कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया।

मंत्री की अध्यक्षता हुई विभाग की समीक्षात्मक बैठक

सभी राजकीय आईटीआई में लगेंगे सोलर पैनल

राजद का राजभवन मार्च आज छात्रों से भाग लेने की अपील

पटना (एनएसबी)। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने 01 पोलो रोड स्थित अपने आवास पर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 19 अगस्त को राजभवन (लोकभवन) मार्च कर रहे हैं। इसमें सभी छात्र, युवा और सभी लोगों से मार्च में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि शासन और सत्ता में बैठे हुए लोगों से जवाब मांगा जा रहा है कि छात्र आंदोलन पर एके-47 से गोली चलाने का आदेश किसने दिया, लेकिन अब तक सरकार से जवाब नहीं मिला है। सीवान के तीन लोगों को गोलियां लगी। पटना के मेदांता अस्पताल में इनलोगों का इलाज चला, लेकिन मुख्यमंत्री इनलोगों से मिलने तक नहीं गये। संवाददाता सम्मेलन के बाद तेजस्वी यादव ने टीआरई-4 अभ्यार्थियों के आंदोलन में शामिल नेताओं और छात्रों से मिलने के लिए गर्दनीबाग स्थित धरनास्थल पर पार्टी नेताओं के साथ पहुंचे और कहा कि अविलंब सरकार इनकी जायज मांगों को पूरा करे। संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल, सांसद संजय यादव, पूर्व मंत्री आलोक कुमार मेहता, कुमार सर्वजीत, विधान पार्षद डॉ. सुनील कुमार सिंह, सोनू कुमार राय, शक्ति सिंह यादव, एजाज अहमद, चितरंजन गगन, डॉ. अनवर आलम, विनय कुमार यादव, महताब आलम सहित अन्य गणमान्य नेतागण उपस्थित थे।

तेजस्वी को झारखंड के छात्र आंदोलन पर मौन क्यों : जदयू

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता डॉ. निहोरा प्रसाद यादव एवं शंभूनाथ सिन्हा ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राजद के बुधवार को प्रस्तावित लोक भवन मार्च पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इसे छात्रों के हितों की लड़ाई नहीं, बल्कि तेजस्वी यादव की गिरती राजनीतिक साख बचाने की एक सोची-समझी राजनीतिक नौटंकी करार दिया। उन्होंने तेजस्वी से सवाल पूछते हुए कहा कि यदि उन्हें वास्तव में छात्रों के हितों की इतनी ही चिंता है, तो झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित भ्रष्टाचार और इसके विरोध में चल रहे छात्र आंदोलन पर चुप्पी क्यों साधे हुए हैं? बिहार में छात्रों के नाम पर मार्च निकालने वाले तेजस्वी यादव झारखंड के छात्रों के सवाल पर आखिर मौन क्यों हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड में हेमंत सरकार में आरजेडी भी साझीदार है।

केदारनाथ जा रहे बाइक सवारों के काफिले में घुसी तेज रफ्तार बाइक, 4 घायल

बाढ़ (एनएसबी)। बाढ़ थाना क्षेत्र के अकबरपुर फोरलेन पर मंगलवार को सड़क हादसे में चार लोग घायल हो गए। हादसा अकबरपुर के पास फोरलेन डायवर्सन पर हुआ, जहां गलत दिशा से तेज रफ्तार में आ रहे बाइक सवार ने सामने से जा रही बाइकों में जोरदार टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार, खगड़िया जिले के मानसी से आठ दोस्त चार बाइकों पर सवार होकर उत्तराखंड राज्य स्थित केदारनाथ धाम में बाबा केदारनाथ को जल चढ़ाने के लिए रवाना हुए थे।

चौसा थर्मल पावर परियोजना में कार्यरत इब्राहिमपुर के रहने वाले इलेक्ट्रीशियन की संदिग्ध मौत घर मे पसरा मातम

कुर्था (एनएसबी)। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव निवासी 50 वर्षीय रामप्यारे चौधरी का सोमवार को बक्सर जिले के चौसा में अकस्मात निधन हो गया। वे बक्सर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत निमार्णाधीन 1320 मेगावाट चौसा थर्मल पावर परियोजना की लेबर कॉलोनी में रहकर खुशी कंस्ट्रक्शन के तहत पिछले करीब तीन वर्षों से इलेक्ट्रीशियन के रूप में कार्य कर रहे थे। उनकी अचानक मौत की खबर मिलते ही इब्राहिमपुर गांव में मातम पसर गया, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। जानकारी के अनुसार रामप्यारे चौधरी रविवार की रात अपने साथी मजदूरों के साथ खाना खाने के बाद लेबर कॉलोनी स्थित अपने कमरे में सोने चले गए थे। सोमवार की सुबह काफी देर तक जब वह कमरे से बाहर नहीं निकले तो साथ रह रहे साथी मजदूरों को किसी अनहोनी की आशंका हुई। साथियों ने पहले दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर खिड़की से झांककर देखा गया। इस दौरान रामप्यारे कमरे के अंदर बेजान अवस्था में पड़े दिखाई दिए। इसके बाद घटना की सूचना लेबर कॉलोनी के गार्ड और स्थानीय राजपुर थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे की जांच की। पुलिस द्वारा कमरे की तलाशी लेने के दौरान मृतक के दाहिने हाथ के पास कुछ दवाइयों की गोलियां मिलीं। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि रात में तबीयत बिगड़ने के बाद उन्होंने दवा लेने का प्रयास किया होगा। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चल सकेगा। बताया जाता है कि रामप्यारे चौधरी पिछले करीब तीन वर्षों से चौसा थर्मल पावर परियोजना में इलेक्ट्रीशियन का काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। ग्रामीणों के अनुसार वे करीब 15 दिन पहले ही अपने घर से चौसा काम पर गए थे। परिवार को क्या पता था कि इतनी जल्दी उनके निधन की दुखद खबर घर पहुंचेगी। रामप्यारे चौधरी की मौत की सूचना जैसे ही उनके परिजनों को मिली, घर में चीख-पुकार मच गई। परिजन दहाड़ मारकर रोने लगे। अचानक हुई मौत की खबर से परिवार के साथ-साथ गांव के लोग भी स्तब्ध रह गए। देखते ही देखते इब्राहिमपुर गांव में मातम का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने बताया कि रामप्यारे चौधरी मेहनती और मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे तथा मजदूरी कर परिवार की जिम्मेदारियां संभाल रहे थे। फिलहाल पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। मौत के कारणों को लेकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। घटना के बाद चौसा से लेकर इब्राहिमपुर गांव तक परिजनों और ग्रामीणों में शोक का माहौल बना हुआ है।

गैर-जमानती वारंट के मामले में पुलिस की कार्रवाई दो गिरफ्तार

मेहंदिया (एनएसबी)। पुलिस ने न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंट के अनुपालन में कार्रवाई करते हुए दो वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार वारंटियों में निरंजनपुर गांव निवासी विजय प्रसाद और अब्दुल अंसारी शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार दोनों के खिलाफ न्यायालय से गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। वारंट के आधार पर मेहंदिया थाना पुलिस ने दोनों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की। पुलिस टीम ने दोनों वारंटियों को गिरफ्तार कर विधिवत गिरफ्तारी ज्ञापन तैयार किया। इसके बाद दोनों को नियमानुसार आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस अभिरक्षा में लिया गया।मेहंदिया थानाध्यक्ष मनोरंजन कुमार ने बताया कि न्यायालय से जारी गैर-जमानती वारंट के अनुपालन में दोनों वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में न्यायालय के आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। वारंटियों के खिलाफ आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

मध्यान भोजन में ठेका प्रथा लाकर सरकार गरीब बच्चों को घटिया पौष्टिक आहार परोस रही : जितेंद्र

अरवल (एनएसबी)। जिले में शिक्षा विभाग गरीब बच्चों को पौष्टिक आहार नहीं बल्कि खाने में कीड़े मकोड़ा मिल रहा है। भाजपा आरएसएस सरकार में मध्यान भोजन गरीब बच्चों के शिक्षा के प्रति जागरूकता के लिए चलाया गया था लेकिन आज इसे सरकार ठेका प्रथा लाकर गरीब बच्चों के पौष्टिक आहार नहीं दिया जा रहा है एवं शिक्षा पदाधिकारी मोटे रकम लेकर मंत्रियों का जेब भरने में लगे हैं जांच के नाम पर खानापूर्ति कर दिया जाता है और करवाई के नाम पर मोटे रकम भी वसूल लिया जाता है। भ्रष्टाचार में संलिप्त पदाधिकारी पर कोई कार्रवाई नहीं होता है। सोशल मीडिया के द्वारा अरवल जिला के नवोदय विद्यालय में छात्र को पिटाई का मामला सामने आया है। जांचों उपरांत करवाई किया जाए। किसके आदेश से यह शिक्षक ने छात्र को पिटाई किया है।

तंबाकू के खिलाफ युवाओं ने बुलंद की आवाज

पटना। तंबाकू के सेवन से होने वाले नुकसान और इसके पूर्ण प्रतिबंध की जरूरत को लेकर मंगलवार को पारस हेल्थ में ऑन्कोलॉजी पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। पारस हेल्थ, एसोसिएशन ऑफ रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया और लाजवंती भगवत नाथ रेडिएशन ऑफ होप के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में पटना के विभिन्न स्कूलों के 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। तंबाकू पर पूर्ण प्रतिबंधः समय की मांग विषय पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने तंबाकू के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान, कैंसर के बढ़ते खतरे और तंबाकू पर पूर्ण प्रतिबंध की जरूरत को लेकर पक्ष-विपक्ष में अपने विचार रखे। विद्यार्थियों ने अपने तर्कों और विचारों के माध्यम से तंबाकू मुक्त समाज की आवश्यकता पर जोर दिया।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते भाजपा नेता

अरवल (एनएसबी)। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष के अध्यक्षता में संत शिरोमणि गुरु रविदास के 650 वीं जयंती वर्ष के शुभ अवसर पर समरसता संकल्प अभियान को पुष्पांजलि एवं दिप प्रज्वलित कर कार्यक्रम को उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार भाजपा के प्रदेश नेता सह क्षेत्रीय प्रभारी रविन्द्र रंजन एवं जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी ने रविदास के जन्मस्थली वाराणसी के सीर गोवर्धनपुर गांव से आए हुए मिट्टी को मंडल के सभी अध्यक्षों को कलश देकर कलश यात्रा के लिए रवाना किया गया इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी ने बताया कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के 650वीं जयंती के शुभ अवसर पर समरसता समानता एवं बंधुत्व के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प है। रविंद्र रंजन जी ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सबका साथ सबका विकास और सबका प्रयास के साथ मुल्य मंत्र के

उद्घाटन करते भाजपा नेता।

साथ 2047 तक विकसित भारत संकल्प को पूरा करना है। जिसमे मुख्य रूप से पयहारी बाबा के आश्रम से संत रामनाथ दास जी मौजूद रहें इस अवसर पर जिला महामंत्री संजीव कुमार,संगीता कुशवाहा,अनुसूचित जाती मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रभुचंद पासवान,कार्यक्रम के संचालनकर्ता जिला कार्यालय मंत्री धनंजय रविदास ने किया जिला उपाध्यक्ष संजीत सिंह,सत्येंद्र विश्वकर्मा,जिला मंत्री नितिश पासवान युवा मोर्चा अध्यक्ष चुन्नू नन्दन कुमार,ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष मनोज यादव,वाणिज्य प्रकोष्ठ के दीपक शर्मा,मंडल अध्यक्ष चंदन खत्री,ब्रजेन्द्र सिंह,भरत यादव,रिंकू कुमारी,अखिलेश पासवान,मनोज कुमार विक्की दूबे संजय गुप्ता सहित अन्य कार्यकर्त्तागण उपस्थित रहें।

राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय में हुआ दीक्षारंभ का आयोजन

मेहंदिया (एनएसबी)। राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय,में ह्मदीक्षारंभ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय, पटना के तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसमें बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न अभियंत्रण महाविद्यालयों के नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने प्रत्यक्ष एवं ऑनलाइन माध्यम से सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करने के साथ उन्हें उच्च तकनीकी शिक्षा, नवाचार, अनुसंधान एवं व्यावसायिक विकास के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना था।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय, पटना के कुलपति प्रो. सुरेश कांत वर्मा रहे। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार, आईएएस एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. बिजेंद्र कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अपने प्रेरणादायी संबोधन में कुलपति प्रो. सुरेश कांत वर्मा ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें तकनीकी शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम एवं परीक्षा तक सीमित न रखने की सलाह दी। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी नवाचार, अनुसंधान, रचनात्मक सोच, कौशल विकास एवं समस्या-समाधान की क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के सफल तकनीकी विशेषज्ञ, नवप्रवर्तक एवं कुशल टेक्नोक्रेट बनकर देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से जिज्ञासु बने रहने, नई तकनीकों को सीखने तथा अपने ज्ञान का उपयोग समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान में करने का आह्वान किया।कुलपति ने विद्यार्थियों को बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न अभियंत्रण पाठ्यक्रमों एवं शैक्षणिक अवसरों की जानकारी भी दी। उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, पाठ्यक्रम संरचना तथा

कार्यक्रम में भाग लेते लोग।

विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध विभिन्न अवसरों पर प्रकाश डाला।अपने संबोधन के दौरान कुलपति ने ग्रेडिंग सिस्टम, की विस्तृत जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को समझाया कि प्रत्येक सेमेस्टर के प्रदर्शन के आधार पर सीजीपीए निर्धारित होता है, जबकि विभिन्न सेमेस्टरों में प्राप्त क्रेडिट एवं ग्रेड प्वाइंट के आधार पर सीजीपीए निर्धारित किया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रारंभ से ही नियमित अध्ययन एवं निरंतर शैक्षणिक प्रदर्शन पर ध्यान देने की सलाह दी, क्योंकि प्रत्येक सेमेस्टर का प्रदर्शन उनके समग्र सीजीपीए को प्रभावित करता है। उन्होंने विश्वविद्यालय की परीक्षा एवं मूल्यांकन प्रणाली के संबंध में भी विद्यार्थियों को जागरूक किया तथा आंतरिक मूल्यांकन, सेमेस्टर परीक्षा, सतत अध्ययन एवं शैक्षणिक प्रदर्शन के महत्व को समझाया। विद्यार्थियों को परीक्षा प्रक्रिया एवं मूल्यांकन व्यवस्था को गंभीरता से समझने और नियमित रूप से अपनी शैक्षणिक प्रगति पर ध्यान देने की सलाह दी गई। कुलपति ने विद्यार्थियों को एनपीटीईएल जैसे ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का लाभ उठाने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने नियमित पाठ्यक्रम के साथ-साथ के माध्यम से देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के विशेषज्ञों से विभिन्न तकनीकी विषयों का अध्ययन कर सकते हैं तथा अपने ज्ञान और कौशल को और अधिक समृद्ध कर सकते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रणव कुमार ने सभी सम्मानित अतिथियों एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि दीक्षारंभ विद्यार्थियों के लिए इंजीनियरिंग शिक्षा की नई यात्रा का महत्वपूर्ण शुभारंभ है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम, तकनीकी दक्षता एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ अपने शैक्षणिक जीवन को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न अभियंत्रण महाविद्यालयों के प्राचार्यों, नोडल अधिकारियों, शिक्षकों एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। ऑनलाइन माध्यम से जुड़े विद्यार्थियों ने भी कुलपति से संवाद किया और अपने प्रश्नों के माध्यम से शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम की सफलता में राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, अरवल के सभी शिक्षकगण एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान एवं सहयोग रहा। सभी के सामूहिक प्रयास, समर्पण एवं सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम का सफल एवं सुचारु आयोजन संभव हो सका। कार्यक्रम के आयोजन एवं समन्वय में विशेष रूप से डॉ. अंजनी कुमार एवं मीडिया प्रभारी प्रो. संतोष कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके सक्रिय सहयोग, तकनीकी समन्वय एवं प्रभावी आयोजन व्यवस्था ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

खबरें : एक नजर में

नेता जी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि पर लोगों ने दी श्रद्धांजलि

महुआ (दैनिक नवसंदेश)। महुआ के गांधी चौक पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी सुमित सहगल के नेतृत्व में किया गया। इसमें बड़ी संख्या में शिक्षाविद, समाजसेवी और प्रबुद्धजन शामिल हुए।कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने नेताजी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। मौके पर 18 अगस्त को नेताजी की पुण्यतिथि के रूप में श्रद्धांजलि कार्यक्रम से संबंधित बैनर भी लगाया गया थाइस कार्यक्रम में आरएलजेपी के जिलाध्यक्ष पारस नाथ गुप्ता, प्रोफेसर ड़

श्रद्धांजलि देते लोग।

अरुण गुप्ता, मुकेश गुप्ता, सचिन अभिनव, अजय ठाकुर, सुनील कुमार, संजीव सागर, मन्नु कुमार और श्रवण पटवा समेत कई लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने नेताजी के जीवन, संघर्ष और देशभक्ति को याद किया। इस मौके पर उपस्थित वक्ताओं ने नेताजी के आजादी के संघर्ष और उनके प्रसिद्ध नारे का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका त्याग और समर्पण आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।आयोजक सुमित सहगल ने कहा कि आज के समय में नेताजी के बताए रास्तों पर चलने की जरूरत है।उन्होंने देश सेवा, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम को नेताजी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताया। उन्होंने युवाओं से नेताजी के आदर्शों को जीवन में उतारने और देश निर्माण में योगदान देने की अपील की।कार्यक्रम के अंत में मौजूद लोगों ने देश को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान कार्यक्रम स्थल देशभक्ति के नारों से गूंज उठा।

शराब पीते वीडियो पर एसपी ने किया आरोपी चौकीदार को निलंबित

हाजीपुर (दैनिक नवसंदेश)। बिहार में शराबबंदी के मखौल एक चौकीदार ने उड़ाया।वैशाली एसपी ने संज्ञान लेते हुए लालगंज थाना क्षेत्र में एक चौकीदार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार,चौकीदार अशोक पासवान का शराब पीते और एक आर्केस्ट्रा कार्यक्रम में डांस करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ । वायरल वीडियो सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा ने मामले को गंभीरता से लिया लालगंज एसडीपीओ गोपाल मंडल को जांच की जिम्मेदारी दी। जांच में वायरल वीडियो से जुड़े आरोप सही पाए गए। वीडियो में चौकीदार अशोक पासवान को शराब का सेवन करते और एक आर्केस्ट्रा कार्यक्रम में नाचते हुए देखा गया था। एसपी शुभांक मिश्रा ने चौकीदार अशोक पासवान के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने का भी आदेश दिया है।

चार सितंबर से महनार में सजेगा राजकीय गणीनाथ महोत्सव

महनार अनुमंडल कार्यलय में बैठक करते एसडीओ अंकित कुमार व मौजूद पदाधिकारी।

महनार (दैनिक नवसंदेश)। चार सितंबर से महनार में शुरू होने वाले तीन दिवसीय राजकीय गणीनाथ महोत्सव की तैयारियों को लेकर एसडीओ अंकित कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें एसडीपीओ प्रवीण कुमार, भूमि सुधार उप-समाहर्ता समेत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा के लिए बिजली, पेयजल, शौचालय, यातायात, चिकित्सा, अग्निशमन और साफ-सफाई की व्यवस्था की समीक्षा कर विभागवार जिम्मेदारी तय की गई। सहायक अभियंता, विद्युत प्रमंडल महनार को मंदिर परिसर का निरीक्षण कर बिजली उपकरण व तार दुरुस्त कराने तथा प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। लोक स्वास्थ्य एवं अभियंत्रण विभाग को बीडीओ, थानाध्यक्ष महनार एवं मंदिर समिति के समन्वय से अस्थायी शौचालय बनवाने को कहा गया। एसडीपीओ प्रवीण कुमार को पार्किंग, ट्रैफिक प्लान एवं रूट-चार्ट तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, देसरी को मेला परिसर व घाट पर रिफ्लेक्टिंग साइनेज व फ्लैक्स लगाने का निर्देश दिया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, महनार को दो पालियों में चिकित्सीय दल की प्रतिनियुक्ति करने को कहा गया। अग्निशमन पदाधिकारी एवं कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद महनार को अग्निशमन दस्ता व सफाई कर्मियों की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

जिला विधिज्ञ संघ के पुराने प्रपत्रों की बिक्री पर रोक के निर्णय के खिलाफ अधिवक्ता लिपिकों में असंतोष

लखीसराय (दैनिक नवसंदेश)। जिला विधिज्ञ संघ, लखीसराय द्वारा दिनांक 1 अगस्त 2026 से पूर्व के क्रय किए गए प्रपत्रों को अमान्य किए जाने तथा नए प्रपत्रों की बिक्री शुरू किए जाने के निर्णय को लेकर अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिकों में असंतोष बढ़ गया है। इस संबंध में दर्जनभर से अधिक अधिवक्ता लिपिकों ने संघ के अध्यक्ष एवं महासचिव को संयुक्त रूप से ज्ञापन सौंपकर उक्त निर्णय पर पुनर्विचार करते हुए उसे वापस लेने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि पुराने प्रपत्र अधिवक्ताओं एवं अधिवक्ता लिपिकों द्वारा संघ के काउंटर से विधिवत क्रय किए गए हैं। इन प्रपत्रों को अचानक अमान्य कर देने से आर्थिक नुकसान के साथ-साथ व्यवहारिक कठिनाइयां भी उत्पन्न होंगी।

गुरु रविदास महाराज मानवता के पथ प्रदर्शक : अजय

दैनिक नवसंदेश

संत रविदास जयंती पर भाजपा कार्यालय में किया गया कलश वितरण

कलश वितरित करते भाजपा जिलाध्यक्ष अजय कुशवाहा।

हाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में संत रविदास महाराज जी की 650 वी जयंती समारोह के उपलक्ष्य में हर मंडल में संत रविदास महाराज जी का पवित्र कलश वितरण और हर मंडल में मंडल अध्यक्ष की उपस्थिति में किया गया किया गया एवं संगोष्ठी आयोजित की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई ।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अजय कुशवाहा एवं मंच संचालन भाजपा के जिला महामंत्री रविंद्र सिंह ने किया।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अजय कुशवाहा ने अपने संबोधन में कहा कि संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज के 650 में जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज का पवित्र कलश वितरण किया गया। यह पवित्र कलश हर मंडल में लोगों के बीच ले जाया जाएगा और देश के प्रति किए गए उनके साहरनिये कार्यो की चर्चा की जाएगी ।

उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी का यह कथन था मनचंगा तो कटौती में गंगा ।यानी सबसे पहले हम लोगों को अपने मन की रक्षा करना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भाजपा 20 फरवरी 2027 तक पूरे देश में समरसता संकल्प अभियान चला रही है ।श्री गुरु रविदास महाराज किसी एक समाज के संत नहीं बल्कि संपूर्ण मानवता के महान पथ प्रदर्शक है ।उनका बेगम पुरा का दर्शन ऐसे समाज की कल्पना है जहां किसी प्रकार का दुख पीड़ा या भेदभाव ना हो । रविदास जी द्वारा दिखाया गया मार्ग की सबका साथ सबका विकास ,सबका विश्वास, सबका प्रयास ,के संकल्प का मूल आधार है ।यह अभियान सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता और विकसित भारत के निर्माण का व्यापक जन आंदोलन बनेगा। संत शिरोमणि श्री गुरु दास रविदास महाराज केवल किसी एक समाज के संत नहीं बल्कि संपूर्ण मानवता के महान पथ प्रदर्शक ,भक्ति आंदोलन के महान संत, श्रेष्ठ समाज सुधारक और महान आध्यात्मिक चिंतक थे ।

इस अवसर पर जिला प्रभारी संजय सहाय , किरण गुप्ता, जिला महामंत्री रविंद्र सिंह,प्रिय रंजन दास , जिला उपाध्यक्ष कल्याणी ठाकुर युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजीव ब्रह्मर्षि, जिला मीडिया प्रभारी रंजीत बाबुल ,जिला सूचना मंत्री राजीव रंजन, चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक रवि प्रकाश ,ओबीसी मोर्चा का जिला अध्यक्ष शत्रुघ चंद्रवंशी ,एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष नवीन राम ,संस्कृति प्रकोष्ठ के जिला संयोजक कर्नल कुमार, दलित प्रकोष्ठ के जिला संयोजक प्रवीण कुमार, एस टी मोर्चा के जिला अध्यक्ष शत्रुघ शाह , वीरेंद्र कुमार, ननहक राय , सुबोध सिंह आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

दिनचर्या पुस्तक का विमोचन विधानसभा के अध्यक्ष के कक्ष में किया गया

पुस्तक का विमोचन करते विधानसभा अध्यक्ष व अन्य।

हाजीपुर (दैनिक नवसंदेश)। डा. अभयनाथ सिंह लिखित दैनिक दिनचर्या पुस्तक का विमोचन विधानसभा के अध्यक्ष के कक्ष में किया गया। विधानसभा के अध्यक्ष डा. प्रेम कुमार, उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव, पुस्तक के लेखक, प्राध्यापक सह तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र ,मुजफ्फरपुर के पूर्व प्रत्याशी डा. अभय नाथ सिंह, पटना विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो (डा) लक्ष्मी नारायण सिंह, भाजयुमो के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनीष कुमार सिंह, भारत की पहली महिला किसान क्लब - ममता महिला किसान क्लब के सचिव ममता सिंह, भाजपा नेता अक्षय नाथ सिंह , प्रिया सिंह, श्रेया सिंह, श्रुति कुमारी, विवेक कुमार यादव, कुन्दन कुमार सिंह आदि उपस्थित थे। विधानसभा अध्यक्ष डा. प्रेम कुमार ने कहा कि यह पुस्तक आम लोगों के लिए काफी लाभप्रद है। सुबह उठने से लेकर सोने तक की धार्मिक क्रियाओं, सनातन धर्म की जानकारी, योग, प्राकृतिक कृषि, फुल - पौधा, वास्तुशास्त्र आदि जीवनोपयोगी जानकारी संक्षेप में दिया गया है। दैनिक दिनचर्या पुस्तक के लेखक डा अभय नाथ सिंह का लेखन महत्वपूर्ण है। कृषि के क्षेत्र में भी इनके द्वारा सराहनीय कार्य किया जाता है। पुरी टीम को बहुत बहुत बधाई। विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव ने पुस्तक को घर के लिए उपयोगी बताया। दैनिक दिनचर्या पुस्तक के लेखक डा अभय नाथ सिंह ने कहा कि संस्कृत के मंत्रों के हिन्दी में भावार्थ से बच्चें और महिलाओं को पूजा - पाठ करने में दिक्कत नहीं होगा।

पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा ने किया साप्ताहिक परेड का निरीक्षण

प्रशिक्षु सिपाहियों के साथ बैठक, दिए कई दिशा निर्देश

हाजीपुर (दैनिक नवसंदेश)। पुलिस अधीक्षक, वैशाली शुभांक मिश्रा द्वारा पुलिस केंद्र, हाजीपुर में आयोजित साप्ताहिक परेड का निरीक्षण किया गया। इस दौरान परेड में मौजूद सभी टुकड़ियों का बारीकी से निरीक्षण

पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा ने किया साप्ताहिक परेड का निरीक्षण।

किया गया, जिसके उपरांत सर्वश्रेष्ठ ड्रिल प्रदर्शन करने वाले प्लाटून को पुरस्त कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक (रक्षित) को नियमित रूप से परेड आयोजित कराने तथा जवानों में अनुशासन बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक ने जवानों की शारीरिक दक्षता एवं अनुशासन बनाए रखने पर विशेष बल देते हुए नियमित परेड के महत्व को रेखांकित किया।

वही, पुलिस केंद्र, हाजीपुर में प्रशिक्षण हेतु योगदान देने वाले कुल 149 प्रशिक्षु सिपाहियों के साथ बैठक कर उन्हें संबोधित किया गया।

इस अवसर पर सभी प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण से संबंधित नियमों तथा अनुशासन बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशिक्षुओं को उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं एवं हो रही समस्याओं की जानकारी ली गई तथा उनके त्वरित एवं समुचित निष्पादन हेतु संबंधित शाखा को आवश्यक आदेश दिए गए।उन्होंने प्रशिक्षुओं को अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ प्रशिक्षण पूर्ण करने हेतु प्रेरित किया।

दिनदहाड़े एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या

हाजीपुर (दैनिक नवसंदेश)। लालगंज थाना क्षेत्र के खरौना गांव निवासी 55 वर्षीय रामबाबू सिंह की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान रामबाबू सिंह, पिता स्वर्गीय बासवान भगत, ग्राम खरौना, वार्ड संख्या-01, नगर परिषद लालगंज के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार रामबाबू सिंह मंगलवार को घर से पूजा का सामान खरीदने के लिए बाजार निकले थे। इसी दौरान लालगंज बाईपास रोड स्थित सब्जी मंडी के पास बदमाशों ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में उनके कलेजे, पीठ समेत शरीर के कई हिस्सों पर गंभीर जख्म के निशान मिले हैं। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

घटनास्थल पर लोगो की भीड़ ।

घटना की सूचना मिलते ही लालगंज पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। लालगंज थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष हरिप्रसाद राय के नेतृत्व में पुलिस घटनास्थल और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। इधर, मृतक के परिजनों ने जमीनी विवाद में हत्या किए जाने की आशंका जताई है। परिजनों ने अपने ही चाचा और चचेरे भाई पर हत्या करवाने का आरोप लगाया है। हालांकि, हत्या के वास्तविक कारणों और आरोपों की पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

बीडीओ और सीओ ने मौके पर सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं, कई मामलों का हुआ ऑन-द-स्पॉट निपटारा

खुसरूपुर/ पटना (दैनिक नवसंदेश)। पटना जिले के खुसरूपुर प्रखंड अंतर्गत बैकटपुर गांव में एक दिवसीय विशेष सहयोग शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का प्राथमिक उद्देश्य सरकारी सेवाओं और कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच को सीधे जनता के दरवाजे तक आसान, पारदर्शी और त्वरित बनाना था। आयोजन में प्रखंड प्रशासन के तमाम प्रमुख अधिकारियों और कर्मियों की एक साथ मौजूदगी ने स्थानीय ग्रामीणों को अपने लंबित प्रशासनिक कार्यो और समस्याओं को सीधे वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष रखने का एक बेहतरीन मंच प्रदान किया।

प्रमुख अधिकारियों की उपस्थिति और ऑन-द-स्पॉट कार्रवाई : शिविर में मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) पूजा कुमारी, अंचलाधिकारी (सीओ) रविन्द्र कुमार, चौपाल पंचायत पदाधिकारी इंदु बाला तथा राजाराम सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इनके साथ ब्लाक के विभिन्न विभागों के कर्मचारी और प्रतिनिधि भी पूरे मुस्तैदी के साथ शिविर में तैनात थे।

कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों की संख्या में आसपास के ग्रामीण अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। ग्रामीणों ने मुख्य रूप से : राजस्व एवं भूमि सुधार , दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) और भूमि विवाद से संबंधित मामले। खाद्य एवं आपूर्ति : नया राशन कार्ड बनवाने और पुराने कार्ड में सुधार के आवेदन। सामाजिक सुरक्षा : वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांग पेंशन से जुड़े मामले। आवास योजना : प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पंजीकरण व किश्तों की स्थिति। स्थानीय विकास : गांव की नालियों, सड़कों और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े आवेदन सौंपे। प्राप्त आवेदनों में से कई व्यावहारिक और त्वरित समस्याओं का अधिकारियों ने मौके पर ही निष्पादन कर दिया। वहीं जटिल व प्रक्रियाधीन आवेदनों को संबंधित विभाग के कर्मियों को सौंपते हुए एक निश्चित समयसीमा के भीतर हल करने का कड़ा निर्देश दिया गया। बीडीओ पूजा कुमारी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि अक्सर ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यो और जानकारियों के लिए प्रखंड कार्यालय के बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं, जिससे उनका समय और पैसा दोनों बर्बाद होता है। इस तरह के विशेष शिविरों का मूल उद्देश्य प्रशासन और आम जनता के बीच की दूरी को समाप्त करना है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी आवेदनों पर निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कार्रवाई की जाएगी। वहीं अंचलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने भूमि से संबंधित मामलों पर विशेष जोर देते हुए कहा कि अंचल प्रशासन राजस्व रिकर्ड को दुरुस्त करने और दाखिल-खारिज के लंबित मामलों को जल्द से जल्द निपटाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ग्रामीणों को बिचौलियों से दूर रहने और सीधे प्रशासनिक व्यवस्था पर भरोसा रखने की सलाह दी।

बैकटपुर में एक दिवसीय विशेष सहयोग शिविर।

गांव में ही अपनी समस्याओं के त्वरित समाधान की इस अनूठी पहल से बैकटपुर और आसपास के ग्रामीणों में काफी उत्साह देखा गया। स्थानीय लोगों ने प्रखंड प्रशासन की इस संवेदनशील और जनहितैषी कार्यशैली की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

खबरें खास-खास

मदरसा चौक अंडरपास में खड़ी कार में लगी भीषण आग, धू-धू कर जली

हाजीपुर (दैनिक नवसंदेश)। नगर थाना क्षेत्र के अनजानपीर मदरसा चौक स्थित अंदर पास में मंगलवार की शाम खड़ी कार अचानक आग लग गई। देखते ही देखते कार पूरी तरीके से धू धू कर जल गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना नगर थाने एवं अग्निशमन विभाग को दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। बताया गया कि कार अंडरपास के नीचे करीब दो-तीन घंटे से खड़ा था। पुलिस कार में सवार व्यक्ति एवं कार मालिक का पहचान करने में जुटी है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मदरसा चौक स्थित अंडरपास के नीचे एक कार दो घंटे से लगा हुआ था। जिस पर कोई भी व्यक्ति सवार नहीं था। देखते ही देखते मंगलवार की शाम करीब 5 बजे अचानक खड़ी कार से धुवां उठने लगी। धुआं उठता देख मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। लोग कुछ समझ पाते जब तक आग पूरी तरीके से धू धू कर जलने लगी। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना अग्निशमन विभाग को दी एवं आग बुझाने में जुटी। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन पदाधिकारी विजेंद्र कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय मोहम्मद अफराज ने बताया कि अंडरपास के नीचे यह कर करीब 2 घंटे से खड़ी थी। देखते ही देखते कार में आग लग गई। घटना की सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। इस संबंध में अग्निशमन पदाधिकारी विजेंद्र कुमार ने बताया कि कार में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया गया। कार में आग कैसे लगी इसकी जांच की जा रही है। वही कार में सवार व्यक्ति एवं कार मालिक का पहचान किया जा रहा है।

गाड़ी में लगी आग को देखते लोग।

सहयोग शिविरों में 740 आवेदन प्राप्त 506 मामलों का त्वरित निष्पादन

हाजीपुर (दैनिक नवसंदेश)। जिला पदाधिकारी, वैशाली श्रीमती वर्षा सिंह के मार्गदर्शन में जिले के सभी प्रखंडों के चयनित पंचायतों एवं नगर निकायों में आज 'सहयोग शिविर' का सफल आयोजन किया गया। शिविरों के माध्यम से आमजनों को विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं एवं शिकायतों के समाधान के लिए अपने निकट ही आवेदन देने की सुविधा उपलब्ध कराई गई। जिले में आयोजित सहयोग शिविरों में कुल 740 आवेदन एवं शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 506 मामलों का मौके पर अथवा प्रारंभिक स्तर पर निष्पादन किया गया। शेष 234 मामलों के निष्पादन की कार्रवाई प्रगति पर है। शिविरों में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे तथा प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई की गई। जिला पदाधिकारी श्रीमती वर्षा सिंह ने

सहयोग शिविर में आवेदकों की भीड़।

सहयोग शिविरों के सफल आयोजन एवं प्राप्त आवेदनों के निष्पादन को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों को अगले 24 घंटे के भीतर डिजिटाइज कर संबंधित पोर्टल पर अपलोड किया जाए, ताकि उनके निष्पादन की प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ हो सके। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि प्राप्त सभी आवेदनों एवं शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करते हुए 30 दिनों के भीतर शत-प्रतिशत निस्तारण किया जाए। साथ ही, लंबित मामलों की नियमित समीक्षा एवं अनुश्रवण करने का भी निर्देश दिया गया।

टीआरई-4 की वैकेंसी जारी होने पर शिक्षा मंत्री ने कहा-युवाओं के लिए भविष्य का द्वार खुला

32,388 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी, शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने शिक्षक अभ्यर्थियों को दी शुभकामनाएं

पटना (दैनिक नवसंदेश)। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-4) के अंतर्गत 32,388 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे बिहार के शिक्षक अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर बताया है। टीआरई-4 के तहत पहले से स्वीकृत 32,388 पदों के अतिरिक्त विभिन्न विषयों एवं भाषाओं में 886 नए पद जोड़े जाने की प्रक्रिया की गई है। इनमें आठ भाषाओं विषयों जैसे मगही, मैथिली, ललित कला, प्राकृत सहित अन्य के 810 पद तथा कृषि विषय के 76 पद शामिल हैं। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि बिहार सरकार युवाओं के लिए रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने और राज्य की शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। टीआरई-4 के माध्यम से हजारों योग्य एवं प्रतिभाशाली युवाओं को बिहार की शिक्षा व्यवस्था से जुड़कर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए भविष्य का द्वार खुला है। आप सभी भविष्य के निर्माता बनकर आइए, शिक्षा विभाग आप सभी के स्वागत के लिए तैयार है। श्री तिवारी ने कहा कि शिक्षक केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के निर्माण और बिहार के भविष्य को दिशा देने वाले राष्ट्रनिर्माता हैं। योग्य और समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों के सपनों को उड़ान देने के साथ-साथ विकसित और सशक्त बिहार की नींव तैयार करते हैं। सरकार का लक्ष्य विद्यालयों में पर्याप्त संख्या में योग्य एवं प्रशिक्षित शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करना है। उन्होंने कहा कि टीआरई-4 के माध्यम से शिक्षकों की नियुक्ति से विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता और बेहतर होगी तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के सरकार के प्रयासों को और गति मिलेगी। शिक्षा मंत्री ने सभी शिक्षक अभ्यर्थियों से अपील की कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी करें और पूरी तैयारी, मेहनत एवं आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में शामिल हों। उन्होंने कहा कि बिहार की युवा शक्ति में अपार क्षमता है और राज्य सरकार युवाओं को आगे बढ़ने के लिए हरसंभव अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति को अवसर देना, शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और बिहार के विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। श्री तिवारी ने सभी शिक्षक अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि टीआरई-4 के माध्यम से चयनित शिक्षक बिहार के विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को नई उंचाइयों तक ले जाएंगे और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ।